RNI No. DELHIN/2010/35423, Postal: DL(E)-20/5435/2016-18 राष्ट्रीय संस्करण www.swarajkhabar.com, Email :- editorswarajkhabar@gmail.com

खबरों का स्वराज

स्वराज ख़बर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

● दिल्ली ● नोएडा ● देहरादून ● पटना से एक साथ प्रकाशित

11 पाकिस्तानी क्रिकेटर बदतमीजी पर उतरा...

दिल्ली ● वर्ष : 16 ● अंक : 333 ● गुरुवार 14 नवम्बर, 2024 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य ₹ 3

17 दिसंबर को सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ ही ... 12

ग्लेशियर झील से 'तबाही' पर चेत गई मोदी सरकार

● बर्फीली बाढ़ से कभी न हो सिक्किम जैसी तबाही, ले लिया सबक ● मोदी सरकार ने शुरू किया बड़ा काम, परियोजनाओं की मैपिंग शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल सिक्किम में ग्लेशियल झील की बाढ़ की वजह से तबाही मची थी। करीब सौ लोग मारे गए थे और तीस्ता पनबिजली संयंत्र (हाइड्रो पावर प्लांट) पूरी तरह से तबाह हो गया था। इस घटना के बाद से केंद्र सरकार ने गंभीर ग्लेशियल झीलों और ग्लोफ के खतरे वाली पनबिजली परियोजनाओं और क्षेत्रों का पता लगाने और वैज्ञानिक तरीकों से इनसे निपटने पर ध्यान केंद्रित किया है। नए अध्ययनों से पता चला है कि ग्लोफ्स के खतरे वाली 47 परियोजनाओं में से 20 हिमाचल प्रदेश में हैं। इनमें एनएचपीसी की बैरा सियूल (180 मेगावाट), एसजेवीएन की नाथपा झाकड़ी (1,500 मेगावाट), प्राइवेट कंपनी की बुधिल (70 मेगावाट), मलाणा (100 मेगावाट), करचम

वांगतू (1,045 मेगावाट) और चंजू द्वु (36 मेगावाट) जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। उत्तराखंड में भी ऐसी नौ परियोजनाएं हैं जो ग्लोफ के खतरे के साये में हैं। इनमें धौलीगंगा में स्थित एक परियोजना के साथ-साथ विष्णुप्रयाग और तपोवन विष्णुगाड जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में ऐसी पांच प्रॉजेक्ट्स हैं, जबकि अरुणाचल प्रदेश में ऐसी तीन परियोजनाएं हैं। सिक्किम में ऐसी पांच और परियोजनाएं हैं जिन्हें संवेदनशील माना जाता है। वहां 2023 में दक्षिण ल्होनाक ग्लोफ का कहर देखने को मिला था। ग्लोफ शमन के लिए रणनीतियां पर राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण समिति की कार्यशाला में साझा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि सिक्किम में हुई इस घटना के बाद से सभी छह प्रभावित राज्यों में मैपिंग का काम चल रहा है।

रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होने देंगे

मोदी बोले-

● जेएमएम-कांग्रेस बहुत बड़ी साजिश कर रहे

देवघर में कहा-

● हमने झारखंड को बनाया, हम ही संवारेंगे

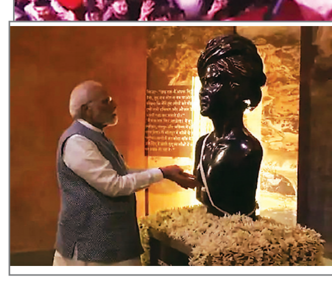

देवघर (एजेंसी)। पीएम मोदी तीसरी बार झारखंड पहुंचे। पीएम मोदी यहां देवघर के सारठ में जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। मोदी ने कहा इस चुनाव में रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण मुद्दा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा-एनडीए की सरकार संथाल की और झारखंड की रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं होने देगी। जेएमएम-कांग्रेस सरकार में बाहर से आए घुसपैठियों को यहां का परमानेंट निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किए गए। इन घुसपैठियों के लिए रातों-रात पक्के कागज बनाए गए। आदिवासी बेटियों को शादी के नाम पर ठगा गया और उनकी जमीन हथिया ली गई। इन घुसपैठियों ने आपसे आपका रोजगार छीन लिया और आपकी रोटी भी छीन ली।

प्रधानमंत्री ने दरभंगा एम्स का किया शिलान्यास

एम्स निर्माण सहित 12 हजार करोड़ की परियोजनाओं का श्रीगणेश

दरभंगा, स्वराज खबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी बुधवार को दरभंगा के शोभन स्थित एम्स निर्माण को लेकर भूमि पूजन और शिलान्यास के साथ ही कई परियोजना का किया शुभारम्भ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के अलावे केंद्रीय व राज्य सरकार के मंत्री मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने रिमोट के माध्यम से एकमी-शोभन बाइपास में दरभंगा एम्स निर्माण के लिए भूमि पूजन व शिलान्यास कार्य का लोकार्पण किया। इसके साथ ही दरभंगा में नई बाइपास रेल लाइन समेत बिहार के अन्य परियोजनाओं का राष्ट्र के नाम समर्पण किया। केंद्र सरकार की 25 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। झंझारपुर लोकहा बाजार रेल खंड पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाया। इसके बाद परियोजनाओं से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई। बता दें कि 1700 करोड़ से बनने वाले एम्स व 10 करोड़ की लागत से बनने वाले रामनगर-रोसड़ा एनएच 527 का शिलान्यास और 389 करोड़ से निर्मित काकरघाटी-शीशो बाइपास रेलवे लाइन, झंझारपुर-लोकहा बाजार रेलखंड के गेज परिवर्तन के साथ ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया।

ईसी ने अब सीएम शिंदे के सामान की ली तलाशी

● सीएम ने कसा तंज बोले-कपड़े हैं, यूरिन पॉट नहीं ● उद्धव ने जांच पर कहा था-यूरिन पॉट भी चेक कर लें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर में कोलगांव हैलीपेड पर बुधवार को इलेक्शन कमीशन के अधिकारियों ने सीएम एकनाथ शिंदे के सामान की चेकिंग की। अधिकारियों ने शिंदे के बैग, ब्रीफकेस और दूसरे सामान को जांचा। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। शिंदे ने अधिकारी से कहा- कपड़े हैं.. अधिकारी ने हां में सिर हिलाया। इसके बाद शिंदे ने कहा- कपड़े हैं, यूरिन पॉट बगैरह नहीं है। शिंदे का यह कमेंट उद्धव के बयान पर तंज माना जा रहा था। दरअसल, 11 और 12 नवंबर को हैलीपेड पर 2 बार उद्धव ठाकरे के भी सामान की जांच हुई थी। तब उद्धव ने इसका वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कहते नजर आ रहे थे- मेरा बैग चेक कर लीजिए।

चाहे तो मेरा यूरिन पॉट भी चेक कर लीजिए, लेकिन अब मुझे मोदी के बैग चेक करते हुए भी आप लोगों का वीडियो चाहिए। वहां आप अपनी पूंछ मत झुका देना। शिंदे के अलावा बुधवार को पुणे में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले के हेलीकॉप्टर की भी जांच की गई। इससे पहले

मंगलवार को लातूर में ईसी ने नितिन गडकरी के बैग की चेकिंग की गई थी। महाराष्ट्र के दोनों डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के हेलीकॉप्टर की भी बीते दिनों जांच हो चुकी है। बीजेपी ने आज ही फडणवीस के हेलीकॉप्टर जांच की वीडियो भी जारी किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बैग की 12 नवंबर को लातूर में चेकिंग की गई थी। वे औसा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अभिमन्यु पवार का प्रचार करने पहुंचे थे।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

गवर्नर हुए ऐक्टिव, ममता सरकार से मांगी रिपोर्ट

आरोपी संजय रॉय ने खुद को बेगुनाह बताया था, पूर्व कमिश्नर पर फंसाने के आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप-मर्डर केस में आरोपी संजय रॉय ने पूर्व कमिश्नर पर खुद को फंसाए जाने के आरोप लगाए थे। इस मामले में पश्चिम बंगाल के गवर्नर सी वी आनंद बोस ने सीएम ममता बनर्जी से रिपोर्ट मांगी है। 11 नवंबर को सियालदह कोर्ट में पेशी के बाद संजय रॉय ने चीखते हुए मीडिया से कहा था कि उसे फंसाया गया है। कोलकाता के पूर्व पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने उसके खिलाफ साजिश रची है। साजिश में दूसरे बड़े अफसर भी शामिल हैं। मामले में संज्ञान लेते हुए गवर्नर ने डीजी को जांच कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं। साथ ही सरकार का पक्ष भी बताने को कहा है। जूनियर डॉक्टरों की मांग के चलते विनीत गोयल को पद से हटा दिया गया है। ममता सरकार पर भी लगाए थे आरोप इससे पहले 4 नवंबर को संजय ने पहली बार ममता सरकार पर आरोप लगाया था। सियालदह कोर्ट में पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने अपनी चार्जशीट में संजय रॉय को मुख्य आरोपी बताया है। इसके अलावा केस को गैंगरेप की बजाय रेप केस बताया है। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि पीड़ित के शरीर से मिला सीमन सैंपल और खून आरोपी से मैच हो चुका है।

'बुलडोजर' ऐक्शन पर अफसर नहीं बन सकते जज

● सुप्रीम कोर्ट बोला-प्रॉपर्टी तोड़ने से पहले 15 दिन का नोटिस जरूरी

● सख्त फैसला-अफसर दोषी हुआ तो निर्माण कराएगा, मुआवजा देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। घर सबका सपना होता है, ये बरसों का संघर्ष है और सम्मान की निशानी। अगर घर गिराया जाता है तो अधिकारी को साबित करना होगा कि यही आखिरी रास्ता था। अफसर खुद जज नहीं बन सकते। बुलडोजर ऐक्शन पर फैसला सुनाते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह कमेंट किया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने बुलडोजर ऐक्शन पर पूरे देश के लिए 15 गाइडलाइन जारी कीं। अदालत ने कहा कि अगर घर गिराने का फैसला ले लिया गया है तो 15 दिन का समय दिया जाए। घर गिराने की कार्रवाई की वीडियोग्राफी जरूरी है। अगर कोई अफसर गाइडलाइन का उल्लंघन करता है तो वो अपने खर्च पर दोबारा प्रॉपर्टी का निर्माण कराएगा और मुआवजा भी देगा। अपना घर हो, अपना आंगन हो, इस ख्वाब में हर कोई जीता है। इंसान के दिल की ये चाहत है कि एक घर का सपना कभी न छूटे। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगातार बुलडोजर ऐक्शन के बाद जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोप लगाया था कि बीजेपी शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर ऐक्शन लिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने दलील दी थी कि कोर्ट अपने फैसले से हमारे हाथ ना बांधे। किसी की भी प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई है, क्योंकि उसने अपराध किया है। आरोपी के अवैध अतिक्रमण पर कानून के तहत ऐक्शन लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लाहौर के जहरीले धुएं से उत्तर भारत में धुंध-कोहरा

● अमृतसर में विजिबिलिटी 50 मीटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के प्रमुख राज्य पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश धुंध और कोहरे की चपेट में आ गए हैं। एयर क्वालिटी इंडेक्स बताने वाली एजेंसी के मुताबिक दोपहर 12 बजे तक दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और फरीदाबाद में एक्यूआई 400 के पार रिकॉर्ड किया गया। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार सुबह 8.30 बजे तक अमृतसर में दृश्यता केवल 50 मीटर रही। हलवारा (लुधियाना) में 100 मीटर, सरसावां (सहारनपुर) में 250 मीटर, अंबाला में 300 और चंडीगढ़ में 400 मीटर के बाद दृश्यता नहीं थी।

भारत-चीन के बीच पेट्रोलिंग का पहला राउंड पूरा

● समझौते के बाद एलएसी पर शुरू हुई थी यह गश्त

पूर्वी लद्दाख (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख के भारत-चीन बॉर्डर पर भारतीय सेना की पेट्रोलिंग का पहला राउंड पूरा हो गया है। 1 नवंबर को गश्त डेमचोक और देपसांग इलाके में गश्त शुरू हुई थी। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, दोनों

इलाकों में एक बार भारतीय सैनिकों और एक बार चीनी सैनिकों की तरफ से गश्त की जाएगी। पेट्रोलिंग के लिए सैनिकों की सीमित संख्या तय की गई है। ये संख्या कितनी है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

आतंकी डल्ला के साथ गैंगस्टर गुरजंट भी गिरफ्तार

हाथ पर लगी थी गोली

जालंधर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप डल्ला को कनाडा में हिरासत में लिए जाने की पुष्टि हो गई है। अर्श डल्ला के साथ उसका एक साथी गुरजंट सिंह उर्फ जंटा भी पुलिस हिरासत में है। आज दोनों को कनाडा पुलिस द्वारा कोर्ट में पेश किया जाएगा। कनाडा के पील एरिया में उक्त मामले को लेकर सुनवाई होगी। कोर्ट में होने वाली सुनवाई की लिस्ट में अर्श डल्ला और जंटा का नाम शामिल है। सूत्रों के अनुसार 28 अक्टूबर को हॉल्टन में हुए शूटआउट में अर्श डल्ला की बाजू पर गोली लगी थी। अर्श अपनी कार में गुरजंट के साथ था। इस दौरान उनकी कार के पास एक कार आकर रुकी और दूसरी कार से ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं।

डॉ. योगेन्द्र

इन दिनों

धरती का सच और आकाशी बयान

आज राँची में मतदान हो रहा है। यहाँ सुबह हल्की ठंड रहती है। रात में एक मोटी चादर लेकर सोना ज़रूरी है। लोगों ने मफ़लर, हॉफ स्वेटर, चिट आदि निकाल लिया है। नेताओं में जब से विचारों का अभाव हुआ है, तब से कुछ न कुछ उल्टे सीधे बयान देकर वे आत्मतुष्ट होते हैं। नाम का ज़िक्र नहीं करूँगा। एक नेता ने कहा कि हेमंत सोरेन जला हुआ ट्रांसफ़ॉर्मर है, उसे तुरंत बदल दीजिए। वे अपने दल के विचारों का प्रचार नहीं कर रहे। वे यह नहीं बता रहे कि झारखंड का जंगल, ज़मीन, लोग कैसे महफ़ूज़ रहेंगे और उसकी तरक़्क़ी के लिए क्या-क्या एजेंडा है? मैं दो हज़ार रूपये दूँगा, तो दूसरा ढाई हज़ार देने लगता है। कोई दो सौ यूनिट बिजली फ़्री कर रहा है तो कोई ढाई सौ पर आ जाता है। अख़बारों का मूड भी एकतरफ़ा है। एक दल की खबरों से वह भरा रहता है। डंडी मारने से किसी को लाभ होता है, तो वह घाटा क्यों उठायेगा, लेकिन पत्रकारिता की निष्पक्षता तो ख़तरे में है ही। नेताओं के मूल्य तो अवमूल्यन हुआ ही है, पत्रकारों और लेखकों के शब्दों का भी अवमूल्यन हुआ है।

समाज में डॉक्टर नाम का एक जीव होता है। कहा जाता है कि वह धरती का भगवान है। इस भगवान का भी अवमूल्यन कम नहीं हुआ है। ज़्यादातर क्लीनिक में काले धन का व्यापार चल रहा है। वह जो फ़ीस लेता है, उसकी रसीद नहीं देता। क्या आमदनी हुई, इसका कोई लेखा जोखा नहीं है। ऊपर से दवा कंपनियों और जांच घरों से गठबंधन। जिन दवाओं की ज़रूरत नहीं है, उसे भी मरीज़ खाये जा रहे हैं। जिस जाँच की ज़रूरत नहीं है, वह जाँच भी कराये जा रहे हैं। आम लोगों को कुछ पता नहीं कि उसके साथ क्या हो रहा है? थके हारे लोग क्या करें, कहाँ जायें? हम गर्व से उन्नत होते हैं, जब सुनते हैं कि उसके देश की अर्थव्यवस्था फ़ाइव ट्रिलियन की हो गई है, मगर हालत क्या है? केंद्र सरकार ने पाँच लाख का आयुष्मान कार्ड जारी किया है। बीमार होइए। तो आपका इलाज पाँच लाख तक फ़्री होगा। सुनने में भी अच्छा लगता है। लेकिन क्लीनिक के लिए पैसा लूटने का यह एक सुअवसर है। आप बीमार नहीं भी हैं तो आपको बीमार बता कर आपका इलाज किया जायेगा। गुजरात में एक अस्पताल है - ख्याति स्पेशलिटी हॉस्पिटल। इसके डॉक्टरों ने मेहसाणा ज़िले के बोरीसणा गाँव में एक सौ लोगों का हेल्थ जाँच की। 19 लोगों के बारे में इसने रिपोर्ट दी कि इन लोगों के दिल में दिक़्क़त है, इसका इलाज ज़रूरी है। इन सब लोगों के पास आयुष्मान कार्ड था। गाँव के लोग, भोले भाले। डॉक्टरों ने कहा कि मुफ़्त जाँच करेंगे। इन लोगों को अस्पताल में भर्ती की। फिर एंजियोग्राफ़ी की और इनमें सात लोगों का धड़ा धड़ एंजियोप्लास्टी कर दी। इनमें से छह लोगों की हालत बिगड़ गयी। दो मौत के हवाले हुए और चार के आसपास मौत मंडरा रही है। लेकिन आयुष्मान कार्ड भंज कर तैयार है। मज़ा यह है कि यह अस्पताल छह महीने में 350 एंजियोग्राफ़ी कर चुका है। हम धरातल पर ऐसे ही हैं- ठग, अपराधी और निष्ठुर। कोसने के लिए प्रधानमंत्री को कोसा जा सकता है कि जहाँ बीस वर्ष मुख्यमंत्री रहे, दस साल प्रधानमंत्री रहे, उस राज्य में ऐसी ठगी? मगर कोसने से क्या फ़ायदा? अस्पताल बदल जायेगा? व्यवस्था दुरुस्त हो जायेगी? आयुष्मान कार्ड जारी ही इसलिए हुआ है कि सब मिल कर लूटें, खायें, मौज मनायें। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से जितने पैसे निकाले जा रहे हैं, उसमें कई सरकारी अस्पताल दुरुस्त हो जाते। सरकार अपने अस्पतालों को ठीक नहीं कर रही और लूट के लिए आयुष्मान कार्ड जारी कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

मेरे दादा और नाना दोनों ओर के लोग स्वतंत्रता संग्राम में सीधे तौर पर शामिल थे: इरा दुबे

मुंबई, एजेंसी। फ्रीडम एट मिडनाइट के साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम की गाथा अब पर्दे पर जीवंत होने जा रही है। यह एक बहुप्रतीक्षित सीरीज़ है, जिसमें इस संघर्ष की उथल-पुथल भरी घटनाओं को दिखाया गया है। ये घटनायें देश के इतिहास को आकार देने वाले महत्वपूर्ण मोड़ों को उजागर करेंगी। इस सीरीज़ से जुड़े हर कलाकार का इसका अनुभव अलग और खास है। इस सीरीज़ में जिन्ना की बहन फाति़मा जिन्ना का किरदार निभा रहीं इरा दुबे ने ऐतिहासिक ड्रामा की अहमियत के बारे में बातें की। उन्होंने कहा, ''बचपन से ही, मैं भारत के स्वतंत्रता संग्राम की व्यक्तिगत और कम जानी-पहचानी कहानियां सुनती आ रही हूं, जो हमारे परिवार के इतिहास का अहम हिस्सा हैं। मेरे दोनों परिवार स्वतंत्रता संग्राम में सीधे तौर पर शामिल थे। मेरे नाना जी रेलवे में काम करते थे और उन्होंने भारत में शवों से भरी ट्रेनों को आते हुए देखा था, जिसके बारे में वो हमें हमेशा बताते थे। उनके भाई, जो पंडित नेहरू के समकालीन थे, स्वतंत्रता संग्राम के प्रति पूरी तरह समर्पित थे और खादी पहनते थे। मेरे दादा दो बार जेल गए थे, और महात्मा गांधी खुद एक बार मेरी परदादी के घर ठहरे थे, जबकि उनके भाई को भी इस आंदोलन के लिए जेल जाना पड़ा था। ये यादें मेरे भीतर गहरी छाप छोड़ चुकी हैं, और मुझे हमारे इतिहास के इस हिस्से को जीवित करने की एक बड़ी जिम्मेदारी का अहसास होता है। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' डोमिनिक लेपिएर और लैरी कॉलिन्स की किताब पर आधारित है। इसमें कई बेहतरीन कलाकार अपने अभिनय का जलवा बिखेर रहे हैं, जिसमें सिद्धांत गुप्ता, चिराग वोहरा, राजेन्द्र चावला, आरिफ ज़कारिया, मलिश्का मेंडोन्सा, राजेश कुमार, केसी शंकर, ल्युक मैकगिबनी, कोर्डेलिया बगेजा, एलिस्टेयर फिनले, एंड्रू कुलम और रिचर्ड टेवरसन शामिल हैं।

भारत ने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी, अफगानों की मदद के लिए नियुक्त किया है दूत

मुंबई, एजेंसी। तालिबान सरकार ने इकरामुद्दीन कामिल को मुंबई स्थित अफगान मिशन में कार्यवाहक वाणिज्यदूत नियुक्त किया है। यह जानकारी अफगान मीडिया ने दी है। यह भारत में किसी भी अफगान मिशन में तालिबान द्वारा की गई पहली ऐसी नियुक्ति है। हालांकि इस नियुक्ति पर भारतीय पक्ष की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई। इस बीच सूत्रों ने बताया कि जिस शख्स को नियुक्त किया गया है वह भारत में ही पढ़ा है और भारत में रह रहे अफगान नागरिकों की मदद के लिए उन्हें नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, तालिबान सरकार की मान्यता के बारे में विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी भी सरकार को मान्यता देने की एक निर्धारित प्रक्रिया है, और भारत इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ काम करता रहेगा। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पिछले तीन वर्षों में भारत में स्थित अफगान दूतावास और कांसुलेट्स में कार्यरत कई अफगान राजनयिकों ने पश्चिमी देशों में शरण ली है और भारत छोड़ चुके हैं। हालांकि, एक पूर्व राजनयिक ने अब भी भारत में रहकर अफगान मिशन और कांसुलेट्स का कामकाज किसी तरह संभाले रखा है। भारत में बड़ी संख्या में अफगान समुदाय के लोग रहते हैं, जिन्हें कांसुलर सेवाओं की आवश्यकता होती रहती है। इसलिए, वर्तमान में भारत में बसे अफगान नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक स्टाफ की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि एक युवा अफगान छात्र भारत में सात वर्षों तक पढ़ाई कर चुका है और दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय से एमईए छात्रवृत्ति पर डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी कर चुका है। उसने इस कांसुलेट में एक राजनयिक के रूप में काम करने की सहमति दी है। एमईए ने उनके बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वह अफगान नागरिक हैं, जो भारत में अफगान नागरिकों की सेवा में लगे हैं। इससे पहले तालिबान नियंत्रित बख्तर समाचार एजेंसी ने सोमवार को अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मुंबई में कार्यवाहक वाणिज्यदूत के रूप में कामिल की नियुक्ति की घोषणा की है। उसने कहा, वह फिलहाल मुंबई में हैं, जहां वह इस्लामिक अमीरात का प्रतिनिधित्व करते हुए एक राजनयिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

संजौली मस्जिद मामले में स्थानीय लोग बनेंगे पार्टी?

कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपनगनर संजौली की मस्जिद में अवैध निर्माण को गिराने के आदेश को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका पर जिला अदालत में सोमवार को सुनवाई हुई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण शर्मा की अदालत ने स्थानीय लोगों की ओर से मामले में प्रतिवादी बनाने के आवेदन पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस पर आगामी 14 नवंबर को सुनवाई होगी। इसी तारीख को मुस्लिम पक्ष की ओर से मस्जिद में अवैध निर्माण गिराने के फैसले पर रोक लगाने वाली याचिका की मेंटेबिलिटी पर भी निर्णय लिया जाएगा।

पिछली सुनवाई में अदालत ने मुस्लिम पक्ष को झटका देते हुए मस्जिद के अवैध निर्माण पर रोक लगाने से मना कर दिया था। दरअसल शिमला नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ को मस्जिद की अवैध तीन मंजिलें गिराने का आदेश दिया है। इस पर मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के सदस्य व ऑल हिमाचल मुस्लिम लीग के प्रवक्ता नजाकत अली हाशमी ने 29 अक्टूबर को नगर निगम आयुक्त के फैसले के खिलाफ जिला अदालत में अपील दायर की थी।

अदालत में दायर की गई अपील में दावा किया गया कि संजौली मस्जिद कमेटी पंजीकृत नहीं है और इस मसले पर फैसले का अधिकार मोहम्मद लतीफ को नहीं है। ऐसे में

मोहम्मद लतीफ की ओर से कोर्ट में दायर किया गया हलफनामा गैरकानूनी है। याचिकाकर्ता मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के अधिवक्ता विश्व भूषण ने बताया कि जिला अदालत ने स्थानीय लोगों को मामले में पार्टी बनाने पर फैसला सुरक्षित रखा है और इस पर अगली तिथि 14 नवंबर को निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगली सुनवाई में अदालत याचिकाकर्ता की याचिका की मेंटेबिलिटी पर भी निर्णय लेगी। वहीं मामले में संजौली के स्थानीय लोगों की तरफ पेश हुए अधिवक्ता जगत पाल ने कहा कि स्थानीय नागरिकों की एक याचिका पर हिमाचल हाईकोर्ट ने आदेश दे रखे हैं कि जब-जब कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होगी, तो स्टेकहोल्डर्स को सुना जाए।

इसके तहत स्थानीय नागरिकों का भी पक्ष इस मामले में सुने जाने की जिला अदालत में आवेदन दिया गया है। आज सुनवाई के दौरान बहस हुई और अदालत 14 नवंबर को इस पर फैसला सुनाएगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष की याचिका को लेकर भी अगली सुनवाई में अदालत अपना फैसला सुना सकती है, क्योंकि हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले को समयबद्ध निपटाने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम कोर्ट ने दिए हैं मस्जिद की तीन अवैध मंजिले गिराने के आदेश

संजौली की मस्जिद में अवैध निर्माण के मुद्दे पर भारी बवाल हुआ है। सुर्खियों में रहने वाली इस विवादित चार मंजिला मस्जिद में अवैध निर्माण को लेकर बीते पांच अक्टूबर को नगर निगम के कोर्ट में सुनवाई हुई। नगर निगम आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने बीते 5 अक्टूबर को मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर सुनवाई करते हुए मस्जिद की तीन मंजिलों को अवैध ठहराया और मस्जिद कमेटी को इन्हें ध्वस्त करने के आदेश दिए। इन आदेशों की अनुपालना करते हुए मस्जिद कमेटी ने अवैध हिस्से को गिराने का काम चला रखा है और मस्जिद का छत हटा दिया गया है।

संजौली की विवादित मस्जिद का मामला हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। संजौली के लोकल रेजिडेंट्स की तरफ से दायर याचिका में हाईकोर्ट के न्यायाधीश संदीप शर्मा ने नगर निगम आयुक्त को आठ हफ्ते के भीतर फैसला सुनाने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने आयुक्त को मामला समय पर निपटाने के साथ-साथ सभी हितधारकों को पार्टी बनाने को कहा। दरअसल संजौली के स्थानीय नागरिकों की तरफ से हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका में आग्रह किया गया है कि हाईकोर्ट नगर निगम आयुक्त को इस अवैध निर्माण के 2010 से चल रहे मामले का निपटारा समयबद्ध करने के निर्देश दे।

टीरा' ने जियो वर्ल्ड प्लाजा में लॉन्च किया लक्जरी ब्यूटी स्टोर

मुंबई, स्वराज खबर। रिलायंस रिटेल से जुड़ी ब्यूटी रिटेल चेन 'टीरा' ने मुंबई के जियो वर्ल्ड प्लाजा में अपना लक्जरी फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च किया। 6200 वर्ग फीट में फैले इस फ्लैगशिप स्टोर में प्रतिष्ठित, वैश्विक ब्रांडों के 15 शॉप-इन-शॉप बुटीक शामिल हैं। जैसे कि डायर, एस्टी लॉडर, यवेस सेंट लॉरेंट, ला मेर, प्रादा और वैलेंटिनो। स्टोर में अल्ट्रा-लक्जरी स्किनकेयर ब्रांड - ऑगस्टिनस बेडर भी शामिल है। जो टीरा स्टोर पर एक्सक्लूसिवली उपलब्ध है।

इस फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च के मौके पर रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक, ईशा अंबानी ने कहा, ÷भारत में सौंदर्य और विलासिता को फिर से परिभाषित कर रहा है 'टीरा'। यह विश्व स्तरीय ब्रांडों और सिग्नेचर सर्विस के साथ, सबसे अलग अनुभव प्रदान करेगा। जियो वर्ल्ड प्लाजा में हमारा टीरा फ्लैगशिप स्टोर- प्रेरित करने, सबको साथ लाने और बदलाव लाने के लिए काफी बारीकी और सुंदर तरीके से डिजाइन किया गया है। हम अपने ग्राहकों को लक्जरी ब्यूटी की इस असाधारण यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार हैं।

सुगंध प्रेमियों के लिए स्टोर में एक खास सेंट रूम बनाया गया है। इसे कुछ इस तरह डिजाइन किया गया है कि यहां हवा में ही खुशबूएं तैरती रहती हैं। सेंट के अंतरराष्टीय ब्रांडों के साथ-साथ लिमिटेड-एडिशन कलेक्शन भी यहां उपलब्ध होंगे। लग्जरी ब्यूटी रिटेल में पहली बार, टीरा ने टीरा ब्यूटी सूट में एक्सक्लूसिव इन-स्टोर स्किनकेयर सेवा शुरू की हैं। टीरा के सिग्नेचर ट्रीटमेंट में, सिग्नेचर-ग्लो, यूथ एलिक्सिर और एक्वा इन्फ्यूजन फेशियल के अलावा ऑगस्टिनस-बेडर-सिग्नेचर फेशियल विशेष रूप शामिल किए गए हैं।

यह फ्लैगशिप स्टोर में तकनीक का भी खासा इस्तेमाल किया गया है। वर्चुअल ट्राई-ऑन से लेकर पर्सनल ब्यूटी स्पेस जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरण यहां लगाए गए हैं। कंपनी के मुताबिक टीरा का लक्ष्य भारत के सौंदर्य खुदरा परिदृश्य में एक नया मानक स्थापित करना है, जो एक ऐसा विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करे जो वास्तव में बेजोड़ हो।

एनसीआर के नए शहर 'हरनंदीपुरम' का प्लान एक कदम और आगे बढ़ा, डीपीआर पर आया नया अपडेट

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद में नई टाउनशिप हरनंदीपुरम योजना का काम रफ्तार पकड़ेगा। जीडीए इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने में जुट गया है। इसके लिए सलाहकार एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए आवेदन भी मांगे हैं। एजेंसी का चयन होते ही डीपीआर तैयार होगी।

जीडीए राजनगर एक्सटेंशन के पास हरनंदीपुरम नाम की टाउनशिप विकसित करने में जुटा है। आठ गांव नगला फिरोजपुर, शमशेर, चम्पतनगर, शाहपुर निज मोरटा, भोवापुर, भनैड़ा खुर्द, मथुरापुर के चिह्नित क्षेत्र का रैपिड सर्वे कराया जा रहा है। जीडीए ने टाउनशिप को विकसित करने के लिए चारदीवारी चिह्नित कर ली है। इस बाउंड्रीवाल के भीतर जमीन को लेकर कोई विवाद नहीं है। हालांकि, एक विद्युत निगम का सब-स्टेशन है, जिसके तार हर तरफ फैले हैं। इसे भी टाउनशिप के बाहर रखा जाएगा। प्राधिकरण ने डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट तैयार हो चुका है। डीपीआर तैयार होने से स्पष्ट होगा कि प्रोजेक्ट को तैयार करने में कितनी लागत आएगी। साथ ही इसकी उपयोगिता कितनी है। इसके आधार पर प्राधिकरण इस प्रोजेक्ट को लांच करने की योजना तैयार करेगा। डीपीआर में सलाहकार का चयन क्वालिटी कम कास्ट वेस्ट सिस्टम द्वारा होगा। टाउनशिप आठ गांव के 541.65 हेक्टेयर भूमि पर बसाई जाएगी। इसमें नगला फिरोजपुर की 247.84 हेक्टेयर, शमशेर की 123.97 हेक्टेयर,चंपतनगर की 39.25 हे., शाहपुर निज मोरटा की 54.20 हे., भोवापुर की 53.26 हे., भनैड़ा खुर्द की 11.83 हे., मथुरापुर की 8.72 हेक्टेयर, मोरटा की 2.58 हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई है। इस योजना में जमीन की कीमत तय करने के लिए डीएम की अध्यक्षता में कमेटी के पास प्रस्ताव भेजा जा चुका है। वहीं, दूसरी तरफ शासन को भी इस प्रोजेक्ट की पूरी डिटेल रिपोर्ट बनाकर भेजा गया है, जिससे मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत फंडिंग का इंतजाम किया जा सके।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा, इस योजना की डीपीआर तैयार करने के लिए सलाहकार एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही एजेंसी नियुक्त कर डीपीआर तैयार कराई जाएगी

क्या मैं उन लोगों की मदद करूं, जिन्होंने मेरा मज़ाक उड़ाया: उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी।
राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे माहिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके मुकाबले उद्धव सेना ने भी कैंडिडेट उतारा है। पहले चर्चाएं थी कि उद्धव सेना कैंडिडेट वापस ले सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस संबंध में जब उद्धव ठाकरे से पूछा गया तो उन्होंने सख्त रिएक्शन दिया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मेरा खून का रिश्ता तो महाराष्ट्र की जनता के साथ है। उन्होंने राज ठाकरे पर हमला बोलते हुए कहा कि जो लुटेरों के साथ है, उससे मेरा क्या रिश्ता? मैं ऐसे लोगों को सपोर्ट करने की बात तो सपने में भी नहीं सोच सकता। अब बात ही खत्म, इसके आगे क्या कहना है।

उद्धव ठाकरे ने कहा, महाराष्ट्र से मेरा खून का रिश्ता है। महाराष्ट्र मेरा परिवार है, कोरोना काल में मैंने जिस परिवार की जिम्मेदारी ली, उस परिवार को लूटा जा रहा है। उन्होंने (राज ठाकरे) घोषणा की है कि देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनेंगे। इसलिए महाराष्ट्र की लूट बड़े पैमाने पर होगी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि डबल ट्रिपल इंजन महाराष्ट्र के लुटेरे हैं, जो भी उनका समर्थन करते हैं, वे लुटेरे हैं। राज ठाकरे के बारे में बात करते हुए उद्धव ने कहा कि उन्होंने मेरी बीमारी का भी मजाक उड़ाया था। भगवान न करे, जिन्होंने मेरी आलोचना की उन्हें उस पल या उस स्थिति का अनुभव अवश्य हुआ होगा। क्या मैं उन लोगों की मदद करूं, जिन्होंने मेरा मज़ाक उड़ाया।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने मेरा मजाक बनाया। उन्होंने उनकी मदद की, जिन्होंने मेरी पार्टी तोड़ दी। उद्धव ने विषय बदलते हुए कहा कि राज ठाकरे इस बार मेरे पास नहीं आए, मैं निजी मामलों में नहीं जाना चाहता। मैं उन लोगों की मदद नहीं करूंगा, जो महाराष्ट्र को लूटने वालों की मदद करते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की शपथ लेकर उद्धव ठाकरे ने ये बात कही।

उद्धव और आदित्य की रैली न होने से लग रहे थे कयास: दरअसल यह बात सामने आई है कि माहिम विधानसभा क्षेत्र में ठाकरे गुट के उम्मीदवार महेश सावंत के लिए उद्धव और उनके बेटे आदित्य की प्रचार सभा तय नहीं है। इसलिए राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा होने लगी कि उद्धव ठाकरे बिना प्रचार किए अप्रत्यक्ष रूप से मदद कर रहे हैं।

नोएडा की यूनिवर्सिटी में भिड़े स्टूडेंट, रैगिंग का विरोध करने पर छात्रों के साथ मारपीट

नोएडा, एजेंसी।
नोएडा सेक्टर-110 स्थित एक यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों ने रैगिंग का विरोध करने पर जूनियर छात्रों को लात और घूंसों से पीटकर घायल कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विश्वविद्यालय प्रबंधन का दावा है कि आरोपी छात्रों को निलंबित कर दिया गया है।

सोशल मीडिया पर पीड़ित की ओर से एक शिकायती पत्र जारी किया गया है। पत्र सेक्टर-39 थाना प्रभारी के नाम से लिखा गया है। शिकायती पत्र में कुशीनगर के आदर्श त्रिपाठी ने बताया है कि वह वर्तमान में सेक्टर-110 स्थित विश्वविद्यालय में बीबीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं और हॉस्टल में रहते हैं। बीते दिनों रात 3 बजे के करीब आदर्श और उसके दोस्त हॉस्टल में अपने कमरे में बैठे हुए थे।

इसी दौरान कमरा संख्या-311 और आसपास के कमरों से कुछ सीनियर आए और जबरन आदर्श के कमरे का दरवाजा खुलवाकर अंदर घुस गए। सीनियर छात्र जब आदर्श और उसके साथियों की रैगिंग करने लगे तो सभी ने विरोध किया। इतनी सी बात पर सीनियर छात्र आग बबूला हो गए और जूनियर छात्रों से मारपीट करने लगे। मारपीट में आरोपी छात्रों ने आदर्श का दांत तोड़ दिया।

पीड़ित छात्रों के कपड़े भी फाड़े गए। घटना का

करीब दो मिनट का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में कमरे के अंदर और बाहर करीब 40 छात्र दिख रहे हैं। इस मामले को लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनके द्वारा किसी भी प्रकार की टिप्पणी नहीं की गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित ने मामले की शिकायत अभी तक लिखित तौर पर थाने में नहीं दी है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस कार्रवाई कर रही है। पुलिस का दावा है कि इस मामले में आरोपी छात्रों को विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा निलंबित कर दिया गया है। वायरल वीडियो को 100 से अधिक लोगों ने साझा किया है।

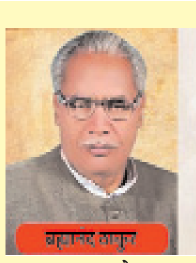

ठाकुर का कोना

खड़ी बोली के आदि शिल्पी बाबू अयोध्या प्रसाद खत्री

बाबू अयोध्या प्रसाद खत्री के पूर्वज उत्तरप्रदेश के बलिया जिलान्तर्गत सिकंदरपुर के निवासी थे। उनका जन्म 1857 में हुआ था। सन् 57 की अंग्रेज विरोधी आंदोलन की विफलता के बाद जब अंग्रेजी हुकूमत ने अपना दमन चक्र चलाना शुरू किया तो अयोध्या प्रसाद खत्री के पिता बाबू जगजीवन राम खत्री अपने तीन पुत्रों के साथ मुजफ्फरपुर आ गये। यहां जीविका के लिए किताब की एक दुकान खोली। पिता के निधन के बाद उनको यह दुकान संभालनी पड़ी। इसके बाद ये स्कूल शिक्षक बने और फिर कलक्टर के पेशकार के रूप में नौकरी की।

1905 तक वे पेशकार पद पर बने रहे। हिंदी साहित्य में यह काल (1850-1900) भारतेंदु युग के नाम से जाना जाता है। जितनी ईमानदारी और निष्ठा से उन्होंने सरकारी नौकरी की, उसी निष्ठा और लगन के साथ वे मृत्यु पर्यन्त हिंदी की सेवा में लगे रहे। उस युग में ब्रजभाषा में कविता लिखने की परम्परा थी और रचनाकारों ने यह खुला ऐलान कर दिया था कि खड़ी बोली में पद्य की रचना हो ही नहीं सकती। अयोध्या प्रसाद खत्री ने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने खड़ी बोली के पद्यों का संकलन और मुद्रण अपने खर्च से कराया और उनका मुफ्त वितरण किया। वे कवियों को खड़ी बोली में पद्य रचना करने को न केवल प्रोत्साहित करते बल्कि इसके लिए आर्थिक सहायता भी दिया करते थे। रामचरित मानस के प्रत्येक दोहे और चौपाई का खड़ी बोली में अनुवाद करने के लिए एक रुपये प्रति दोहे -चौपाई की दर से अपने पास से वे पुरस्कार दिया करते थे। उन्होंने यह घोषणा कर दी थी कि जो पंडित जी अपने यजमान के यहां खड़ी बोली में भगवान सत्यनारायण की कथा का वाचन करेंगे उनको प्रति कथा वाचन दस रुपये वे अपने पास से देंगे। इसके लिए कथा वाचक को अपने यजमान से खड़ी बोली में कथा वाचन का प्रमाणपत्र लाना होता था। तब दस रुपये की काफी कीमत हुआ करती थी। उन्होंने कर्मकांड के अनेक पुस्तकों का खड़ी बोली में अनुवाद करा कर उसका मुफ्त वितरण भी किया। वे दुकानों एवं प्रतिष्ठानों के बाहर लगे साईन बोर्ड पर अशुद्धियां बिल्कुल बर्दास्त नहीं करते थे। अपने आवास से कलेक्ट्रेट जाते हुए जहां कहीं साईन बोर्ड पर उन्हें अशुद्धियां दिखाई देती, वहां रुक कर वे दुकानदार को उसकी बाबत बताते। कागज पर अपने हाथों से शुद्ध-शब्द लिख कर दुकानदार से इसे फिर से लिखवाने को कहते। कलक्टर आफिस में पेशकार होने के नाते दुकानदारों को इनके आदेश का पालन करना पड़ता था। यदि कोई दुकानदार उनके आदेश का पालन नहीं करता तो दूसरे दिन वे खुद दुकानदार से इजाजत लेकर साईन बोर्ड उतरवाकर अपने हाथ से साईन बोर्ड की अशुद्ध लिखावट को शुद्ध करते। ऐसा करने के लिए वे अपने साथ एक आदमी रखते थे जिसके हाथ में ब्रश और पेंट का डिब्बा दोनों रहता था। 1870 में पहली बार हिंदी का प्रवेश स्कूली शिक्षा में हुआ लेकिन हिंदी में पुस्तकों की काफी कमी थी। इससे पूर्व कायथि लिपि में पुस्तकें छापी जाती थीं। खत्री जी ने इसका विरोध करते हुए बंगाल के लाट साहब को एक अनुरोध पत्र भेजा। खड़ी बोली का यह अनन्य सेवक मात्र 48 बर्षों तक जीवित रहा। इस अवधि में उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन और सारी कमाई हिंदी की सेवा में अर्पित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में ईडी के छापे, बरामद हुआ फर्जी आधार कार्ड, जाली पासपोर्ट, कैश और गहने

रांची, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने मंगलवार को बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामले में झारखंड और पश्चिम बंगाल के कुल 17 ठिकानों पर छापा मारा. इस दौरान फर्जी आधार कार्ड, फर्जी पासपोर्ट, प्रतिबंधित हथियार, आठ लाख रुपये नकद और जेवरात जब्त किये गये हैं. साथ ही अवैध तरीके से विदेशी नागरिकों को झारखंड लानेवाले गिरोह से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं हासिल हुई हैं. फिलहाल इस गिरोह के संबंधित सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की गयी हैं.

सैक्स रैकेट चलाने के उद्देश्य से बांग्लादेशी युवतियों को रांची लाने के आरोप में बरियातू थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गयी थी. सितंबर 2024 में ईडी ने इसी प्राथमिकी को इसीआइआर के रूप में दर्ज किया था. मामले की शुरुआती जांच के बाद ईडी ने 12 नवंबर की सुबह रांची, पाकुड़ और पश्चिम बंगाल के कोलकाता व 24 परगना जिले में संबंधित लोगों के ठिकानों पर छापा मारा.

ईडी ने रांची के बाली रिजॉर्ट, होटल स्काई लाइन और इससे संबंधित लोगों के कुल छह ठिकानों पर छापा मारा. इनमें लालू खटाल रोड स्थित माला एनक्लेव लेन निवासी शैलेंद्र कुमार(पिता–राजेंद्र प्रसाद) का घर भी शामिल है. शैलेंद्र 'देविसा होटल्स एंड हॉस्पिटैलिटी नामक कंपनी चलाता है. यह कंपनी होटलों में कमरे उपलब्ध कराने सहित अन्य काम करती है. ईडी को पता चला है कि शैलेंद्र का संबंध बांग्लादेश से अवैध तरीके से लोगों के देश में प्रवेश करानेवाले गिरोह से है. गिरोह से जुड़े अल्ताफ खान के पाकुड़ स्थित घर पर भी ईडी की टीम ने छापेमारी की है.

ईडी ने प बंगाल के होटल स्नो फॉक्स में छापा मारा. बांग्लादेशी नागरिकों को 24 परगना के रास्ते कोलकाता लाने के बाद इसी होटल में ठहराया जाता था. इस मामले में होटल प्रबंधन की भूमिका की जांच की जा रही है. इडी ने 24 परगना में विदेशी नागरिकों को अवैध तरीके से देश में प्रवेश करानेवाले गिरोह के लोगों के गांव 'बनगांव' में छापा मारा. इस दौरान फर्जी आधार कार्ड, फर्जी पासपोर्ट, जेवर, नौ एमएम की प्रतिबंधित पिस्तौल, नौ एमएम की गोलियां, आठ लाख रुपये नकद और जेवर के अलावा गिरोह से संबंधित लोगों के डिजिटल डिवाइस भी जब्त किये गये हैं.

पश्चिमी सिंहभूम की 5 विधानसभा सीटों पर चुनाव में शांतिपूर्ण

ईवीएम में गड़बड़ी की वजह से देर से शुरू हुई वोटिंग

रांची, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले की 5 विधानसभा सीटों पर बुधवार सुबह से नक्सल प्रभावित क्षेत्र में भी शांतिपूर्ण मतदान चल रहा है. जिले के मतदाताओं में चुनाव के प्रति जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है. विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें सुबह से ही देखी जा रहीं हैं. पश्चिम सिंहभूम जिले में कुल 5 विधानसभा सीटें हैं. जगन्नाथपुर (एसटी) विधानसभा सीट

इस बार हॉट सीट बन गया है. अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित चक्रधरपुर और मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र में भी मतदाताओं में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है.

मझगांव (एसटी) और चाईबासा (एसटी) सीट भी इस बार कई मायने में खास है, क्योंकि कई बड़े चेहरे चुनाव लड़ रहे हैं. चाईबासा से दीपक बिरुवा चुनाव लड़ रहे हैं, जो झारखंड सरकार में मंत्री हैं.

पश्चिमी सिंहभूम में नक्सलवाद को देखते हुए सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं. नक्सल प्रभावित सहित क्षेत्रों में मतदान केंद्रों की कमान बीएसएफ के जवान संभाल रहे हैं. पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बलों की भी तैनाती मतदान केंद्रों पर और उसके आसपास की गई है. अब तक कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है.

सारंडा में नक्सलियों की अपील और बम पर भारी वोटर का उत्साह

लोग बोले- सुरक्षा बलों पर पूरा भरोसा

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सलियों के वोट बहिष्कार और बम भी मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने से नहीं रोक सका. मनोहरपुर के जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के सोनापी में नक्सलियों ने वोट बहिष्कार की अपील की, तो रवांगदा में बम की खबर आई. बावजूद इसके मतदान केंद्रों पर भारी संख्या में वोटर्स की भीड़ उमड़ी है.

शांतिपूर्ण माहौल में झारखंड के सभी मतदान केंद्रों पर वोटिंग हो रही है. प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के सोनापी में मतदाताओं मतदान करने से रोकने के लिए पेड़ काटकर सड़क पर गिरा दिया. उस पर एक पोस्टर टांगकर अपील की कि लोग मतदान का बहिष्कार करें.

इतना ही नहीं, नक्सलियों ने मंगलवार की रात को ही पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड के सारंडा अंतर्गत लाइलोर पंचायत के रावांगदा गांव स्थित बूथ संख्या- 255 के गेट पर बैनर और पोस्टर लगाकर 2 किलो का एक बम भी लगा दिया. बुधवार को सुबह जैसे ही बम की सूचना मिली, वहां पहुंची झारखंड विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए पहुंची पोलिंग पार्टी और फोर्स में हड़कंप मच गया.

तत्काल पुलिस और सुरक्षा बलों ने मिलकर बम, बैनर और पोस्टर को जब्त कर लिया. इसकी वजह से यहां मतदान शुरू होने में आधे घंटे की देरी हुई. बम और नक्सली धमकी के बावजूद मतदाताओं का उत्साह कम नहीं हुआ. पुलिस और सुरक्षाकर्मी की जांच के दौरान सैकड़ों मतदाता बूथ के बाहर इंतजार करते रहे.

नक्सलियों ने जिस जगह बम लगाया था, मतदाताओं को उससे दूर ले जाया गया. थोड़ी देर में सुरक्षा बल के जवानों के साथ-साथ खोजी कुत्ते को भी बुलाया गया. आसपास के इलाके की भी जांच की गई. मतदाताओं ने कहा कि पोस्टर-बैनर और बम से उनके मन में कोई डर नहीं है. सुरक्षा बलों पर पूरा भरोसा है. उन्हें यकीन है कि ये जवान लोकतंत्र की रक्षा के लिए मुस्तैद हैं.

उधर, पुलिस और सुरक्षा बल के अधिकारियों ने कहा है कि बम को बैटरी से कनेक्ट नहीं किया गया था. इसलिए डरने की कोई बात नहीं है. मनोहरपुर प्रखंड के सारंडा अंतर्गत छोटानागरा थाना क्षेत्र के सोनापी-हतनाबरू मार्ग, बिटकलसोय, नयागांव, रायडीह के रास्ते को पेड़ काटकर नक्सलियों ने कर दिया. उस पर वोट बहिष्कार का बैनर लगा दिया.

गुमला के इस बूथ पर ग्रामीणों ने किया वोट बहिष्कार, सीओ की एक न सुनी

रांची, एजेंसी। झारखंड के गुमला विधानसभा क्षेत्र के चुगलू, पड़की टोली और सकरपुर के ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया. सुबह 10:00 बजे तक बूथ संख्या 139 पर चुगलू और पड़की टोली के ग्रामीणों ने एक भी मत नहीं डाला. जैसे ही प्रशासन को इसकी खबर मिली, अधिकारियों के हाथ–पांव फूल गए.

उपायुक्त के निर्देश पर अंचल अधिकारी वहां पहुंचे. उन्हें मनाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक उनके इलाके में सड़क और पुल–पुलिया नहीं बन जाते, वे वोट नहीं करेंगे. एकजुट होकर ग्रामीण लंबे समय से इस मुद्दे पर प्रशासन से अपील कर रहे थे. लेकिन, उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा था. इससे ग्रामीण नाराज थे.

चुनाव से पहले गुमला के उपायुक्त से मिलकर उन्होंने कहा था कि अगर उनके इलाके में विकास कार्य पर ध्यान नहीं दिया गया, तो वे झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में वोट बहिष्कार करेंगे. ग्रामीणों के वोट बहिष्कार की खबर अखबार में भी छपी थी. खबर छपने के बाद जिला प्रशासन के आला अधिकारी वोट के पहले गांव पहुंचे, लेकिन ग्रामीणों की समस्या का समाधान नहीं हुआ.

मतदान के दिन जब ग्रामीण गोलबंद हो गए और वोट डालने से इंकार कर दिया, तो जिला प्रशासन के कान खड़े हुए. उपायुक्त के आदेश पर तत्काल सीओ गुमला हरीश कुमार और थाना प्रभारी गुमला सुरेंद्र कुमार चुगलू गांव पहुंचे. बूथ संख्या– 139 का निरीक्षण किया.

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में 17 मतदान कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज

चतरा, एजेंसी। विधानसभा आम चुनाव-2024 के निमित चतरा जिले के सिमरिया और चतरा विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होना है। मतदान के सफल संचालन को लेकर 18 सितंबर, 19 सितंबर, 22 सितंबर, 24 सितंबर, 3 नवंबर, 4 नवंबर, 5 नवंबर एवं 6 नवंबर को प्रथम मतदान प्रशिक्षण एवं 2 मतदान प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने वाले कुल 17 मतदान पदाधिकारी के ऊपर लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उप विकास आयुक्त सह वरीय पदाधिकारी कार्मिक कोषांग के नोडल पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2024 सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर मतदान पदाधिकारियों व कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था। प्रशिक्षण के दौरान कुल 17 मतदान पदाधिकारी व कर्मी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित पाए गए पदाधिकारियों व कर्मियों से स्पष्टीकरण के माध्यम से जवाब भी मांगा गया लेकिन उक्त कर्मियों द्वारा स्पष्टीकरण का जवाब नहीं दिया गया है।

2019 में सरयू राय ने तोड़ा था मिथक, कई दिग्गज नेताओं को कर दिया था हैरान

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र, जिसे भाजपा का गढ़ माना जाता था, ने 2019 में एक अभूतपूर्व राजनीतिक मोड़ लिया। इस क्षेत्र में स्वतंत्र उम्मीदवार सरयू राय ने भाजपा के मुख्यमंत्री रघुबर दास को 15,725 वोटों से हराकर न केवल सियासी चौंकाने वाला कदम उठाया, बल्कि यह भी साबित किया कि राजनीतिक परिपाटी में बदलाव आ सकता है।

सरयू राय की अप्रत्याशित जीत ने यह सिद्ध कर दिया कि झारखंड की राजनीति में अब कोई भी सीट किसी एक दल का स्थायी अभेद्य किला नहीं रह सकती।

सरयू राय की जीत ने राज्य के राजनीतिक समीकरणों को झकझोर दिया। भाजपा और उसके प्रमुख नेताओं के लिए यह न केवल एक हार थी, बल्कि एक प्रतीक भी था कि सत्ता में रहते हुए भी चुनावी जंग जीतना उतना आसान नहीं होता, जितना सोचा जाता है।

इससे पहले 2014 में, रघुबर दास ने जमशेदपुर पूर्वी से भारी जीत दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने 1,03,427 वोट (61.48त्न) हासिल किए थे। उनके सामने कांग्रेस के आनंद बिहारी दुबे ने 33,270 वोट (19.78त्न) प्राप्त

किए थे। इस चुनाव में झामुमो और जेवीएम के उम्मीदवारों को काफी कम वोट मिले थे, और भाजपा का दबदबा पूरी तरह से स्थापित था।

जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट पर 2019 में सरयू राय ने अपनी जबर्दस्त जीत दर्ज की, जबकि भाजपा के उम्मीदवार रघुबर दास को हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद, 2019 के संसदीय चुनाव में भाजपा ने इस क्षेत्र में अपने प्रभाव को पुनः स्थापित किया, जहां उसने 76.9 प्रतिशत वोटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया।

जमशेदपुर पूर्वी में 2024 के विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा के लिए यह किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। यह सीट पहले भाजपा के लिए एक मजबूत किला रही थी, लेकिन 2019 के चुनाव परिणाम ने यह साबित कर दिया कि भाजपा को अब इस सीट पर अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इस बार भाजपा की ओर से उम्मीदवार पूर्णिमा दास हैं, जो क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हैं। वहीं, कांग्रेस ने डा. अजय कुमार को मैदान में उतारा है, और निर्दलीय उम्मीदवार शिवशंकर सिंह भी चुनावी समीकरण में अपना स्थान बनाए हुए हैं।

जमशेदपुर और सरायकेला में वीवीआईपी वोटर्स ने किया मतदान

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग जारी है. इस चरण में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन समेत कई मंत्रियों के भाग्य का फैसला होना है. इस चरण में 15 जिलों क 43 सीटों पर वोटिंग जारी है. जमशेदपुर और सरायकेला में कई प्रमुख नेताओं और अधिकारियों मतदाताओं ने मतदान किया.

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने 13 नवंबर को जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. उन्होंने सीतारामडेरा मंडल के हरिजन मध्य विद्यालय भालूबासा में बने बूथ पर वोट डाला. वह पूरे परिवार के साथ मतदान करने गए थे. उनके साथ इस विधानसभा क्षेत्र की भाजपा उम्मीदवार पूर्णिमा साहू भी थीं.

अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सरायकेला विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर इस बार झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं.

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने जमशेदपुर में अपना वोट डाला. वह जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं. उनका मुकाबला जनता दल यूनाइटेड के सरयू राय से है. सरयू राय को भाजपा का समर्थन प्राप्त है.

डायन प्रथा के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ने वाली पद्म श्री छुटनी महतो ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया. सरायकेला जिले के गम्हरिया में छुटनी महतो ने अपना वोट डाला. उन्होंने झारखंड के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे वोट जरूर डालें.

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया. उन्होंने सरायकेला जिले में बने मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला. चंपाई सोरेन ने पूरे परिवार के साथ बूथ पर जाकर मतदान किया. चंपाई सोरेन का पैतृक गांव सरायकेला जिले के जिलिंगगोड़ा में है. वह

टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने जमशेदपुर में अपना वोट डाला. उन्होंने पत्नी रुचि नरेंद्र के साथ अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया. टीवी नरेंद्रन जमशेदपुर के लोयोला स्कूल में बने मतदान केंद्र में जाकर वोट किया.

डीएसपीएमयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, संभावित तारीखों की घोषणा

रांची, एजेंसी। डीएसपीएमयू की ओर से 2024 और 2025 में होनेवाली मिड सेमेस्टर और इंड सेमेस्टर परीक्षा के लिए एग्जामिनेशन कैलेंडर जारी कर दिया गया है। इसमें सभी परीक्षाओं से संबंधित संभावित तारीख जारी की गयी है। इसके अलावा इसमें यह भी बताया गया है कि मिड सेमेस्टर की परीक्षा कब होगी। फरवरी 2025 तक होनेवाली परीक्षा की सूची जारी की गयी है। विवि की ओर से यूजी सत्र 2022–25 के सेमेस्टर फाइव, चार वर्षीय स्नातक कोर्स (सत्र 2023–27) के सेमेस्टर टू और सत्र 2024–28 के सेमेस्टर वन की परीक्षा की संभावित तारीख जारी की गयी है।

इसके अलावा पीजी सत्र 2023–25 के सेमेस्टर थ्री और सत्र 2024–26 के सेमेस्टर की भी परीक्षा की संभावित तारीख जारी कर दी गयी है। इसके अनुसार यूजी सेमेस्टर फाइव की मिड सेमेस्टर परीक्षा संबंधित विभाग छह जनवरी 2025 से 18 जनवरी तक लेंगे। इसकी फाइनल परीक्षा का आयोजन 17 से 28 फरवरी 2025 तक होगा। चार वर्षीय यूजी कोर्स के सेमेस्टर वन की मिड सेमेस्टर की परीक्षा 18 से 28 नवंबर 2024 तक और फाइनल परीक्षा नौ से 31 दिसंबर 2024 तक होगी। इसके बाद सेमेस्टर वन की मिड सेमेस्टर परीक्षा दो से 14 दिसंबर तक होगी और फाइनल परीक्षा 10 से 28 फरवरी 2025 तक होगी। इसके अलावा पीजी सेमेस्टर थ्री की मिड सेमेस्टर परीक्षा छह से 18 जनवरी तक और फाइनल परीक्षा 17 से 28 फरवरी 2025 तक और सेमेस्टर वन की मिड सेमेस्टर परीक्षा और फाइनल परीक्षा की भी यही तारीख रखी गयी है।

झारखंड की बोरियो सीट झामुमो का गढ़, बीजेपी सिर्फ दो बार खिला सकी कमल

साहिबगंज, एजेंसी। बोरियो विधानसभा क्षेत्र 1957 में अस्तित्व में आया. इससे पूर्व यह क्षेत्र राजमहल दामिन क्षेत्र के नाम से जाना जाता था. विधानसभा क्षेत्र के रूप में अस्तित्व में आने के बाद इस क्षेत्र का पहला प्रतिनिधित्व झारखंड पार्टी के जेठा किस्कू ने किया. लेकिन 1962 के चुनाव में जनता पार्टी के सिंह राय मुर्मू ने जेठा किस्कू को पराजित कर इस विधानसभा सीट को अपने नाम कर लिया.

1967 में जेठा किस्कू निर्दलीय चुनाव लड़े और फिर विजयी हुए. 1969 में हुए चुनाव में प्रजातांत्रिक झारखंड पार्टी के सेत हेंब्रम ने सफलता पायी. उन्होंने 1977 तक बोरियो विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया. 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी के बेंजामिन मुर्मू ने सेत हेंब्रम को पराजित कर बोरिया विधानसभा सीट पर अपना कब्जा जमाया.

1977 के बाद 1980 में हुए चुनाव में कांग्रेस के जॉन हेंब्रम ने बेंजामिन मुर्मू को पराजित कर पहली बार कांग्रेस पार्टी को बोरियो विधानसभा से जीत दिलायी. जॉन अब्राहम लगातार दो बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. 1980 और 1985 में जॉन हेंब्रम के रूप में कांग्रेस ने बोरियो में परचम लहराया. इस बीच तत्कालीन बिहार के समय जॉन हेंब्रम को बिहार कैबिनेट में भी जगह दी गयी. लेकिन 1990 आते–आते स्थिति पूरी तरह बदल गयी. 1990 में पहली बार झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बोरियो विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज कर एक नया इतिहास रचा. झामुमो की टिकट पर लोबिन हेंब्रम ने बोरिया विधानसभा से कांग्रेस के जॉन हेंब्रम को पराजित कर यह सीट अपने नाम कर लिया.

1995 में हुए चुनाव में झामुमो ने पार्टी विरोधी गतिविधि का आरोप लगाते हुए लोबिन हेंब्रम का टिकट काट दिया. लेकिन लोबिन निर्दलीय चुनाव लड़े और जीते और पुन: झामुमो में शामिल हो गये. एक बार फिर 2000 में हुए चुनाव में झामुमो को लोबिन हेंब्रम के रूप में सफलता हाथ लगी.

2005 में हुए चुनाव में पहली बार भाजपा ने ताला मरांडी पर दाव खेला और जीत भी हासिल की. ताला मरांडी ने झामुमो के लोबिन हेंब्रम को 6319 मतों से पराजित कर इस सीट पर पहली बार भाजपा का खाता खोला. तब से भाजपा और झामुमो का ही दबदबा बोरियो विधानसभा क्षेत्र पर रहा है.

2009 में हुए चुनाव में एक बार फिर झामुमो ने ही बाजी मारी, जबकि 2014 में जनता ने फिर से भाजपा को मौका दिया. 2019 में फिर झामुमो जीती. 2019 के चुनाव के बाद लोबिन हेंब्रम अपने ही सरकार के खिलाफ लगातार मुखर रहे. जल–जंगल–जमीन को लेकर अपने ही सरकार को लगातार घेरते रहे.

2024 आते–आते लोबिन हेंब्रम को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया. लोबिन ने लोकसभा चुनाव निर्दलीय लड़ने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया. इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लोबिन हेंब्रम पर अपना दांव खेला है.

नक्सलियों ने पेड़ काटकर सड़क पर गिराया

लिखा- वोट मत दो, वोट का बहिष्कार करो

मनोहरपुर, एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के पहले चरण की वोटिंग से पहले नक्सलियों ने मतदान करने से लोगों को रोकने की कोशिश की है. नक्सलियों ने पेड़ काटकर सड़क पर गिरा दिया और उस पर लाल पोस्टर लगाकर लोगों से अपील की कि वे वोट न करें. वोट का बहिष्कार करें. प्रतिबंधित नक्सली संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने लाल रंग के कपड़े पर सफेद स्याही से लिखा है- सावधान! सावधान!! सावधान!!! वोट मत दो, वोट का बहिष्कार करो. अपना गांव में अपना राज व जनसरकार बनाओ. उसके नीचे अपनी पार्टी का नाम लिख दिया है.

एक बैनर के पास में दूसरा पोस्टर भी लगा रखा है, जिस पर लिखा है- विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करें, गांव-गांव में क्रांतिकारी जन कमेटी (आरपीसी) का पुनर्गठन व मजबूत करें. झारखंड के 15 जिलों की 43 विधानसभा सीटों पर आज मतदान हो रहा है. मतदान के दौरान हर बार नक्सली वोट बहिष्कार की अपील करते हैं. हालांकि, अब उनकी अपील का कोई असर नहीं होता. बड़ी संख्या में लोग मतदान करते हैं.

प्रधानमंत्री ने एम्स निर्माण सहित 12 हजार करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारम्भ

सीएम ने कहा दरभंगा में एम्स निर्माण से पूरे बिहार के लोगों को मिलेगा लाभ

नवीन कुमार

दरभंगा, स्वराज खबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी बुधवार को दरभंगा के शोभन स्थित एम्स निर्माण को लेकर भूमि पूजन और शिलान्यास के साथ ही कई परियोजना का किया शुभारम्भ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के अलावे केंद्रीय व राज्य सरकार के मंत्री मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने रिमोट के माध्यम से एकमी-शोभन बाइपास में दरभंगा एम्स निर्माण के लिए भूमि पूजन व शिलान्यास कार्य का लोकार्पण किया। इसके साथ ही दरभंगा में नई बाइपास रेल लाइन समेत बिहार के अन्य परियोजनाओं को राष्ट्र के नाम समर्पण किया। केंद्र सरकार की 25 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। झंझारपुर लोकहा बाजार रेल खंड पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाया। इसके बाद परियोजनाओं से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई। बता दें कि 1700 करोड़ से बनने वाले एम्स व 10 करोड़ की लागत से बनने वाले रामनगर-रोसड़ा एनएच 527 का शिलान्यास और 389 करोड़ से निर्मित काकरघाटी-शीशो बाइपास रेलवे लाइन, झंझारपुर-लौकहा बाजार रेलखंड के गेज परिवर्तन के साथ ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दरभंगा स्थित शोभन में दरभंगा एम्स निर्माण को लेकर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शारदा सिन्हा ने जिस तरह से छठ गीतों को पूरी दुनिया में अपने गीतों को पहुंचाया वह अद्भुत है। जिन सुविधाओं और परियोजनाओं की पहले चर्चा होती थी, आज वह वास्तविकता बन जमीन पर उतर रही है। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है, कि हम इसके साक्षी बन रहे हैं। हमारी सरकार देश की सेवा के लिए है, लोगों के कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है। सेवा की इसी भावना से विकास से जुड़ी 12 हजार करोड़ रुपये का अलग-अलग परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें सड़क, रेल और गैस परियोजनाओ से जुड़ी अनेय पहल है। दरभंगा एम्स के निर्माण से बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। इससे मिथिला, कोशी, तिरहुत क्षेत्र के अलावा पश्चिम बंगाल और नेपाल से आने वाले मरीज भी इस अस्पताल में इलाज करा सकेंगे। इससे स्वरोजगार से अवसर मिलेंगे। देश की सबसे बड़ी आबादी गरीब और मध्यम वर्गीय है, बीमारी भी सबसे अधिक इन्हीं वर्गो को प्रभावित करती है। इलाज पर इनका खर्च भी बहुत ज्यादा होती है। हमलोग भी इसी पृष्ट भूमि के है, हम समझते हैं। पहले के दौड़ में अस्पताल बहुत कम थे। दवाइयां बहुत महंगी थी, बीमारी की जांच का कोई ठिकाना नहीं था। यहां बिहार में जबतक नीतीश कुमार सरकार में नहीं आए, तबतक गरीबों की चिंता को लेकर कोई गंभीरता नहीं थी। गरीबों के पास चुपचाप गरीबी सहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इसलिए पुरानी सोच और एप्रोज दोनों ही बदला है। हमारा फोकस बीमारी से बचाव पर है। दूसरी फोकस बीमारी की सही तरीके से जांच पर है। तीसरा फोकस सस्ती दवा मिले, चौथा फोकस स्वास्थ्य सुविधाएं सस्ता बनाना। पांचवां फोकस स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीकी का विस्तार करना है। ज्यादातर सामान्य बीमारी की वजह गंदगी, दूषित खान-पान होता है। इसलिए स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। ऐसे आयोजन से शहर तो स्वच्छ बनता ही, और बीमारियों के फैलने की भी संभावनाएं भी कम होती है। दरभंगा में स्वच्छता अभियान चलाया गया है। इसके लिए सभी को हृदय से आभार देता हूं। महंगी जांच की वजह से अक्सर लोग बीमारी के बारे में जान ही नहीं पाते हैं, इसलिए हमने आयुष्मान भारत योजना बनाया है। इस योजना से अबतक चार करोड़ से अधिक लोगों का इलाज हो चुका है। अगर यह योजना नहीं होती तो, इनमें से ज्यादातर लोग अस्पताल में भर्ती ही नहीं हो पाते। इनका इलाज निजी अस्पतालों में भी हुआ है। एक योजना से देश की योजना से नागरिकों की जेब में सवा लाख रुपये बचे हैं। 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों को आयुष्मान योजना के तहत लाया गया है। इनके लिए मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू हो गई है। बहुत जल्द सभी बुजुर्गों के पास आयुष्मान कार्ड उपलब्ध होगा। बेहतर आरोग्य का हमारा कदम है। आजादी के 60 सालों तक देश में सिर्फ एक ही एम्स था वह भी दिल्ली में था, कांग्रेस की सरकार के समय चार-पांच एम्स बनाने की योजना हुई, वह ठीक तरीके से शुरू भी नहीं हो सकी। आज देशभर में दो दर्जन है। मेडिकल कालेज भी दोगुणे हुए हैं। दरभंगा एम्स से भी हर वर्ष युवा डाक्टर बनकर बाहर निकलेंगे। पहले अंग्रेजी जरूरी थी, लेकिन अब सरकार ने तय किया, एवं डाक्टर पढ़ना है या इंजीनियर अपने मात्र भाषा में पढ़कर यह सब बन सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा की नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास का माडल पेश किया है। बिहार को जंगराज से मुक्ति दिलाने में नीतीश कुमार की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। यहां छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए काम कर रही है। यहां बनने वाले एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे से नई मुकाम मिला है। साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये से दरभंगा आमस निर्माण कार्य को लेकर पहल शुरू है। यहां जैसे नल से जल आ रही है, वैसे ही नल से गैस आएगी। यहां बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होगा। दरभंगा के बारे में कहा जाता है, पग-पग पोखर माछ मखान उत्पादन के बारे में भी चर्चा की। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी जी का स्वागत करता हूं। आज महत्पूर्ण दिन है, दरभंगा एम्स के निर्माण का। दरभंगा में एम्स के निर्माण से बिहार के लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी। वर्ष 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में पटना में एम्स निर्माण का निर्णय लिया था। बिहार में एम्स बन गया है। वर्ष 2015 में भी यह तय हुआ कि दूसरी एम्स भी बिहार में बनेगा। अरुण जेटली से दरभंगा एम्स के लिए आग्रह किया था। वर्ष 2020 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी कहा था कि जल्द से दरभंगा में एम्स बनवाइए। कहा कि दरभंगा एम्स का स्थल बहुत अच्छा है। एम्स बनने से दरभंगा का और भी ज्यादा विस्तार होगा। कहा कि मेडिकल कालेज का और विस्तार करेंगे। दरभंगा मेडिकल कालेज और अस्पताल में 25 सौ मरीजों के लाभ के लिए विस्तार किया जाएगा। एम्स निर्माण में राज्य सरकार हर संभव सहयोगी करेगी। दरभंगा मेडिकल कालेज अस्पताल पर एम्स निर्माण संभव नहीं था। मौके पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, सांसद गोपालीज ठाकुर, अशोक यादव,धर्मशीला गुप्ता, मंत्री मदन सहनी, हरि सहनी, केदार प्रसाद,विधायक विनय कुमार चौधरी, डॉ मुरारी मोहन झा, मिश्रीलाल यादव, रामचंद्र प्रसाद सहित कई नेताओ ने अपना सम्बोधन किया।सभा की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व मंत्री दिलीप जयसवाल व संचालन दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी ने किया।

मिथिला के विकास के शिल्पकार हैं पीएम मोदी : गोपाल जी ठाकुर

दरभंगा, स्वराज खबर। आजादी के लंबे समय के बाद भी मिथिला क्षेत्र को कांग्रेस-राजद ने पंगु बनाकर रख दिया था। लेकिन भाजपा और एनडीए की सरकार ने सत्ता में आते ही यहां के विकास का जो मापदंड तैयार किया आज पीएम मोदी उस हर मापदंड को पूरा कर रहे हैं। दरभंगा एम्स का शिलान्यास कार्यक्रम उस मापदंड का उदाहरण है दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने एम्स निर्माण शिलान्यास कार्यक्रम में उपरोक्त बातें कहीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में शोभन पंचोभ अवस्थित एम्स शिलान्यास कार्यक्रम में केंद्र की मोदी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि यह एम्स यहां के साढ़े आठ करोड़ मिथिलावासियों के लिए वरदान साबित होगा।मंचस्थ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस एम्स की स्वीकृति से लेकर अभी तक सभी वैधानिक प्रक्रिया को पूरा करने में पीएम मोदी तथा एनडीए सरकार के साथ साथ बिहार के सीएम नीतीश कुमार का योगदान प्रणम्य है । इतनी बड़ी उपलब्धि के लिए मिथिला के लोग सदैव उनका आभारी रहेंगे।

सांसद डा ठाकुर ने बिहार तथा देश के एनडीए के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में मंच से एम्स शिलान्यास कार्यक्रम में राजद नेता तेजस्वी यादव के सोशल मीडिया में आए बयानों पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार का दूसरा दरभंगा एम्स मोदी जी की देन है जिसमें बिहार के सीएम नीतीश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डा ठाकुर ने सभा में एनडीए सरकार की उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि एयरपोर्ट, आइटी पार्क , तारामंडल , मेट्रो की स्वीकृति एवं आमस दरभंगा हाइवे जैसी दर्जनों उपलब्धियां मिथिला के प्रति पीएम की प्रतिबद्धता को जगजाहिर करता है।

मोदी है तो सबकुछ मुमकिन है: संजय सरावगी

दरभंगा, स्वराज खबर। एम्स शिलान्यास के शुभ अवसर पर दरभंगा पधारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दरभंगा नगर विधायक व बिहार विधानसभा में सचेतक संजय सरावगी ने सिकी से बना हुआ प्रधानमंत्री का चित्र भेंट किया। यह क्लाकृति दुनिया के हर कोने में सराहनीय व मशहूर है। श्री सरावगी ने इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मिथिला के हर कोने व क्षेत्र में विकास हुआ है। रेलवे के क्षेत्र में आज 350 करोड़ रुपया की लागत से परियोजना का शुभारम्भ किया है जो विकास के क्षेत्र में सराहनीय है। मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है यह देश के हर क्षेत्र में दिखाई देता है।

ऑल इंडिया ओबीसी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन की मंडल स्तरीय कमिटी का चुनाव सह अधिवेशन

बेगूसराय, स्वराज खबर। ऑल इंडिया ओबीसी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन की मंडल स्तरीय कमिटी चुनाव सह अधिवेशन विनोद भवन बरौनी में बुधवार को प्रजातांत्रिक पद्धति से सम्पन्न हुआ। जिसमें सोनपुर मंडल के बड़ी संख्या में ओबीसी रेल कर्मचारी मौजूद थे। जोनल महासचिव सुबोध पोद्दार के निर्देश पर अपर महासचिव रविंद्र यादव सोनपुर मंडल चुनाव अधिकारी सह चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। मौके पर मौजूद सभी ओबीसी सदस्यों व कर्मचारियों की पूर्ण सहमति से अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद, मंडल मंत्री विमल कुमार निर्वाचित हुए। कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कुमार प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष सुरेश यादव, उपाध्यक्ष वित्त सचिव अभिनंदन पंडित, संगठन सचिव एवं अन्य पदाधिकारी बनाये गए। इस अवसर पर विभाष यादव, सुरेश यादव, शिवप्रसाद, गोविंद राय, राहुल कुमार, राजीव कुमार आदि मौजूद थे। सभी ओबीसी के कर्मचारियों द्वारा एनपीएस को वापस जाने एवं ओपीएस को ही लागू करने पर जोर दिया गया। संघ के सदस्यों ने ओपीएस के पक्ष में नारे लगाए। संगठन की मजबूती और आगामी यूनियन की मान्यता को लेकर होने वाली चुनाव में भाग लेने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने बरौनी रिफाइनरी में बिटुमेन विनिर्माण इकाई का किया शिलान्यास

● पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की 4,027 करोड़ रुपये की विभिन्न पहलों का शुभारंभ ● 3,638 करोड़ रुपये के पर्याप्त निवेश से दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सीतामढ़ी और शिवहर में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन का नेटवर्क विकसित कर रहा बीपीसीएल ● 389 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली बिटुमेन विनिर्माण इकाई से घरेलू स्तर पर बिटुमेन का उत्पादन करने में मिलेगी मदद ● रोजगार के नए अवसर मिलने के साथ राज्य में होगा औद्योगिक एवं आर्थिक विकास

बेगूसराय, स्वराज खबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दरभंगा से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की बरौनी रिफाइनरी में 389 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाली बिटुमेन विनिर्माण इकाई का शिलान्यास किया। इस अत्याधुनिक परियोजना में 300 केटीपीए (किलो टन प्रति वर्ष) की क्षमता वाली बिटुमेन यूनिट स्थापित की जाएगी। बढ़ते हुए बुनियादी ढांचा परियोजना, सड़क निर्माण, जैसे ÷भारतमाला परियोजना÷ के कारण बिटुमेन (अलकतरा) की मांग में वृद्धि हो रही है। इस परियोजना के माध्यम से आवश्यक सामग्रियों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जो देश की बुनियादी ढांचा विकास लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होगी। इसके अतिरिक्त इस परियोजना से विभिन्न कौशल श्रेणियों में लगभग 2 लाख मानव-दिवस के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इससे बिहार के स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और राज्य में औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा प्राप्त होगी। बिहार में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करते हुए, यह परियोजना राज्य में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगी और समृद्धि के नए द्वार खोलेगी।

कार्यक्रम में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की 4,027 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न पहलों का उद्घाटन कर प्रधानमंत्री ने इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। ये पहल देश में स्वच्छ और सतत ऊर्जा स्रोत उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और ÷मेक इन इंडिया÷ दृष्टिकोण के अनुरूप सामग्री के स्वदेशी उत्पादन पर जोर देती है।

भारत सरकार द्वारा घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) लाने और वाणिज्यिक व औद्योगिक क्षेत्रों को स्वच्छ ऊर्जा विकल्प प्रदान करने के दृष्टिकोण के तहत, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड बिहार के पांच प्रमुख जिलों में दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सीतामढ़ी और शिवहर में 3,638 करोड़ रुपये का निवेश कर सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क स्थापित कर रहा है। इसके साथ ही, इस परियोजना में नए सीएनजी स्टेशन स्थापित करने और बेगूसराय से दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी और शिवहर तक प्राकृतिक गैस के वितरण हेतु मजबूत कार्बन स्टील पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण भी शामिल है। इससे घरों, व्यवसायों और उद्योगों को स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा उपलब्ध होगी, जो पर्यावरण हितैषी ईंधन के रूप में प्रदूषण को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर ÷मेक इन इंडिया÷ पहल के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से बिहार में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी और राज्य में आर्थिक विकास व समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। यह बिहार के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन करेगा और राज्य में स्वच्छ ऊर्जा व बुनियादी ढांचे में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा। इसकी जानकारी मीनाक्षी ठाकुर वरिष्ठ प्रबंधक ने दी।

लनामिवि महिला कबड्डी टीम ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई

दरभंगा, स्वराज खबर। पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम ने क्वालीफाइंग राउंड में उड़ीसा के भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय को 40-6 से पराजित करते हुए अखिल भारतीय अंतर- विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस शानदार जीत से विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है। बता दें पूर्वी क्षेत्र अंतर -विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ के रायपुर में पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय में 11 नवंबर से 14 नवंबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टोली की प्रबंधक डॉ0 प्रियंका राय ने बताया कि बुधवार को हमारी महिला कबड्डी टीम ने क्वालीफाइंग मैच खेला। यह क्वालीफाइंग मैच ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा तथा उत्कल विश्वविद्यालय,भुवनेश्वर के बीच हुआ।इस मैच में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की टीम ने 40-6 के बड़े अंकों के अंतराल से उत्कल विश्वविद्यालय को मात देते हुए अखिल भारतीय अंतर- विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस जीत पर कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि चांसलर ट्रॉफी प्रतियोगिता के दौरान मैं स्वयं हमारे विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ियों के शक्ति और साहस का साक्षी रहा हूं। उन्होंने टेलीफोन के माध्यम से सभी महिला कबड्डी खिलाड़ियों, प्रशिक्षक, सहायक परीक्षक एवं टोली प्रबंधक को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए मंगलकामनाएं की। विश्वविद्यालय खेल पदाधिकारी प्रो0 अजय नाथ झा, उप-खेल पदाधिकारी अमृत कुमार झा ने खुशी व्यक्त करते हुए टीम को आगामी मैच में बेहतर प्रदर्शन और शानदार जीत सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहित किया। स्पोर्ट्स टेक्निकल मनीष राज ने भी मैच के तकनीकी पक्षों को मजबूत कर मैदान में उतरने की राय दी।

बेगूसराय के 06 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्कूल गेम्स ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता पदक

बेगूसराय, स्वराज खबर। 68वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स ताइक्वांडो (बालक-बालिका) अंडर-14/17 प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश के विदिशा शहर स्थित पब्लिक लाइन स्टेडियम में 08 से 12 नवम्बर तक आयोजित की गयी। इस राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बेगूसराय के 14 एवं 17 आयु वर्ग से 15 बालक-बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया।

कोच मो. फुरकान के नेतृत्व में बेगूसराय के ताइक्वांडो खिलाडियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए कुल छह पदक पर कब्जा जमाया। वहीं बिहार की ताइक्वांडो टीम ने कुल 15 पदक जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव सह प्रशिक्षक नन्दु कुमार ने बताया कि बेगूसराय के खिलाडियों ने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक विजेता में राज कुमार (बीएसएस कॉलेजिएट स्कूल), अंडर 38 किलोग्राम भार में उदित कुमार (बीएसएस कॉलेजिएट स्कूल), 18 किलोग्राम भार में राखी कुमारी (मध्य विधालय शोकहारा-1), पीयूष कुमार (पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, गढहरा) तथा कांस्य पदक विजेता में अंडर 29 किलोग्राम भार में कुश सिंह (जीएमएस शोकहारा स्कूल), 52 किलो ग्रामभार में राजनंदनी (संट जूडस स्कूल फुलवरिया) ने पदक जीतकर बेगूसराय का नाम रौशन किया।

इस विशेष उपलब्धि पर जिला खेल पदाधिकारी ऐश्वर्य कश्यप, जिला ताइक्वांडो संघ के जिलाध्यक्ष सह बीटीएमयू के कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश रंजन, जिला खेल संयोजक विश्वजीत कुमार, ऑफिसर एसोसिएशन के सीईसी पीयूष राय, कल्याण केन्द्र के सचिव भोगेन्द्र कुमार कमल, उपाध्यक्ष वागीश आनंद, जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव सह प्रशिक्षक नन्दु कुमार, संयुक्त सचिव अनिल कुमार ताँती, जिला कोच मणिकांत, बलिया कोच मनोज कुमार स्वर्णकार, सीनियर प्रशिक्षक राम सुमरन, जय शंकर चौधरी, श्याम कुमार राज, रुपेश कुमार, महेंद्र कुमार, श्याम किशोर, एनटीपीसी डीएवी, कहलगांव के वरीय खेल शिक्षक रंजीत कुमार, वायु सेना के प्रमोद कुमार राजा, जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव दीपक कुमार दीप, खेल शिक्षक अरविंद कुमार, रामबाबू, राजेश कुमार, चिरंजीवी ठाकुर, राष्ट्रीय खिलाड़ी विकेश कुमार, धीरज कुमार, सौरव कुमार, चौधरी जिशान आदि ने खिलाडियों को पदक जीतने पर बधाई दी है।

भव्य शोभा यात्रा से शुरू हुआ तीन दिवसीय मिथिला विभूति पर्व समारोह

दरभंगा, स्वराज खबर। महाकवि विद्यापति के महानिर्वाण दिवस कार्तिक धवल त्रयोदशी के अवसर पर विद्यापति चौक स्थित महाकवि कोकिल विद्यापति की प्रतिमा पर विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डा बैद्यनाथ चौधरी बैजू की अगुवाई में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो शशिनाथ झा, पूर्व कुलानुशासक डा श्रीपति त्रिपाठी, मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पं कमलाकान्त झा, संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डा बुचरू पासवान, डा अयोध्या नाथ झा, आदि द्वारा माल्यार्पण करने के उपरांत निकाली गई भव्य शोभायात्रा के साथ तीन दिवसीय मिथिला विभूति पर्व समारोह की शनिवार को विधिवत शुरुआत हुई। मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार मणिकांत झा, स्वागत महासचिव प्रो जीवकांत मिश्र, महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान के चेयरमैन हीरा कुमार झा, आदित्य नारायण चौधरी मन्ना, शोभा यात्रा संयोजक विनोद कुमार झा, सह संयोजक प्रो विजय कांत झा, संस्थान के मीडिया संयोजक प्रवीण कुमार झा, प्रो चंद्रशेखर झा बूढ़ा भाई, डॉ गणेश कांत झा, डॉ उदय कांत मिश्र, दुर्गानन्द झा, नवल किशोर झा, दिनेश झा, डॉ महानन्द ठाकुर, लक्ष्मण प्रसाद ठाकुर, आशीष चौधरी, डॉ सुषमा झा, मणिभूषण राजू, पुरूषोत्तम वत्स आदि ने भी महाकवि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और शोभायात्रा में भाग लिया।

मिथिला की गौरवशाली लोक परंपराओं को सहज रूप में दर्शाती मनोरम झांकियों के साथ सैकड़ों की संख्या में आम मैथिल एवं मिथिलाक्षर साक्षरता अभियान के अभियानी कदम से कदम मिलाकर इस शोभायात्रा में अपने गौरवशाली परंपरा की विशेषता का संदेश प्रसारित संबंधित नारे लगाते साथ चल रहे थे। मौके पर शोभा यात्रा संयोजक विनोद कुमार झा ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य मिथिला व मैथिली की गौरवशाली परंपरा और धरोहर से आमजन को अवगत कराना है।

शहर के विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शोभायात्रा आगे बढ़ी। इस दौरान मिथिला के महान विभूति पं सुरेन्द्र झा सुमन, पूर्व सांसद भोगेंद्र झा, महाराज महेश ठाकुर, महाराज रमेश्वर सिंह, ललित नारायण मिश्र, डॉ भीमराव अंबेडकर, महाराज लक्ष्मीश्वर सिंह, महाराज कामेश्वर सिंह,बाबा नागार्जुन आदि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने उपरांत मां श्यामा काली की पूजा अर्चना करने श्यामा मंदिर परिसर में एकत्रित हुई। शोभा यात्रा के दौरान विभिन्न रंगमंच से जुड़े कलाकारों द्वारा पारंपरिक गीतों पर केन्द्रित भावपूर्ण नृत्य प्रदर्शित की गई। वहीं गंधर्व कुमार झा ने वेद ध्वनि प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त समाचार

स्वामी अड़गड़ानंद से मिले अफजाल अंसारी, डेढ़ घंटे तक हुई गुप्त वार्ता

मिर्जापुर , एजेंसी। गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी मिर्जापुर की सक्तेशगढ़ स्थित स्वामी अड़गड़ानंद आश्रम पहुंचे। उन्होंने स्वामी अगड़गनन्द से गुप्त चर्चा की। इसके बाद गाजीपुर रवाना हो गए। मंगलवार की दोपहर बाद गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम पहुंचे थे।

इस दौरान गद्दी पर बैठे स्वामी अड़गड़ानंद महाराज से आशीर्वाद लिया। इसके बाद बंद कमरे में स्वामी अड़गड़ानंद से डेढ़ घंटे तक वार्ता की। सांसद अफजाल अंसारी के स्वामी अड़गड़ानंद आश्रम पहुंचने पर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चा हो रही है।

दवा माफिया पर एसटीएफ का शिकंजा, संजय प्लेस में मारा छापा; नकली दवाएं बरामद

आगरा , एजेंसी। आगरा में हिमाचल और हरियाणा से नकली दवाएं आ रही हैं। एसटीएफ ने मंगलवार रात संजय प्लेस से नकली दवाओं के साथ कासगंज के अनुराग कौशल को गिरफ्तार किया। आरोपी से नकली दवाओं से भरा कार्टन बरामद किया गया है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने पांच अक्टूबर 2024 को दवाओं के थोक विक्रेता रोहित बलेचा के मस्ता की बगीची से गणेशाय इंटरप्राइजेज से नमूने लिए थे, जो जांच में फेल हो गए थे। रोहित बलेचा ने पूछताछ में कासगंज के अनुराग कौशल का नाम बताया था।

एसटीएफ की पूछताछ में अनुराग कौशल ने बताया कि वह यह दवाएं शिमला, हिमाचल के दीपक अमौली, करनाल हरियाणा के रोहित सचदेवा से लेकर आता था। सोनीपत हरियाणा के संदीप और अलीगढ़ के पीयूष का नाम सामने आया है। पुलिस गिरोह के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बैंडमिंटन छीनकर भाग रहे थे लुटेरा, पीछा कर रहे छात्र पर फेंका केमिकल

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र में बैंडमिंटन छीनकर भाग रहे लुटेरे ने पीछा करने पर छात्र पर केमिकल फेंक दिया। इससे उसका दायां हाथ झुलस गया और वह बेसुध होकर गिर गया। इसी बीच आरोपी मौके से भाग गया। परिजनों ने झुलसे छात्र को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

नानकारी निवासी वीरेंद्र आईआईटी में अकाउंटेंट पद पर कार्यरत हैं। सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला उनका बेटा आरुष बैडमिंटन का खिलाड़ी है। वह आईआईटी के बैडमिंटन कोर्ट में रोजाना प्रैक्टिस करता है। रविवार शाम आरुष प्रैक्टिस के लिए घर से साइकिल से जा रहा था। चंदेल गेट के पास पहले से खड़े एक नाबालिग लुटेरे ने लात मारकर उसे साइकिल समेत गिरा दिया। आरुष कुछ समझ पाता, इससे पहले किशोर उसका बैडमिंटन छीन कर भागने लगा। आरुष ने पीछा किया तो लुटेरे ने केमिकल फेंक दिया जिससे उसका दाया हाथ झुलस गया।

प्रतियोगी छात्रों और पुलिस से फिर हुई तीखी झड़प, आईडी प्रूफ मांगने पर भड़के छात्र

प्रयागराज , एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के सामने बुधवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे प्रतियोगी छात्र और पुलिस में झड़प हो गई। स्थिति मारपीट और हाथपाई तक आ गई। इससे हलचल मच गई। छात्रों के उग्र रुख को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस फोर्स बुला ली गई। मामला उस समय बिगड़ा जब आयोग के पास टीबी सप्रू रोड पर लगे बैरिकेडिंग के बीच से होकर छात्र यूपीपीएससी गेट की तरफ आ रहे थे।

राजधानी में दिवाली के बाद से हवा की सेहत नासाज है। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी यूसी शुक्ला ने बताया कि शहर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए इन फैक्टरियों को अपनी चिमनियों को 20 फीट ऊपर करने का मौखिक निर्देश दिया गया है। हम लिखित तौर पर भी इसे भेज रहे हैं।

दिवाली के बाद से दूषित होती जा रही राजधानी दिल्ली की हवा

फैक्टरियों की चिमनियां 20 फीट और होंगी ऊंची

लखनऊ , एजेंसी। हवा की सेहत को सुधारने के लिए तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरियों की चिमनियां 20 फीट और ऊंची की जाएंगी। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इस बाबत निर्देश दिए हैं। राजधानी में दिवाली के बाद से हवा की सेहत नासाज है। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी यूसी शुक्ला ने बताया कि शहर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए इन फैक्टरियों को अपनी चिमनियों को 20 फीट ऊपर करने का मौखिक निर्देश दिया गया है। हम लिखित तौर पर भी इसे भेज रहे हैं। जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देश पर नगर निगम समेत राजधानी की अन्य एजेंसियां भी प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास में लगी हैं।

128 में से 8 इकाइयों में लगी है चिमनी- तालकटोरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष यूनुस सिद्दीकी ने बताया कि तालकटोरा में कुल 128 इकाइयां हैं। इनमें से आठ इकाइयां ऐसी हैं, जिनमें चिमनी लगी है। सभी चिमनियां तय मानकों के अनुसार लगी हैं। बॉयलर की क्षमता के मुताबिक किसी की चिमनी 100 तो किसी की 130 फीट ऊंची है।

गुणवत्ता सूचकांक 243 दर्ज

राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) यूपी के सघन बसे उद्योगों वाले शहरों-गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेनो की तरह दर्ज हो रहा है। मंगलवार को लखनऊ का औसत एक्यूआई 243 दर्ज हुआ। लालबाग की हवा की गुणवत्ता लाल श्रेणी (एक्यूआई 321) में पहुंच गई। ऐसी हवा सेहत के लिए नुकसानदायक होती है।

कानूनन हमें चिमनी ऊंची करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

फिर भी प्रशासन ने एहतियात के तौर पर चिमनियां ऊंची करने के लिए कहा है। इसके लिए पहले पूरी चिमनी को खोलना पड़ेगा। इसके बाद ही उसकी ऊंचाई बढ़ाई जा सकती है। इस काम में 10-15 दिन लग सकते हैं। उद्योगों से प्रदूषण नहीं हो रहा है। तालकटोरा के मुकाबले लालबाग में हवा की गुणवत्ता कहीं ज्यादा खराब है।

इस आधार पर तय होती है हवा की सेहत

पांच हानिकारक प्रदूषकों की मात्रा के आधार पर हवा की गुणवत्ता और वायु गुणवत्ता सूचकांक तय होता है। ये पांच प्रदूषक हैं- कार्बन मोनो ऑक्साइड, धूल के कण, सल्फर डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड और वायुमंडल के निचले स्तर में मौजूद ओजोन। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का जितना ज्यादा होता है, वहां की हवा हमारी सेहत के लिए उतनी ज्यादा नुकसानदायक और जहरीली मानी जाती है।

नगर निगम ने लगाईं दस मशीनें

नगर निगम के पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान ने बताया कि जिन इलाकों में ज्यादा एक्यूआई दर्ज हो रहा है, उनमें नगर निगम की दस मशीनें प्रदूषण नियंत्रण में लगी हैं। जिनमें आठ एंटी-स्मॉग गन हैं। पानी के छिड़काव के लिए भी दो मशीनें लगाई गई हैं।

बदलने लगा हवाओं का रुख, मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि कब से पड़नी शुरू हो जाएगी सर्दी

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में हवा का रुख अब बदलने लगा है। अगले दो-तीन दिनों में प्रदेश भर में धीरे धीरे पछुआ हवा जोर पकड़ेगी, जिसके असर से न्यूनतम तापमान में क्रमिक गिरावट से नवंबर की गुनगुनी सर्दियों का आगाज होगा। कश्मीर और हिमांचल में हुई बर्फबारी का असर जल्द ही मैदानी इलाकों में भी देखने को मिलेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 15 नवंबर से प्रदेश में पछुआ हवाओं के चलने से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिलेगी। हालांकि तापमान में इस गिरावट के बावजूद अगले कुछ दिन न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा ही रहने वाला है। प्रदेश के तराई इलाकों सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, बहराइच, बलरामपुर, महराजगंज, गोरखपुर, देवरिया के साथ ही प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में सुबह के वक्त घने कोहरे का असर रहेगा। वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पिछले कई महीनों से मध्य भारत में प्रतिचक्रवात के बने रहने और वर्तमान में वातावरण में नमी की मौजूदगी के साथ तेज धूप ने गर्मी का अहसास बढा रखा है। इसके अलावा प्रदेश में किसी भी पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय न होना और पहाड़ों पर बर्फबारी की नामौजूदगी भी इस गर्मी की बड़ी वजह है। पछुआ चलने के साथ सर्दियों का आगाज देखने को मिलेगा।

प्रयागराज रहा सबसे ज्यादा गर्म

मंगलवार को 34.8 डिग्री के अधिकतम तापमान के साथ प्रयागराज सर्वाधिक गर्म रहा। झांसी में अधिकतम 34.1 डिग्री और उरई में 33.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो चुर्क में 16.5 डिग्री, अयोध्या में 17.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

नवंबर में भी लग रही है गर्मी, पिछले चार साल की तुलना में तापमान सबसे अधिक; अधिकतम 31.8 डिग्री

वाराणसी, एजेंसी। नवंबर के 12 दिन बीत चुके हैं लेकिन धूप से राहत नहीं मिली है। यही कारण है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान औसत से अधिक पहुंच गया है। पिछले चार साल की तुलना में तापमान अधिक रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिक नवंबर में गर्मी लगने को ग्लोबल वार्मिंग की वजह मान रहे हैं। जून से सितंबर तक का महीना मानसून का सीजन यानी बारिश का माना जाता है। इसके बाद धीरे धीरे ठंड की दस्तक शुरू हो जाती है। नवंबर के पहले सप्ताह के बाद आम तौर पर इतनी ठंड रहती है कि लोगों को हल्के गर्म कपड़ों की जरूरत पड़ती है। पिछले चार साल में इस साल का मौसम गर्म है। मंगलवार को दिन में हवा न चलने से धूप भी असरदार रही। अधिकतम तापमान 32 के करीब (31.8 डिग्री सेल्सियस) पहुंच गया, जो कि औसत से 1.6 जयादा रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 19 के करीब (18.8 डिग्री सेल्सियस) रिकॉर्ड किया गया, जो औसत से 2.8 अधिक रिकॉर्ड किया गया। कुल मिलाकर नवंबर में इस बार का तापमान पिछले चार साल की तुलना में अधिक है। मौसम वैज्ञानिक प्रो. राजीव बाटला के मुताबिक उत्तर पश्चिमी हवाओं के आने की वजह से ही ठंड का असर दिखता है। मौसम में साल दर साल जिस तरह का बदलाव दिख रहा है, उसकी एक वजह ग्लोबल वार्मिंग भी है।

सपा विधायक के खिलाफ एक्शन

आलीशान तीन मंजिला आवास होगा कुर्क, नौकरानी की आत्महत्या केस में कोर्ट का आदेश

भदोही , एजेंसी। भदोही के सपा विधायक जाहिद जमाल बेग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आदेश की अवहेलना पर न्यायालय ने उनके मालिकाना मोहल्ले स्थित तीन मंजिला मकान को कुर्क करने का आदेश दिया है। वहीं फरार चल रही उनकी पत्नी सीमा बेग के खिलाफ धारा 209 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

नौकरानी ने फंदे से लटककर दी थी जान

भदोही के सपा के विधायक जाहिद जमाल बेग के मालिकाना मोहल्ले स्थित आवास में नौकरानी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। मामले में पुलिस ने विधायक जाहिद बेग के साथ उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे जईम बेग के खिलाफ बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी और आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज किया था।

बेटे की गिरफ्तारी, विधायक ने किया था आत्मसमर्पण

पुलिस ने इस मामले में बेटे की गिरफ्तारी की। जिसके बाद विधायक ने एमपीएमएल कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। इस समय विधायक प्रयागराज के नैनी और बेटा जईम वाराणसी जेल में बंद है। दूसरी तरफ कोर्ट ने फरार चल रही उनकी पत्नी को न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया था।

कोर्ट की नोटिस का समय बीतने के बाद भी न्यायालय में उपस्थित न होने पर भदोही कोतवाली के विवेचक कमलेश कुमार ने विधायक की पत्नी के खिलाफ धारा 209 के तहत मुकदमा दर्ज कराया। वहीं न्यायालय के आदेश की अवहेलना के आरोप में कोर्ट ने मालिकाना मोहल्ले स्थित उनकी तीन मंजिला मकान को कुर्क करने का आदेश दिया है। एएसपी डॉ. तेजबीर सिंह ने बताया कि न्यायालय ने भदोही के सपा विधायक के आवास के कुर्की का आदेश दिया है। जल्द ही आदेश का अनुपालन किया जाएगा।

आयोग पर प्रतियोगी छात्रों का आंदोलन तीसरे दिन भी जारी, अपनी मांगों पर अडिग

प्रयागराज , एजेंसी। यूपीपीएससी की पीसीएस और आरओ एआरओ परीक्षा को एक दिन में कराने की मांग को लेकर आयोग के दफ्तर पर धरने पर बैठे छात्रों का आंदोलन तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। अधिकारियों ने छात्रों से वार्ता की। फिलहाल छात्र अपनी मांगों पर अड़े हैं। अभ्यर्थी रात भर सड़क पर बैठे रहे। पुलिस भी मुस्तैद रही।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के इतिहास में पहली बार एक साथ दो परीक्षाओं के लिए आंदोलन हो रहा है। अभ्यर्थियों ने पीसीएस व आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराने और नॉर्मलाइजेशन लागू करने के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

22 व 23 दिसंबर को प्रस्तावित आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 से जहां 1076004 अभ्यर्थी जुड़े हैं, वहीं सात व आठ दिसंबर को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2024 के लिए 576154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इनमें कई ऐसे अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने दोनों परीक्षा के लिए आवेदन किए हैं। इन दोनों परीक्षाओं के अभ्यर्थी अब एकजुट हो चुके हैं, क्योंकि कोई अभ्यर्थी नहीं चाहता कि परीक्षा दो दिन कराई जाए और नॉर्मलाइजेशन लागू हो।

नार्मलाइजेशन से मिलेगा भ्रष्टाचार को बढ़ावा- यही वजह है कि आयोग पर इकट्ठा अभ्यर्थियों के संख्या बल के आगे फोर्स को भी पीछे हटना पड़ा है। अभ्यर्थियों को यह आशंका है कि एक बार नॉर्मलाइजेशन लागू हो गया तो यह स्केलिंग प्रणाली की तरह अभ्यर्थियों के लिए नासूर बन जाएगा और इसकी आड़ में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। आंदोलन में अन्य परीक्षाओं के अभ्यर्थी भी शामिल हैं, क्योंकि किसी भी परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या पांच लाख से अधिक होने पर नॉर्मलाइजेशन लागू करने की स्थिति आ जाएगी।

पीसीएस परीक्षा में तो दिल्ली, एमपी, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार से भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल होते हैं। ऐसे में दूसरे राज्यों से भी आंदोलन में शामिल होने के लिए छात्र यहां पहुंचे हैं। इसी वजह से आंदोलन ने व्यापक रूप ले लिया है और पहली आयोग के इतिहास में पहली बार एक साथ एक से अधिक परीक्षाओं को लेकर आंदोलन हुआ है।

दिशा: लोगों ने कहा, अरे साहब ! मौके पर चलकर देखिए..

गांवों में व्यवस्थाओं व सुविधाओं का सूरत-ए-हाल

गोरखपुर , एजेंसी। जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में खराब सड़क, पानी और बिजली का मुद्दा छाया रहा। सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ला बोले- गांवों में पाइप लाइन बिछाने के नाम पर सारी सड़कें खोद कर छोड़ दी हैं। लोगों को बहुत परेशानी हो रही है..। एक्सईएन ने सफाई दी तो विधायक ने चुनौती दी कि मौके पर चलकर देख लीजिए तो सच सामने आ जाएगा..। विधायकों ने एक-एक कर गड़बड़ियां गिनाकर जवाब मांगना शुरू किया तो अफसर बगले झांकने लगे।

तीन विधायकों ने ग्रामीण इलाकों में पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क मरम्मत न कराने का आरोप लगाया। इस पर जल निगम के एक्सईएन ने आरोपों को गलत बता दिया। फिर एक विधायक ने मौके पर साथ चलने की चुनौती तक दे डाली। मंगलवार को सर्किट हाउस स्थित एनेक्सी भवन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान की अध्यक्षता में शुरू हुई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसे जांच कराकर तत्काल ठीक कराएं वरना कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उठाए गए मुद्दों को अधिकारी सिर्फ कोरम न समझें। गंभीरतापूर्वक पर इस काम कराएं। अगली बैठक में इन सारे मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक में सहजनवां के विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हर गांव में पाइपलाइन बिछाई जा रही हैं। जल निगम के ठेकेदार पाइपलाइन बिछाते समय सड़क की खोदाई कर रहे हैं और बाद में मरम्मत नहीं करा रहे हैं। इस पर चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी और बांसगांव के विधायक डॉ विमलेश पासवान ने भी समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि यह समस्या हर जगह है। इस पर सफाई देते हुए जल निगम के एक्सईएन ने कहा कि खोदाई के बाद सड़कों की मरम्मत करा रहे हैं। इस पर सहजनवां के विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि चलिए, मौके पर चलकर देख लीजिए, कैसी स्थिति है। इस पर एक्सईएन जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने उनवल बाईपास पर पटरी न होने की समस्या को उठाया।

चिल्लूपार के विधायक ने कहा कि बनवारपार-डांडी मार्ग चलने लायक नहीं है। खखाइचखोर में 15 साल से बिजली उपकेंद्र का कार्य अधूरा है, इस पर अधिकारियों ने कहा कि बजट आ गया है।

सर्विस लेन के मुद्दे पर फंस गए अधिकारी

बांसगांव के विधायक डॉ विमलेश पासवान ने गोरखपुर-वाराणसी मार्ग पर सर्विस लेन न बनाए जाने का मुद्दा उठाया। इस पर एनएच के अधिकारी ने कहा कि मंदिर शिफ्ट नहीं हो पा रहा है। इसलिए विलंब हुआ है। विधायक ने कहा कि जहां मंदिर नहीं है वहां क्यों नहीं बनाया गया। इसके लिए 25 करोड़ का बजट भी जारी हो चुका है। अधिकारी इस पर कोई जवाब नहीं दे सके। केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि सर्विस लेन का काम तत्काल शुरू कराएं।

बंद रहते हैं सामुदयिक शौचालय, बनाने से क्या फायदा

बैठक में ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायतों में सामुदायिक शौचालयों के बंद होने का मुद्दा उठाया गया। विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए इसे बनाया गया था, बंद रखने से क्या फायदा। इस पर केंद्रीय मंत्री ने जिला पंचायत राज अधिकारी को कार्यवाही का निर्देश दिया। कहा कि हर हाल में सामुदायिक शौचालय खुले रहने चाहिए। अगर और जरूरत है तो ऑनलाइन आवेदन कराएं। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न पेंशन योजनाओं की भी समीक्षा की गई। केंद्रीय राज्य मंत्री ने निर्देश दिया कि जो भी नए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं उनका तेजी से सत्यापन करें।

वृद्धा से दुष्कर्म का प्रयास, विरोध पर नशेबाज ने पीटा, पुलिस बोली- साधारण मारपीट हुई है

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में दानिश के आत्महत्या करने के मामले में तहरीर बदलवाने का एक और मामला सामने आया है। महाराजपुर क्षेत्र में 80 वर्षीय वृद्धा को नशे में धुत युवक ने दबोच लिया। विरोध करने पर वृद्धा के स्वेटर से ही उनका मुंह दबा दिया और घसीटते हुए खेतों में ले जाकर पीटा। होश आने पर वृद्धा ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। हालांकि पुलिस इसे मारपीट का मामला बता रही है।

क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली वृद्धा गांव के बाहर जंगल में झोपड़ी बनाकर रहती हैं। जबकि, उनके चार बेटे गांव में परिवार के साथ रहते हैं। परिजनों ने बताया कि वृद्धा मंगलवार देर शाम झोपड़ी के बाहर चारपाई पर बैठी थीं। उसी दौरान गांव का एक युवक शराब के नशे में वहां पहुंचा। आरोप है कि युवक ने वृद्धा को बदनीयती से दबोच लिया।

कांशीराम अस्पताल के लिए रेफर कर दिया- विरोध करने पर वृद्धा के स्वेटर से ही मुंह दबा दिया। फिर घसीटते हुए उन्हें खेतों की तरफ ले गया और लात घूसों से पीटा। इससे वह बेहोश हो गई और आरोपी मौके से भाग गया। करीब एक घंटे बाद वृद्धा को होश आया तो वह एक ग्रामीण के पास पहुंची और और घटना बताई। परिजन घायल वृद्धा को सरसौल सीएचसी ले गए। वहां से डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए कांशीराम अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस ने नकारी दुष्कर्म के प्रयास की बात- परिजनों ने युवक पर दुष्कर्म का प्रयास करने और पीटने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने दबाव बनाकर तहरीर को बदलवाकर सिर्फ मारपीट की तहरीर ले ली। पुरवामीर चौकी प्रभारी प्रभा शंकर का कहना है कि वृद्धा के बेटे की तरफ से जो तहरीर मिली है, उसे मारपीट का जिक्र है। मारपीट क्यों हुई इसकी जांच की जा रही है।

संपादकीय

चुनाव में मुफ्त घोषणाओं की होड़

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जिस तरह से दोनों प्रमुख गठबंधनों , सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकास आघाड़ी ने चुनावी वादों का पिटारा खोल रखा है, वह बताता है कि इन दलों ने हाल के अनुभवों और अपने नेताओं की नसीहतों से कोई सीख नहीं ली है। यह बात बार-बार कही जाती रही है कि राजनीतिक दल चुनाव के दौरान वादे करने में अतिरिक्त उदारता दिखाते हैं, जिससे एक तरफ खजाने पर बोझ बढ़ता है तो दूसरी तरफ इन दलों की साख पर भी सवाल उठते हैं। ताजा उदाहरण कर्नाटक का है, जहां अव्यावहारिक वादों के बल पर चुनाव जीतने के बाद राज्य सरकार के लिए उन्हें पूरा करना मुश्किल साबित हो रहा है। संभवत-इसीलिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के वादे पर पुनर्विचार की बात कही, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उन्हें फटकार लगानी पड़ी कि उनके बयान से महाराष्ट्र के मतदाताओं को गलत संदेश जा सकता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुफ्त की घोषणाओं पर सवाल उठाते रहे हैं। महाराष्ट्र चुनाव अभियान पर किसी भी खेमे में इन बातों का कोई असर नहीं दिख रहा। सत्तारूढ़ महायुति (यानी भाजपा, शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी) ने लाड़की बहिण योजना में दी जाने वाली राशि 1500 मासिक से बढ़ाकर 2100 मासिक करने के साथ ही नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना में किसानों को दी जाने वाली राशि भी 12000 रु मासिक से बढ़ाकर 15000 रुपये मासिक करने का वादा किया है। दूसरी ओर विपक्षी महाविकास आघाड़ी (यानी कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी) ने महिलाओं को 3000 रुपये मासिक और मुफ्त बस सेवा देने का वादा किया है। इन वादों से राजकोष पर पड़ने वाले बोझ की बात करें तो महायुति की लाड़की बहिण योजना में हुए इजाफे से इस पर सालाना खर्च 63000 करोड़ रुपये हो जाएगा, जो इस योजना के मौजूदा बजट में 40 फीसदी का इजाफा है। नमो शेतकरी महासम्मान निधि में भी बढ़ोतरी का वादा इसके खर्च में सालाना 25 फीसदी का इजाफा कर देगा। ऐसे ही महाविकास आघाड़ी का महिलाओं को 3000 रुपये मासिक कैश देने का वादा राजकोष पर सालाना 90,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डालेगा। यह स्थिति तब है जब इसी जुलाई में विधानसभा में रखी गई श्वेत रिपोर्ट ने याद दिलाया कि राज्य पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। उसे 2.75 लाख रुपये का कर्ज अगले सात वर्षों में चुकाना है। यही नहीं 94,845.35 करोड़ रुपये का मार्केट लोन और 83,453.17 करोड़ रुपये ब्याज अगले दो वर्ष में यानी वित्त वर्ष 2025-26 तक चुकाने हैं। जाहिर है, राजनीति को थोड़ा और जिम्मेदार होने की जरूरत है।

बाकू सम्मेलन अमीर देशों की उदासीनता दूर कर पायेगा

संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह का जलवायु सम्मेलन कॉप-29 11 अक्टूबर सोमवार से अजरबैजान की राजधानी बाकू में शुरू हो गया है। पर्यावरण से जुड़े इस महाकुंभ में भारत समेत लगभग 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए जलवायु वित्त का नया लक्ष्य तय करने, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान की वृद्धि को सीमित करने और विकासशील देशों के लिए समर्थन जुटाने पर सार्थक एवं परिणामकारी भी चर्चाएं होने की संभावनाएं हैं। साथ ही इसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर समूची दुनिया के देश चर्चा करेंगे। सम्मेलन में भारत की प्रमुख प्राथमिकताएं जलवायु वित्त पर विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और ऊर्जा स्त्रोतों के समतापूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त करना होंगी। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) के विशेषज्ञ इस वर्ष के शिखर सम्मेलन से चार प्रमुख परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं- नया जलवायु वित्त लक्ष्य, मजबूत राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति तेजी, पिछले वादों पर ठोस प्रगति और नुकसान व क्षति के लिए अधिक धनराशि। विश्व में तापमान बढ़ोत्तरी, 'अल नीनो' व 'ला नीना' के प्रभावों के चलते मौसम की घटनाओं से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है।

(ललित गर्ग)

दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह का जलवायु सम्मेलन कॉप-29 11 अक्टूबर सोमवार से अजरबैजान की राजधानी बाकू में शुरू हो गया है। पर्यावरण से जुड़े इस महाकुंभ में भारत समेत लगभग 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए जलवायु वित्त का नया लक्ष्य तय करने, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान की वृद्धि को सीमित करने और विकासशील देशों के लिए समर्थन जुटाने पर सार्थक एवं परिणामकारी भी चर्चाएं होने की संभावनाएं हैं। साथ ही इसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर समूची दुनिया के देश चर्चा करेंगे। सम्मेलन में भारत की प्रमुख प्राथमिकताएं जलवायु वित्त पर विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और ऊर्जा स्त्रोतों के समतापूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त करना होंगी। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) के विशेषज्ञ इस वर्ष के शिखर सम्मेलन से चार प्रमुख परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं- नया जलवायु वित्त लक्ष्य, मजबूत राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति तेजी, पिछले वादों पर ठोस प्रगति और नुकसान व क्षति के लिए अधिक धनराशि। विश्व में तापमान बढ़ोत्तरी, 'अल नीनो' व 'ला नीना' के प्रभावों के चलते मौसम की घटनाओं से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। इस बीच एक नए अध्ययन में पूर्वी यूरोप के 10 ऐसे देशों की पहचान की गई है, जो भविष्य में तापमान वृद्धि से सबसे अधिक आर्थिक नुकसान का सामना करेंगे। ऐसे में पूरी दुनिया की निगाहें जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में होने वाली चर्चाओं, फैसलों और नतीजों पर टिकी हैं।

कॉप-29 सम्मेलन को पर्यावरण समस्याओं, चुनौतियों एवं बदलते मौसम के मिजाज को संतुलित करने के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन से दुनिया ने उम्मीदें लगा रखी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की राह में विकासशील देशों के सामने सबसे प्रमुख अवरोध वित्तीय संसाधनों का अभाव है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद विकसित देशों का योगदान आवश्यक स्तर से कम है। वर्ष 2022 में विकसित देशों ने 115.9 अरब डालर उपलब्ध कराए और पहली बार 100 अरब डालर के वार्षिक लक्ष्य का आंकड़ा पार हुआ। हालांकि यह अभी भी कम है, क्योंकि अगर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2030 तक हर साल दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राशि की आवश्यकता होगी। कर्ज का अंबार विकासशील देशों की राह में एक और बाधा बना हुआ है। तमाम विकासशील देश कर्ज के बोझ से ऐसे कराह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उनके पास संसाधन बहुत सीमित हो जाते हैं। इसीलिये जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया एक बार फिर बाकू सम्मेलन कॉप-29 में चर्चा का विषय बन रहा है।

दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है। ऐसे में यह उचित ही होगा कि विकासशील देश उस नुकसान एवं क्षतिपूर्ति मुआवजे पर भी जोर दें, जिसकी चर्चा तो बहुत हुई थी, लेकिन उस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। विकसित देशों की जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं पर उदासीनता इसलिये भी सामने आ रही है कि विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में अपने पुराने और भारी योगदान को अनदेखा करते हुए विकासशील देशों पर जल्द से जल्द उत्सर्जन कम करने के लिए ऐसा दबाव डालते हैं कि वे उनकी गति से ताल मिलाएं। इस प्रकार विकासशील देशों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं का संज्ञान लिए बिना ही अमीर देशों द्वारा लक्ष्य तय किया जाना भी असंतोष का एक कारण बन रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन से उपजी प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं ने उन देशों एवं समुदायों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए अपेक्षाकृत कम जिम्मेदार हैं।

देखा जाए तो आज जीवन के हर पहलू पर जलवायु में आते बदलावों का असर साफ तौर पर नजर आने लगा है। लोगों का स्वास्थ्य भी इससे सुरक्षित नहीं है। बात चाहे आपदाओं के कारण जा रही जानों की हो या इसकी वजह से तेजी से पनपती बीमारियों की, जलवायु परिवर्तन रूप बदल-बदल कर लोगों के स्वास्थ्य पर आघात कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य पर मंडराते इस खतरे को कहीं ज्यादा संजीदगी से लेने की जरूरत है। बढ़ती गर्मी के प्रति चेतावनी, जीवाश्म ईंधन की सही कीमत का निर्धारण और घरों में ऊर्जा के साफ सुथरे साधनों का उपयोग सालाना 20 लाख लोगों की जान बचा सकता है। ऐसे में इस शिखर सम्मेलन से ठीक पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी देशों से जीवाश्म ईंधन से अपना नाता तोड़ने का आग्रह किया है। साथ ही सरकारों से आम लोगों को जलवायु में आते बदलावों का सामना करने के काबिल बनाने में मदद करने की वकालत की है।

कॉप-29 से ठीक पहले जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर जारी अपनी विशेष रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक नेताओं से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य को अलग-अलग मुद्दों के रूप में देखना बंद करने का आग्रह किया है। ताकि न केवल लोगों के जीवन को बचाया जा सके, साथ ही मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 से भी ज्यादा संगठनों और 300 विशेषज्ञों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संबोधित करते हुए कॉप-29 पर यह विशेष रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में तीन प्रमुख क्षेत्रों लोग, क्षेत्र और ग्रह से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 360 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जो जलवायु में आते बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। यह वो क्षेत्र हैं जहां खतरा बहुत ज्यादा है। लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए ऐसी स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करना जरूरी है जो जलवायु में आते बदलावों का सामना कर सकें और मुश्किल समय में भी लोगों के प्राणों की रक्षा कर सकें। स्वास्थ्य और जलवायु नीतियों का मेल मानव प्रगति एवं आदर्श विश्व संरचना के लिए बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। भारत के साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित 11 ऐसे देश हैं जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में हैं। ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर धरती की हालत 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' वाली है। इसीलिए कॉप-29 लगातार जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही पृथ्वी को बचाने का माध्यम बनना बहुत जरूरी है। विकासशील देशों को इसके लिए अपनी आवाज बुलंद करनी होगी, क्योंकि यह न केवल न्याय के दृष्टिकोण से, अपितु मानव अस्तित्व एवं सृष्टि संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

देश के लिये कलंक है मिलावटी व नक़ली खाद्य सामग्री का चलन

निर्मल रानी

कम से कम समय व लागत में अधिक से अधिक धन कमाने जैसी %शार्ट कट% मानवीय प्रवृति ने लगभग पूरे देश को संकट में डाल रखा है। भारतीय बाज़ार में नक़ली व मिलावटी सामानों की भरमार इसी प्रवृति का नतीजा है। परन्तु जब यही मिलावटख़ोरी या नक़ली सामग्री का इस्तेमाल खाद्य सामग्रियों में होने लगता है तो निःसंदेह यह सीधे तौर पर इंसान की जान से खिलवाड़ करने या धीमा ज़हर देने के सिवा और कुछ नहीं। पूरा देश इस बात से भली भांति वाक़िफ़ है कि हमारे देश में दूध का जितना उत्पादन होता है उससे कई गुना ज़्यादा दूध व दूध से बनी ज़रूरी सामग्री की खपत होती है। यह दूध आख़िर कहाँ से आता है ? सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में ऐसी अनगिनत वीडियो वायरल हो चुकी हैं जिनमें नक़ली व ज़हरीला दूध बनते देखा जा सकता है। नक़ली व मिलावटी देसी घी, खोया सब कुछ देश में बन रहा है व बेचा जा रहा है। असली नक़ली का भेद न कर पाने वाली आम जनता उसी धीमे ज़हर को खाने-पीने के लिये मजबूर है। और इन्हीं या इनसे बनी अनेक खाद्य सामग्रियों का सेवन कर तरह-तरह की बीमारियों का शिकार हो रही है।

अब तो हद यह हो गयी है कि पिछले दिनों देश की राजधानी दिल्ली, ग़ाज़ियाबाद, मोदीनगर और हरियाणा के जींद से अमूल जैसे लोकप्रिय देसी घी सहित कई अन्य कम्पनीज़ के ब्रांड के नाम पर बनने वाला नक़ली घी पकड़ा गया। ज़हरीली खाद्य सामग्री का व्यवसाय करने वाले यह लोग टेट्रा पैक पर अमूल घी, मधुसूदन घी, मदर डेयरी घी, पतंजलि गाय घी, वर्का घी, नेस्ले एवरीडे घी, आनंद घी, परम देशी घी, मिल्कफूड देशी घी, मधु घी, लक्ष्य घी और श्वेता घी जैसी कम्पनीज़ के नक़ली ब्रांड पैक इस्तेमाल करते थे। और इन्हीं अलग-अलग कंपनी के ब्रांड नाम से तैयार किया जा रहा देसी घी बनाकर बाज़ार में बेच रहे थे। केवल हरियाणा के जींद में जो देसी घी बनाने वाली फ़ैक्टरी पकड़ी गई है वहां 2500 लीटर नक़ली घी का कच्चा माल बरामद हुआ। पुलिस ने इस मिलावटी नेटवर्क को चलाने में रितिक खंडेलवाल मथुरा, संजय बंसल शाहदरा दिल्ली, रोहित अग्रवाल मोदीनगर गाज़ियाबाद, कृष्ण गोयलजींद, नरेश सिंघला व अश्वनी उर्फ आशु जींद को आरोपी बनाया है। नक़ली ज़हरीला घी खाने का अर्थ कैंसर को दावत देना होता है। वैसे तो देसी घी में प्रायः आलू, शकरकंद जैसे स्टार्च की मिलावट की जाती है। लेकिन कई बार इसमें कोल टार डाई या अन्य ख़तरनाक रसायन भी मिला दिये जाते हैं जिसके कारण फ़ूड पॉइज़निंग, एलर्जी जैसी परेशानियों से लेकर कैंसर जैसी ख़तरनाक बीमारी तक भी हो सकती है।

ख़बरों के अनुसार गत 12 नवंबर (मंगलवार) को केवल दिल्ली में एक ही दिन में 50 हज़ार शादियां हुई। ज़रा सोचिये कि हर शादी में दूध घी पनीर खोया मिठाई आदि की कितनी खपत हुई होगी। इसी तरह पूरे देश के विवाह आयोजनों व अन्य समारोहों में आप जब जहाँ और जितना भी घी, दूध, दही मक्खन, खोया, पनीर आदि जो भी चाहें आप को मिल जायेगा। सवाल यह है कि जब सरकार व प्रशासन भी इस जालसाज़ी व मिलावटख़ोरी की ख़बरों व इसके नेटवर्क से वाक़िफ़ है और इसे रोकने के लिये पर्याप्त क़ानून भी बने हैं उसके बावजूद मिलावटख़ोरी का यह सिलसिला दशकों से क्यों चला आ रहा है? कुछ लोगों की अधिक धन कमाने की %शॉर्टकट% प्रवृति ने आख़िर पूरे देश को धीमा ज़हर खाने के लिये क्यों मजबूर कर दिया है। क्यों ज़हर के इन व्यवसायियों के हौसले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। यह जानने के लिये पड़ोसी चीन की एक घटना का उल्लेख करना ज़रूरी है। कुछ वर्ष पूर्व चीन में अपराधी मानसिकता के ऐसे ही दो लोगों द्वारा नक़ली दूध बनाने का धंधा शुरू किया गया। कुछ दिनों में ही यह नक़ली दूध जांच के दायरे में आ गया। जब यह नेटवर्क ध्वस्त हुआ तो वहां की सरकार ने इन दोनों ही अपराधियों को सज़ा-ए-मौत दे दी। तब से आजतक वहां नक़ली दूध के किसी दूसरे नेटवर्क ने अपना सिर बुलंद नहीं किया।

हमारे देश में इस तरह के नक़ली, मिलावटी व ज़हरीले खाद्य नेटवर्क को बढ़ावा देने के पीछे सच पूछिए तो सरकार, प्रशासन व जनता, कुछ न कुछ सभी ज़िम्मेदार हैं। यदि आप देश के समाचारपत्रों पर नज़र डालें तो शायद ही कोई दिन ऐसा होता हो जिस दिन इस तरह का नक़ली, मिलावटी व ज़हरीला खाद्य सामग्री का नेटवर्क पकड़ा न जाता हो। परन्तु आपको यह ख़बर बहुत कम बल्कि ना के बराबर पढ़ने को मिलेगी कि अमुक नक़ली, मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े लोगों को सख़्त सज़ा हुई हो। इसका कारण है कि जो प्रशासन मिलावटख़ोरी के नेटवर्क को पकड़े जाने की वाहवाही जिस तरीक़े से लूटता है वही उनसे जुड़े उन सुबूतों को अदालत तक उस मुस्तैदी के साथ नहीं पहुंचा पाता जैसा कि छापेमारी के समय मीडिया में नज़र आता है। अब चूँकि आदालतें साक्ष्य, गवाही व दस्तावेज़ों के आधार पर ही अपने फ़ैसले सुनाती हैं और अदालत में साक्ष्य, गवाही व दस्तावेज़ों को उपलब्ध कराना कार्यपालिका का विषय है, इसलिये साक्ष्य, गवाही व दस्तावेज़ों के अभाव में सभी गिरफ़्तार आरोपियों को सज़ा नहीं मिल पाती। इसीलिये यह आम धारणा बन चुकी है कि इसतरह के नेटवर्क से जुड़े लोग भ्रष्टाचार व रिश्वत के दम पर स्वयं को बचा ले जाते हैं और ज़ाहिर है कि बरी होने के बाद यही लोग बुलंद हौसले के साथ आम लोगों को ज़हर बेचने का यही काम फिर शुरू कर देते हैं।

जनता इसलिये ज़िम्मेदार है कि वह ऐसे अपराधियों को समाज में संरक्षण देती है। जो लोग नक़ली, मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े होते हैं वे एलियन नहीं न है की वे आसमान से टपकते हैं। वे भी किसी गली मोहल्ले कॉलोनी या शहरों व गांव में रहते हैं। जब यह लोग ज़हर बेचते पकड़े जाते हैं तो इनके रिश्ते नातेदार पड़ोसी सभी को इनके करतूतों का पता चलता है। वास्तव में समाज को ऐसे लोगों का पूर्णतः सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। यदि अपनी चालाकियों या रिश्वत के बल पर यह अदालत से बरी भी हो जाएँ तो भी पास पड़ोस के लोगों व इनके सभी जानने वालों को इनका सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। आश्चर्य है कि जो लोग समाज को ज़हर देकर मारने का संगठित व इरादतन अपराध करते हों उसी समाज के लोग इन अपराधियों को अपने सर माथे पर बिठाते हैं? इससे भी इनके हौसले बुलंद होते हैं। और ऐसे ही लोगों के चलते मिलावटी व नक़ली खाद्य सामग्री का बढ़ता चलन देश के लिये कलंक बनता जा रहा है।

सर्दी में देरी का साइड इफेक्ट्स ! दिल्ली में दूर-दूर तक नहीं नजर आ रहे 'विदेशी मेहमान'

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के वैटलैंड और हैबिटेट बड़े पैमाने पर सर्दियों के प्रवासी पक्षियों का इंतजार है। इसकी वजह है कि करीब आधा नवंबर बीतने के बाद भी अक्टूबर की तरह गर्मी बनी हुई है। आम तौर पर, अक्टूबर तक प्रवासी पक्षियों की 80 से अधिक प्रजातियां इस क्षेत्र में आती हैं। प्रवासी पक्षियों की लगभग 40 प्रजातियां इस क्षेत्र में रुकती हैं, जबकि स्थानीय पक्षियों की लगभग 180 प्रजातियां हैं।

(अनिल कुमार)

दिल्ली-एनसीआर में इस साल सर्दियों के प्रवासी पक्षियों का आगमन अब तक कम देखने को मिला है। अक्टूबर में शुरू होने वाला प्रवास इस बार नवंबर के मध्य तक भी अपेक्षित संख्या में नहीं पहुँचा है। पक्षीविज्ञानियों का मानना है कि अधिक तापमान और लंबे मानसून के कारण प्रवासन पैटर्न में देरी हुई है।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के वैटलैंड और हैबिटेट बड़े पैमाने पर सर्दियों के प्रवासी पक्षियों का इंतजार है। इसकी वजह है कि करीब आधा नवंबर बीतने के बाद भी अक्टूबर की तरह गर्मी बनी हुई है। आम तौर पर, अक्टूबर तक प्रवासी पक्षियों की 80 से अधिक प्रजातियां इस क्षेत्र में आती हैं। प्रवासी पक्षियों की लगभग 40 प्रजातियां इस क्षेत्र में रुकती हैं, जबकि स्थानीय पक्षियों की लगभग 180 प्रजातियां हैं।

ये विदेशी मेहमान पहुंचे हैं दिल्ली

हालांकि, पक्षीविज्ञानियों ने देखा है कि केवल कुछ प्रवासी और प्रवासी पक्षी ही यहां उतरे हैं, जबकि कुछ ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षी, जिन्हें अक्टूबर के मध्य तक दक्षिण की ओर उड़ जाना चाहिए था, अभी भी आस-पास ही हैं। हाल ही में आई प्रजातियों में बार-हेडेड गूज, ग्रेलैग गूज, कर्ल्यूज, ग्रेट क्रेस्टेड ग्रेब, व्रीनेक, बैलोन क्रेक, ब्राउन क्रेक, कॉमन क्रेन, डेमोइसेल क्रेन, कुछ बज़र्ड और हैरियर शामिल हैं। वर्डीटर, रेड-ब्रेस्टेड और टैगा किस्मों जैसे फ्लाईकैचर, और ह्यूम और ग्रीनिश वॉरब्लर आ चुके हैं, लेकिन कम संख्या में। अक्टूबर के मध्य तक, वे आम तौर पर यहां अधिक संख्या में होते हैं।

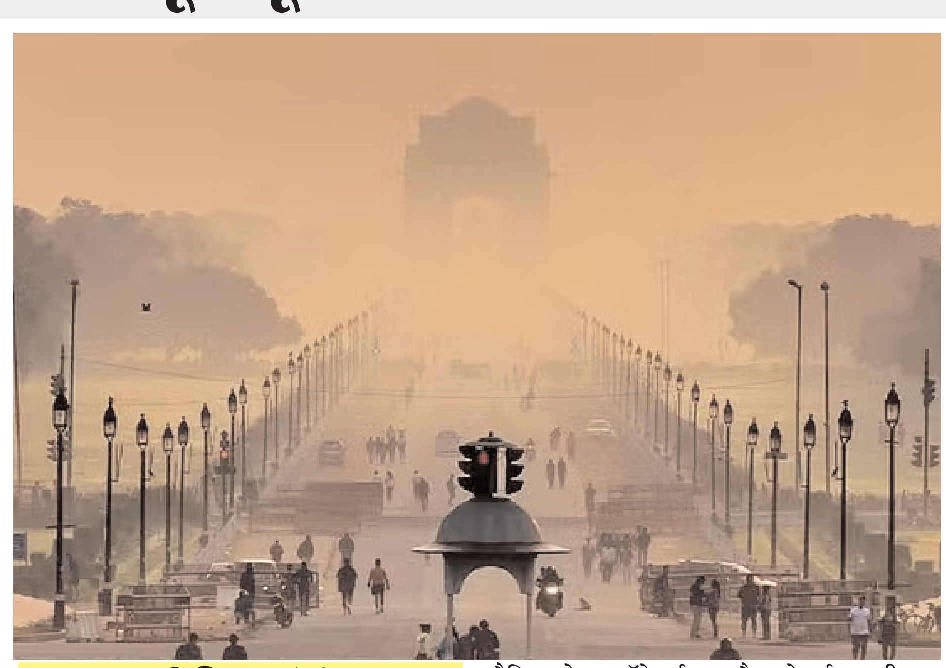

इस बार नहीं दिख रहे रैप्टर

सुल्तानपुर और भोंडसी में लार्ज-बिल्ड वॉरब्लर एक दिलचस्प दृश्य था। बत्तख और जल पक्षी बहुत कम संख्या और विविधता में आए हैं। गार्गनी, गैडवॉल, नॉर्दर्न शॉवलर और पिंटेल अक्टूबर में ही आ गए थे। जल पक्षियों के साथ रैप्टर भी आते हैं, लेकिन वे भी शायद ही दिखाई देते हैं। एक-दो मोंटेग्यू हैरियर, ग्रेटर स्पॉटेड ईगल और बूटेड ईगल की एक जोड़ी ही देखी गई। यादव ने कहा कि यूरेशियन हॉबी आमतौर पर सितंबर के अंत में आता है, लेकिन इस बार इसे अभी तक नहीं देखा गया है।

मानसून का भी पड़ा असर

दिल्ली-एनसीआर में पक्षीविज्ञानियों ने कुछ वेडर प्रजातियों की उपस्थिति भी देखी है। उथले पानी के पक्षी जो आमतौर पर सितंबर तक विभिन्न आवासों में आते हैं। हालांकि, इस साल उनकी संख्या कम हो गई है क्योंकि इस साल मजबूत मानसून के कारण उथले पानी वाले क्षेत्र गहरे पानी से भर गए हैं। उन्होंने बताया कि सैंडपाइपर जैसे वेडर अभी भी बड़ी संख्या में हैं और कुछ प्लोवर भी हैं। गर्मियों में प्रवासी पक्षियों में, बी-ईटर और जैकोबिन कोयल अभी तक वापस नहीं आए हैं क्योंकि सर्दी शुरू नहीं हुई है और मानसून तीव्र और लंबा था।

माइग्रेशन में टेंपरचेर का अहम रोल

पक्षीविज्ञानियों ने प्रवासी प्रजातियों के एक दिलचस्प दृश्य की ओर ध्यान दिलाया। ग्रे-हेडेड लैपविंग्स और गोल्डन प्लोवर, जो अक्सर आगे की उड़ान भरने से पहले एक सप्ताह तक रुकते हैं, पिछले साल इसी समय 15 पक्षियों के झुंड की तुलना में कम संख्या में देखे गए। पक्षीविज्ञानियों कंवर बी सिंह ने कहा कि माइग्रेशन में टेंपरेचर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बायो डायवर्सिटी पार्क के प्रोग्राम इंचार्ज फैयाज ए खुदसर ने कहा कि अभी तक हमने यमुना बायो डायवर्सिटी पार्क में कुछ कॉमन टील, ग्रेट कॉर्मोरेंट्स, गॉडविट्स और नॉर्दर्न शॉवलर्स देखे हैं।

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि टेंपरेचर अधिक है, जिसका प्रवास पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। यदि यहां तापमान अधिक है, तो संबंधित देश या क्षेत्र जहाँ से ये पक्षी आते हैं, जैसे यूरोप, चीन, रूस और मध्य एशिया, वहां भी तापमान अधिक होगा। चूंकि मध्य एशिया गर्म है, इसलिए एक्स्ट्रीम वेदर पैटर्न के कारण प्रॉपर माइग्रेशन में देरी हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के नए एयरपोर्ट से जल्द उड़ान भरेंगे हवाई जहाज

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि देश के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से दिल्ली में अम्बाला एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करने की बातचीत की हैं।इस बातचीत के जल्द ही सार्थक परिणाम नजर आएंगे और अंबाला छावनी में तैयार हो रहे सिविल एयरपोर्ट के सिक्योरिटी उपकरणों के स्थापित होते ही जहाजों की उड़ान शुरू हो जाएगी। इन उपकरणों को शीघ्र स्थापित करने के लिए केन्द्रीय नागरिक उडडयन मंत्री से आग्रह किया है। इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को अंबाला छावनी के सिविल एयरपोर्ट के उद्घाटन का न्योता भी दिया।अनिल विज ने दिल्ली में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को बताया कि मेरे विधानसभा क्षेत्र अंबाला छावनी में प्रधानमंत्रीमोदी की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना उड़ान के तहत एक एयरपोर्ट मंजूर हुआ था। वो बनकर बिल्कुल तैयार हो गया है और सभी प्रकार का सामान लग गया है और जो सिक्योरिटी उपकरण हैं, वो उड्डयन विभाग ने लगाने होते हैं।

विज ने बताया कि उन्होंने किंजरापु राममोहन नायडू को न्योता भी दिया है कि वे आकर एयरपोर्ट का उद्घाटन भी करें। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि हम जल्द ही सभी औपचारिकताएं पूरी कर लेंगे और जैसे ही सिक्योरिटी उपकरण स्थापित हो जाएंगे तो उडान भी शीघ्र ही आरंभ हो जाएगी। अनिल विज ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने की बात कही और आज हर प्रदेश का आदमी इस मुद्दे के साथ चलना चाहता है। वो भी चाहता है कि हमारा प्रदेश भी इसके साथ चलें और हम नरेन्द्र मोदी के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़े ताकि देश और हमारा प्रदेश भी विकसित प्रदेश बनें।

पुलिस ने 3 साल बाद सुलझाई महिला के ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी, मामला जान रह जाएंगे दंग

रेवाड़ी, एजेंसी। बावल क्षेत्र के गांव आसलवास के निकट एक महिला की हत्या की शव को फेंक दिया गया था। इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को पुलिस ने तीन साल बाद सुलझाने में सफलता पाई है। महिला की हत्या उसके प्रेमी ने ही की थी। आरोपी की पहचान सेक्टर-40 गुरुग्राम के निखिल अहलावत के रूप हुई है।

जांचकर्ता पुलिस अधिकारी ने बताया कि 20 जुलाई 2021 को गांवा आसलवास के सरपंच राजेश कुमार ने सूचना दी थी कि उनके गांव के सड़क किनारे एक महिला की हत्या कर शव को यहां डाला गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में उसकी पहचान के प्रयास शुरू कर दिये थे। उसकी पहचान नहीं होने के कारण इस मर्डर की गुत्थी को सुलझाने में पुलिस को दिक्कत आ रही थी। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया था। जांच के दौरान 19 जून 2023 को दिल्ली सफदरजंग इन्क्लेव के रिफात जहान ने मृतका की पहचान अपनी बहन गुरुग्राम सेक्टर 82 निवासी जेबा अहमद के रूप में की। उसने बहन की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना सफदरजंग इन्क्लेव दिल्ली में 7 सितम्बर 2022 को दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने डीएसपी बावल के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था।एसआईटी में शामिल थाना कसौला पुलिस टीम ने रविवार को इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को सुलझाते हुए आरोपी सेक्टर-40 गुरुग्राम के निखिल अहलावत को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में निखिल ने बताया कि वह और जेबा अहमद कई सालों से लिव-इन-रिलेशनशिप में साथ रह रहे थे। जेबा अहमद उस पर लगातार शादी करने का दबाव बना रही थी। जबकि उसके परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। तत्पश्चात उसने उसे ठिकाने लगाने की बनाई योजना के तहत वह उसे दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर एक होटल में लेकर गया। वहां दोनों के बीच झगड़ा होने पर वह उसे आसलवास की ओर ले गया।

अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा में बवाल

देवेंद्र को अध्यक्ष पद से हटाया, कुलदीप ने परसराम को जिम्मेदारी सौंपी

हिसार, एजेंसी। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा में बवाल बढ़ता जा रहा है। बिश्नोई महासभा के संरक्षक कुलदीप बिश्नोई ने देवेंद्र बुढ़िया को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटा दिया है। परसराम बिश्नोई को महासभा का नया अध्यक्ष बनाया गया है। कुलदीप बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इसकी जानकारी दी। इसको लेकर एक पत्र भी जारी किया है।

कुलदीप बिश्नोई ने पत्र में लिखा अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा सदैव गुरू जंभेश्वर भगवान के दिखाए आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए समाजसेवा की दिशा में अपने कर्तव्यों को पूरा करने का प्रयास करती आई है और हमेशा करती रहेगी। व्यक्ति, पद और निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर हम सबको मिलकर समाज की एकजुटता की दिशा में कार्य करते रहना है। नई परिस्थितियों को देखते हुए समाज के सभी प्रबुद्धजनों से विचार विमर्श करने के बाद महासभा में प्रधान पद पर नई नियुक्ति की गई है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि परसराम बिश्नोई स्वर्गीय रामसिंह के गौरवशाली इतिहास को आगे बढ़ाते हुए महासभा को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे।

इससे पहले मंगलवार को देवेंद्र बुढ़िया ने हरियाणा में बीजेपी के विधायक रणधीर पनिहार पर बदसलूकी के आरोप लगाने के बाद जोधपुर में

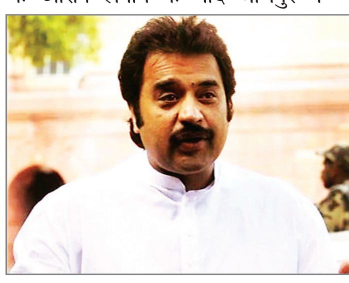

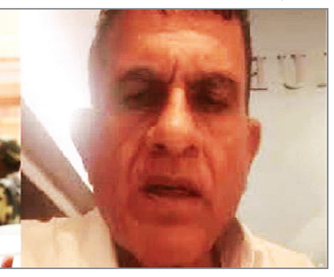

बिश्नोई समाज के लोगों से मीटिंग की। इस मीटिंग में बुढ़िया ने सोमवार को रणधीर पनिहार और उनके बीच हुए घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताया। देवेंद्र ने कहा कि अब समाज को निर्णय लेना है कि उनको क्या करना है। आज दोपहर 2 बजे दोबारा मीटिंग होगी। जिसमें समाज जो फैसला करेगा वह सर्वमान्य होगा। इसके साथ उन्होंने कुलदीप बिश्नोई पर भी कई आरोप लगाए।

देवेंद्र बुढ़िया ने कहा कि मेरे पास फोन आया रणधीर पनिहार का कि आप कब आओगे। मैंने कहा मुझे तकलीफ है। मैं पहले मेदांता में दिखाऊंगा, फिर आऊंगा। पनिहार ने कहा नहीं आप पहले यहां आओ। हरियाणा भवन में 30 व 31 नंबर में आ जाना। मैं वहां गया। अंदर बैठे रणधीर पनिहार ने कहा आओ अंदर। मुझसे चाय पूछी और कहा आगे क्या करना है। मैंने कहा कि इस्तीफा देना है। पनिहार ने कहा कि आपने कमिटमेंट पूरी नहीं की। मैंने कहा कि मुझसे हो नहीं पाया।उन्होंने कहा कि पनिहार ने मुझे दो कागज दिए और कहा कि इस पर साइन कर दो। मैंने कहा मैं साइन तो बॉस (कुलदीप बिश्नोई) के आगे करूंगा। पनिहार ने कहा कि वो तो आपका मुंह नहीं देखना चाहते। मैंने कहा मैं साइन नहीं करूंगा ऐसे। मैं साइन बॉस के सामने करूंगा। इसके बाद तू तड़ाक हुई। मुझसे पनिहार ने कहा कि आपको साइन करने पड़ेंगे। मैंने कहा मर जाऊंगा, मगर साइन नहीं करूंगा। वो 5 लोग थे, मैं अकेला था। मैंने कहा आप ऐसा करो आप गाड़ी में चलो। उसने कहा चलो। इसके बाद एक ने मेरा हाथ पकड़ लिया और दूसरा मेरा वीडियो बनाने लगा। वहां से चलने के बाद मैं फुटपाथ पर आकर बैठ गया। कुलदीप जी को फोन मिलाया, उन्होंने फोन नहीं उठाया। मैंने भव्य जी को फोन मिलाया। नहीं उठाया, मगर उनका बाद में बैक कॉल आया। उन्होंने कुछ नहीं कहा और फोन काट दिया। इसके बाद मैंने कुलदीप बिश्नोई को वॉइस मैसेज वॉट्सऐप पर भेजे और कहा कि मेरे साथ इस तरह की घटना हो रही है और यह लोग मेरे साथ गलत कर रहे हैं।

विरासत के साथ विकास का प्रतीक बनेगा सिमरिया महोत्सव: विजय कुमार सिन्हा

कला संस्कृति विभाग की ओर से 15 नवंबर को होगा सिमरिया महोत्सव का आयोजन

बेगूसराय, स्वराज खबर। बिहार सरकार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग के तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक सिमरिया घाट पर चल रहे कल्पवास मेले के समापन पर सिमरिया महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया है। बयान जारी करते हुए राज्य के उपमुख्यमंत्री-सह-कला संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आश्विन संक्रांति से कार्तिक संक्रांति (बैकुंठ चतुर्दशी) तक गंगा के पावन तट स्थित सिमरिया घाट पर आयोजित कल्पवास मेले के समापन को इस वर्ष से सिमरिया महोत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

सिमरिया महोत्सव दिनकर जी की धरती सिमरिया और बेगूसराय के लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग थी। इसके संदर्भ में विभाग के माध्यम से बेगूसराय जिला प्रशासन को निर्देशित भी कर दिया गया है। श्री सिन्हा ने कहा कि वास्तव में कल्पवास मेला एक पुरातन भारतीय परंपरा है। यह युगों-युगों से ही नहीं बल्कि कल्प-कल्पान्तर से चली आ रही है। यह जीवन में नई ऊर्जा, नए उत्साह और सात्विक वृत्तियों को आत्मसात करने की हमारी सनातन परंपरा का प्रतीक-पर्व है। बिहार में इसका आयोजन दो स्थानों सिमरिया और हरिहर क्षेत्र में होता है। सिमरिया में यह सूर्य के तुला लग्न में प्रवेश के साथ जबकि हरिहर क्षेत्र में सूर्य के तुला से वृश्चिक लग्न में प्रवेश के साथ शुरू होता है। श्री सिन्हा ने कहा कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग सिमरिया महोत्सव की पहल के साथ न केवल अपनी पुरातन परम्परा का पर्व मनाने जा रहा है, बल्कि इसके माध्यम से सिमरिया को बिहार के पर्यटन मानचित्र में उसका वाजिब स्थान मिलना भी सुनिश्चित होगा। इससे इस इलाके की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा से देश और दुनिया के लोग बेहतर ढंग से परिचित हो पाएंगे। यह हमारे डबल इंजन की सरकार के द्वारा %विरासत के साथ विकास% की दिशा में बढ़ाया गया एक अभिनव कदम है।

हरियाणा सरकार देगी इन लोगों को पक्का मकान, बस करना होगा ये काम

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में अपने खुद के पक्के मकान का सपना देख रहे गरीब परिवारों के लिए एक अच्छी खबर आई है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वर्ष 2024-25 के लिए नया लक्ष्य सामने आया है। फरीदाबाद सिटी घर घर कॉलोनी इस बार पिछले साल से 10 गुना ज्यादा लक्ष्य रखा गया है। पिछले साल जहां इस योजना के तहत 7,746 पात्र लोगों ने घर बनाए थे, वहीं इस साल 69,325 लोगों को पक्के मकान की सौगात मिलेगी। सर्वे के बाद मिलेगा लाभ इस योजना के तहत पक्का मकान बनाने पर एक लाख 38 हजार रुपये का लाभ दिया जाता है। यह राशि सरकार तीन किस्तों में देती है। उन लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा, जो पात्र थे, लेकिन अब मकान बना चुके हैं। योजना का लाभ देने के लिए जल्द ही टीमें गांव-गांव जाकर सर्वे करेंगी। महत्वपूर्ण नियम आयकर न चुकाता हो और उसकी मासिक आय 15 हजार रुपये से ज्यादा न हो। उपजाऊ भूमि 2 एकड़ से अधिक और बंजर भूमि 5 एकड़ से अधिक नहीं होनी चाहिए। परिवार का कोई भी सदस्य सरकारी नौकरी में कार्यरत नहीं होना चाहिए। परिवार के किसी भी सदस्य के नाम पर कोई फर्म पंजीकृत नहीं होनी चाहिए। घर में कोई भी कृषि उपकरण जैसे ट्रैक्टर और अन्य वाहन नहीं होना चाहिए। कोई भी तीन और चार पहिया वाहन नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2017-18 में पोर्टल खोला गया था। विभाग के अनुसार वर्ष 2017-18 के बाद आज तक भी पोर्टल दोबारा नहीं खोला गया है। उस समय पोर्टल पर आवेदन करने वालों को ही पात्र माना गया है और हर जिले में लक्ष्य दिया गया है।

जीडी कॉलेज में मामूली हस्ताक्षर के लिए भटक रहे छात्र: एबीवीपी

एबीवीपी जीडी कॉलेज इकाई की बैठक में अनिश्चितकालीन आंदोलन करने का निर्णय

बेगूसराय, स्वराज खबर। यदि आप जीडी कॉलेज से परित्याग प्रमाण पत्र या किसी प्रकार का आवेदन अग्रसारित करवाना चाहते हैं तो इसके लिए कॉलेज प्रशासन ने 8 शिक्षकों को शिफ्ट इंचार्ज बना रखा है। प्रत्येक शिक्षक को इसके लिए अलग से कुछ राशि भी दी जाती है। उनके कार्य का समय एवं स्थान प्रशासनिक भवन में दिया गया है। किंतु यदि आपको किसी आवेदन को अग्रसारित करना हो तो आपको कभी कला भवन, कभी भूगोल विभाग का चक्कर काटना पड़ सकता है। क्योंकि आठ पाली प्रभारी के रहने के बावजूद भी बच्चों का काम सही मंच पर नहीं हो रहा है। ऐसे ही कई समस्याओं को लेकर जीडी कॉलेज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं की विस्तारित बैठक आयोजित कर अनिश्चितकालीन आंदोलन का निर्णय लिया गया। बैठक का संचालन कॉलेज मंत्री आलोक कुमार ने किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि यदि महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधि ही अवरुद्ध हो जाए तथा छोटे से कार्य के लिए भी छात्र-छात्राओं को 8 से 10 काउंटर पर दौड़ाया जाए तो इतने बड़े महाविद्यालय के लिए यह शर्म की बात है। कॉलेज प्रशासन एक महाविद्यालय त्याग प्रमाण पत्र देने में 10 प्रक्रिया से छात्र-छात्राओं को गुजरने को बाध्य करती है।

नगर मंत्री अजीत कुमार एवं कॉलेज मंत्री आलोक कुमार ने कहा कि आज के समय में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता महाविद्यालय में आई हेल्प यू काउंटर लगाकर छात्र-छात्राओं की सहायता कर रहे हैं। फिर भी समस्याओं की अधिकता के कारण छात्र-छात्रा परेशान हो रहे हैं। विद्यार्थी परिषद द्वारा लगातार ज्ञापन देने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम अनिश्चितकालीन आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। छात्र नेता कृष्ण कुमार एवं मनीष कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद वर्षभर कैंपस में छात्र हितों के लिए कार्य करती है, लेकिन कॉलेज प्रशासन को छात्र-छात्राओं के समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है। मौके पर आदित्य कुमार, राकेश, मनु, अनमोल, लालजी, उत्पल, हिमांशु, आशीष, ऋतिक, मनमोहन सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किसानों की हुई बल्ले-बल्ले, भारत में सर्वाधिक मूल्य पर गन्ना खरीदने वाला राज्य बना हरियाणा

यमुनानगर, एजेंसी। यमुनानगर स्थित एशिया की सबसे बड़ी सरस्वती शुगर मिल में आज से गन्ना की पिराई शुरू की गई है। शुगर मिल के चीफ एग्जीक्यूटिव, एसके सचदेवा ने इस अवसर पर बताया कि मिल को सुचारू रूप से

चलाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं, ताकि प्रतिदिन क्षमतानुसार गन्ने की अधिक से अधिक पिराई की जा सके। इस साल मिल द्वारा गन्ना पिराई का लक्ष्य 160 लाख क्विंटल रखा गया है जबकि गत सीजन में 146 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई की गई थी।

एसके सचदेवा ने बताया कि पूरे भारत में हरियाणा ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहां गन्ने का प्रति क्विंटल मूल्य 400 रुपए दिया जाएगा जो पूरे देश में सर्वाधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब, हरियाणा में यमुनानगर की सरस्वती शुगर मिल ने सबसे पहले पिराई सत्र शुरू किया है। इस वर्ष मिल ने गन्ना किसान पंजीकरण योजना की घोषणा की। इस योजना के तहत किसानों को अपने कुल गन्ना उत्पादन का 85 प्रतिशत या अधिक मिल में सप्लाई करने पर सभी दवाईयों पर अनुदान दोगुना कर दिया गया है। इस योजना के तहत 98 प्रतिशत किसानों ने पंजीकरण कराया है।

इस वर्ष मिल गेट के अलावा 45 केन्द्रों पर गन्ने की खरीद की व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि लेबर की समस्या देखते हुए 38 केन लोडर गन्ना केन्द्रों पर गन्ना लोड़ करने के लिए लगाए गए हैं ताकि गन्ना लोडिंग का कार्य सुचारू रूप से चलता रहे।

बिहार के पूर्व शहरी विकास मंत्री श्रीनारायण यादव का निधन

राजद का भीष्म पितामह कहे जानेवाले नौ बार साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे

बेगूसराय, स्वराज खबर। लालू-राबड़ी की सरकार में पूर्व शहरी विकास मंत्री रहे श्रीनारायण यादव का मंगलवार को पटना के एक निजी अस्पताल में ईलाज के दौरान निधन हो गया। 89 वर्षीय श्रीनारायण यादव के निधन की खबर मिलते ही राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। उन्हें राष्ट्रीय जनता दल का भीष्म पितामह भी कहा जाता था। पूर्व मंत्री श्रीनारायण यादव बेगूसराय जिले के साहेबपुरकमाल प्रखंड क्षेत्र के खरहट गांव निवासी भुजंगी प्रसाद यादव के पुत्र थे। उनका जन्म आजादी के पूर्व 1935 ई. में हुआ था। वे अपने पीछे तीन पुत्रों में सतानन्द सम्बुद्ध उर्फ ललन यादव जो वर्तमान में साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक भी हैं। दूसरे प्रवीण यादव और तीसरे लाला समेत एक भरा पूरा परिवार छोड़कर वे स्वर्ग सिधार गये।

पूर्व मंत्री के निधन के एक वर्ष पहले ही उनकी पत्नी का निधन हो गया था। पूर्व मंत्री

श्रीनारायण यादव का राजनीतिक जीवन विधानसभा के सदस्य, लालू और राबड़ी देवी मंत्रालय में पूर्व कैबिनेट शहरी विकास मंत्री थे। उन्होंने बेगूसराय के बलिया विधानसभा, फिर बाद में साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। इस विधानसभा क्षेत्र से 9 बार विधायक बने थे। पहली बार वे 1977 ई. में विधायक बने थे। उन्होंने राम लखन यादव को हराया था। फिर 1980 में कांग्रेस प्रत्याशी चंद्रभानु देवी को हराया था। 1985 में कांग्रेस प्रत्याशी समसू जोहा को हराया। फिर 1990 में भी कांग्रेस प्रत्याशी समसू जोहा को हराया। 1995 में निर्दलीय प्रत्याशी कृष्ण मोहन यादव को हराया। 2000 में जेडीयू के मो. तनवीर हसन को हराया। 2005 में लोजपा के प्रत्याशी जमशेद अशरफ को हराया। 2010 में जेडीयू के प्रत्याशी जमशेद अशरफ को हराया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे बिहार के राजद कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। बेगूसराय राजद के जिलाध्यक्ष मोहित यादव ने उनके निधन पर अपना गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि हम लोगों के अभिभावक चले गये। जिले के तमाम राजद कार्यकर्ता उनके निधन की खबर मिलने के बाद दुखी हैं।

इफ्फी में मिसेज के प्रीमियर पर उत्साहित सान्या मल्होत्रा

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज का एशिया प्रीमियर 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में होने जा रहा है। इस महोत्सव में 22 नवंबर को फिल्म दिखाई जाएगी। सान्या की यह फिल्म न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) और पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में पहले ही तारीफ लूट चुकी है। अब इफ्फी में फिल्म के प्रीमियर को लेकर सान्या बेहद खुश हैं।

प्रीमियर में मौजूद रहेंगी ये हस्तियां

फिल्म मिसेज का निर्देशन आरती कदव ने किया है। अब इफ्फी में इसकी स्क्रीनिंग में सान्या मल्होत्रा और आरती कदव के अलावा निर्माता ज्योति देशपांडे और हरमन बावेजा सह-निर्माता स्मिता बालिगा शामिल होंगे। सान्या ने इस बात पर खुशी जताते हुए कहा है कि ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म ने एक चक्र पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं और इफ्फी में इसके प्रदर्शन और दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

निर्देशक आरती कदव ने जताई खुशी

इसके अलावा फिल्म के प्रीमियर को लेकर निर्देशक आरती कदव ने कहा, फिल्म मिसेज को लाना, भारत को अपने दिल के करीब महसूस करने जैसा है। अपने शुरुआती सफर से लेकर कई अंतरराष्ट्रीय महोत्सवों में प्रदर्शन तक, यह फिल्म भावनाओं, संस्कृति और कहानी कहने की शक्ति की खोज रही है। आखिर अब इसका प्रीमियर भारत में होने जा रहा है और यह अनूभूति ऐसी है कि जैसे हम अपने घर आ गए हों। मैं इसके लिए दर्शकों की आभारी हूं।

सान्या ने अदा किया है यह किरदार

फिल्म मिसेज ऋचा की कहानी है। यह किरदार सान्या मल्होत्रा ने अदा किया है। ऋचा का किरदार एक विवाहित लड़की के जीवन को दर्शाता है, जो रसोई में अपना जीवन बसर करते हुए अपनी पहचान खोजती है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा के साथ निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं।

वरुण तेज की फिल्म मटका को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

साउथ अभिनेता वरुण तेज इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मटका को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ समय पहले रिलीज हुए फिल्म के टीजर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया था, जिसके बाद प्रशंसक बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। इसके बाद चिरंजीवी ने फिल्म का दमदार ट्रेलर भी जारी किया था, जिसने दर्शकों के बीच और उत्साह पैदा किया। वहीं, अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो इसके रनटाइम से जुड़ी हुई है।

इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल चुकी है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मटका को यूए सर्टिफिकेट मिला है। इसके साथ ही इसकी कहानी की अवधि का भी खुलासा हुआ है। मटका की कहानी कुल 153 मिनट लंबी है यानी फिल्म का रनटाइम दो घंटे 33 मिनट है। क्रेडिट्स को शामिल करके कुल रनटाइम 2 घंटे 39 मिनट यानी 159 मिनट है।

कितनी लंबी होगी फिल्म की कहानी

मटका एक रोमांचक और एक्शन से भरपूर कहानी है। पहला भाग एक घंटे और 22 मिनट तक चलेगा है, जिसमें चार एक्शन से भरपूर सीक्वेंस और एक रोमांचक अंतराल दृश्य शामिल हैं। वहीं, फिल्म का दूसरा भाग एक घंटे और 11 मिनट लंबा है। वहीं, 20 मिनट के रोमांचक क्लाइमेक्स के साथ फिल्म पूरी होगी।

वरुण तेज का किरदार

वरुण तेज का किरदार वासु रतन खत्री के जीवन से प्रेरित है, जो न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से भेजे जाने वाले कपास के शुरुआती और समापन दरों पर दांव लगाकर मटका किंग बन गया। ट्रेलर में मटका जुए की लत और लालच से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया गया है। यह एक ऐसी चीज है, जो मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ तालमेल बिठाने की बहुत संभावना है।

फिल्म के कलाकार

फिल्म में मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। नोरा फतेही, नवीन चंद्रा, अजय घोष, कन्नड़ किशोर, रवींद्र विजय और रविशंकर ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। डॉ. विजेंद्र रेड्डी तेगला और रजनी थल्लूरी द्वारा व्यारा एंटरटेनमेंट और एसआरटी एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित, फिल्म का साउंडट्रैक जीवी प्रकाश कुमार द्वारा रचित है। मटका 14 नवंबर, 2024 को दुनिया भर में बड़ी रिलीज के लिए तैयार है।

हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी शीना चौहान

अभिनेत्री शीना चौहान जल्द ही हिंदी फिल्मों में डेब्यू करेंगी। वह अपकमिंग फिल्म संत तुकाराम में अवली जीजाबाई की प्रमुख और सशक्त भूमिका में नजर आएंगी। आदित्य ओम द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शीना के साथ मराठी अभिनेता सुबोध भावे भी नजर आएंगे। शीना चौहान ने बताया, आधुनिक किरदारों से लेकर अवली जीजाबाई जैसी ऐतिहासिक शख्सियत की भूमिका निभाने तक, मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई गहराइयों को तलाशने का मौका मिला। उन्होंने कहा, मैंने निर्देशक आदित्य ओम के लिए खुद को एक कोरे कागज की तरह पेश किया। उनके व्यावहारिक निर्देशन ने वास्तव में इस यात्रा को और बेहतर बनाया। उनके मार्गदर्शन ने मुझे अवली जीजाबाई में किरदार में उतरने में मदद की। संत तुकाराम के साथ हिंदी फिल्म में अपनी शुरुआत करने वाली शीना ने अभिनेता ममूटी के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में शुरुआत की। बाद में उन्होंने एंट स्टोरी में एक सुपरस्टार और कॉमेडी फिल्म एक्स-मेट्स में एक समकालीन भारतीय महिला का किरदार निभाया।

कंगुवा में अहम भूमिका निभा रहे हैं कार्ति

फिल्म कंगुवा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इसमें सूर्या और बॉबी देओल के अलावा दिशा पाटनी, नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, मारीमुथु, दीपा वेंकट, रवि राघवेंद्र और केएस रविकुमार जैसे सितारे नजर आएंगे। इनके अलावा चर्चा कार्ति के होने की भी है। सबसे पहले इसका इशारा खुद सूर्या ने ही किया। अब फिल्म के दूसरे ट्रेलर में भी इसके कुछ-कुछ संकेत मिले हैं, जिसके बाद दर्शक उत्साहित हैं और सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं।

सूर्या ने किया था इशारा कार्यक्रम के दौरान कांगुवा में कार्ति काम करने की खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। त्रिवेंद्रम में कार्यक्रम के दौरान सूर्या से उनके भाई कार्ति के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के बारे में पूछा गया। जवाब में अभिनेता ने वादा किया कि जल्द ही दर्शकों को ऐसा देखने को मिलेगा। सूर्या के इस बयान को लोगों ने कंगुवा से जोड़कर देखना शुरू कर दिया। अब कल रिलीज हुआ कंगुवा के दूसरे ट्रेलर में एक रहस्यमयी किरदार नजर आया। दावा किया जा रहा है कि यह कोई और नहीं, बल्कि कार्ति हैं।

ट्रेलर में सूर्या दुश्मनों से लड़ते हुए एक क्रूर योद्धा के रूप में नजर आए हैं। ऐसा लग रहा है कि फिल्म बदले की कहानी पर आधारित है। ट्रेलर में मेकर्स ने कहानी को लेकर ज्यादा पत्ते नहीं खोले हैं। लेकिन, आखिरी सीन में एक रहस्यमयी किरदार को सिगार पीते हुए दिखाया गया है। नेटिजन्स का दावा है कि यह मिस्ट्री कैरेक्टर कोई और नहीं, बल्कि अभिनेता कार्ति हैं।

पहली बार ऑन स्क्रीन धूम्रपान करते दिखेंगे कार्ति?

यह तो फिल्म देखकर ही पता चलेगा कि फिल्म में कार्ति हैं या नहीं। फिलहाल ट्रेलर के वायरल सीन के बाद यूजर्स लिख रहे हैं, कार्ति पहली बार ऑन स्क्रीन धूम्रपान करते नजर आएंगे। बात करें कंगुवा की तो यह इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है। 350 करोड़ रुपये से ज्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह पुष्पा, सिंघम और कई अन्य बड़ी फिल्मों से बड़ी होने का दावा कर रही है। फिल्म बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी।

नुसरत भरूचा ने खुद को दिया नया शॉर्ट नेम कोल, वजह भी बताई

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने खुद को नया नाम कोल दिया है। ऐसा उन्होंने क्यों किया है ये भी समझाया है। नुसरत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह गोवा में एक परफॉरमेंस के लिए मेकअप करवा रही हैं। क्लिप में वह कहती हुई सुनाई दे रही हैं, मैं सोना चाहती हूं.. मैं 48 घंटों से सोई नहीं हूं और मैं यहां गोवा में हूं और मुझे लगा कि मैं झपकी ले पाऊंगी और तैयार होने से पहले सो पाऊंगी, लेकिन नहीं, अब इवेंट को प्रीपोंड (तय समय से पहले) कर दिया गया है। उन्होंने कहा, मुझे अपने कॉल टाइम से 2 घंटे पहले परफॉर्म करना है। इसलिए मैंने खाना भी नहीं खाया है और मैं तैयार हो रही हूं...मैं यह नहीं कर सकती। मैं सोना चाहती हूं उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया, मेरा नया पर्सनल शॉर्ट नेम कोल क्राइंग ऑउट लाउड!! पिछले सप्ताह, एक्ट्रेस ने दीपावली मनाते हुए एक हेल्थ अपडेट पोस्ट शेयर किया और कहा कि वह अस्वस्थ हैं क्योंकि उन्हें बुखार, शरीर में दर्द और आंखों में संक्रमण है। नुसरत ने इंस्टाग्राम पर एक कार सेल्फी शेयर की और बताया कि बीमार होने के बावजूद वह खुद को घसीटकर मीटिंग में ले गईं। कैप्शन में लिखा था, दीपावली के बाद की स्थिति, सर्दी, बुखार, खांसी, शरीर में दर्द और.. कुछ आंखों का संक्रमण! फिर भी किसी तरह खुद को मीटिंग में ले जा रही हूं!

नुसरत के बारे में बात करें तो, 2002 के टेलीविजन शो किट्टी पार्टी से एक्टिंग शुरू की। उन्हें 2006 में जय संतोषी मां से बॉलीवुड में ब्रेक मिला। वह कल किसने देखा, ताज महल, लव सेक्स और धोखा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। इसके बाद नुसरत लव रंजन द्वारा लिखित और निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी बडी फिल्म प्यार का पंचनामा में दिखाई दीं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, दिव्येंदु शर्मा, रायो एस बखिरता, सोनाली सहगल और इशिता ने एक्टिंग की थी। उन्होंने आकाश वाणी, सोनू के टीटू की स्वीटी, ड्रीम गर्ल, छलांग, अजीब दास्तां, छोरी, हुड़दंग, राम सेतु, सेल्फी, छत्रपति में काम किया है। 39 वर्षीय एक्ट्रेस को आखिरी बार प्रणय मेश्राम द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर अकेली में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म विशाल फुरिया की हॉरर-थ्रिलर फिल्म छोरी 2 है। फिल्म की शुरुआत वहीं से होती है, जहां 2021 में रिलीज हुई पहली किस्त खत्म हुई थी। हॉरर सीक्वल की कास्ट में अभिनेत्री सोहा अली खान भी शामिल हो गई हैं। छोरी मराठी भाषा की 2017 की फिल्म लपाछपी की रीमेक थी। इसमें मीता वशिष्ठ, राजेश जैस और सौरभ गोयल भी हैं।

हॉलीवुड और साउथ सिनेमा का हुआ संगम, सालार-2 में प्रभास से टकराएंगे कोरियन एक्टर डॉन ली

हॉलीवुड और साउथ फिल्मों के कलाकार एक ही फिल्म में नजर आ जाए तो क्या कहने। दर्शकों को तो मनोरंजन की डबल डोज मिल जाएगी। अब ऐसा होने वाला है। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि प्रभास की फिल्म सालार-2 में पॉपुलर कोरियन एक्टर डॉन ली नजर आएंगे। डॉन ली कई हॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुके हैं।

फिल्म में होगा प्रभास-डॉन ली का आमना-सामना

महीनों की अटकलों के बाद आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि दक्षिण कोरियाई सुपरस्टार ली डोंग सोक, जिन्हें मा डोंग सोक या डॉन ली के नाम से भी जाना जाता है, प्रशांत नील द्वारा निर्देशित सालार-2 में दिखाई देंगे। इससे पहले ऐसी अफवाहें थीं कि डॉन ली प्रभास की दूसरी आगामी फिल्म स्पिरिट में विलेन की भूमिका निभाएंगे। हालांकि अब सालार-2 में डॉन ली की भूमिका की पुष्टि हो गई है। इस बात से डॉन ली और प्रभास के फैन काफी खुश हैं। इस बात की पुष्टि डॉन ली ने अपने इंस्टाग्राम पर पांच सेकंड का बूमरैंग वीडियो पोस्ट करके की, जिसमें एक फैन का बनाया गया सालार-2 का पोस्टर दिखाया गया। उन्होंने इस पोस्टर की तारीफ की और थम्स अप का इमोजी बनाकर भेजा। डॉन ली की इसी पोस्ट को होम्बले फिल्म्स ने फिर से पोस्ट करके खबर की पुष्टि कर दी। इस तरह से लोगों को पता चला कि प्रभास और डॉन ली साथ में काम कर रहे हैं। इसके बाद को प्रभास और डॉन ली के फैन बहुत रोमांचित हो गए। फैंस को अब फिल्म का इंतजार है। प्रभास और डॉन ली के अलावा फिल्म सालार-2 में पृथ्वीराज सुकुमारन, जगपति बाबू, श्रीया रेड्डी, बॉबी सिम्हा, शफी, ब्रह्माजी और जॉन विजय जैसे कई बेहतरीन कलाकार भी हैं। इस फिल्म का साउंडट्रैक बनाने की जिम्मेदारी संगीतकार रवि बसरूर को मिली है। उन्होंने अब तक कई फिल्मों में शानदार म्यूजिक दिया है।

अनुराग बसु की फिल्म से पहले कार्तिक शुरू करेंगे पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग!

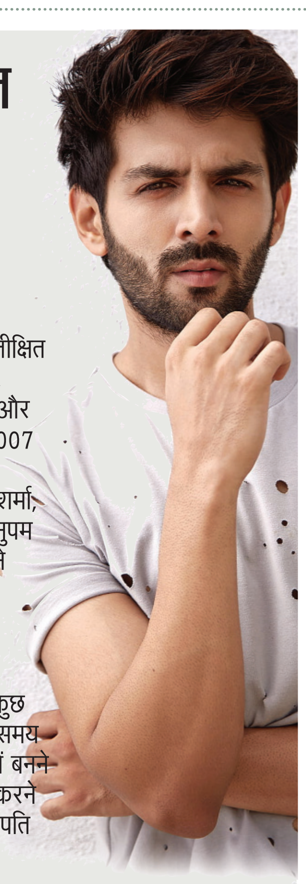

अनुराग बसु ने कार्तिक आर्यन के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म को अस्थायी रूप से रोक दिया है। फिलहाल, निर्देशक अपनी आगामी फिल्म मेट्रो... इन दिनों को और बेहतर बनाने को इस समय प्राथमिकता दे रहे हैं। 2007 की हिट फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो के इस सीक्वल में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे प्रभावशाली कलाकार अपने अभिनय का जादू चलाते नजर आने वाले हैं।

कार्तिक आर्यन शुरू करेंगे ये फिल्म

सूत्र ने आगे कहा, कार्तिक आर्यन की रोमांटिक म्यूजिकल, जो इस महीने शुरू होने वाली थी, अब कुछ महीनों के लिए टाल दी गई है। कार्तिक आर्यन इस समय का उपयोग करते हुए मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म पति पत्नी और वो 2 पर काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं। वह दिसंबर की शुरुआत में पति पत्नी और वो 2 शुरू करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सुनीता विलियम्स ने कहा मैं पहले की तरह स्वस्थ हूं वजन घटने की दावों को भी किया खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स के स्वास्थ्य को लेकर चर्चाएं जारी हैं। इसी बीच खबर है कि खुद विलियम्स ने राहतभरा अपडेट दे दिया है। उन्होंने कहा है कि उनकी तबियत ठीक है और उनकी ऐसी तस्वीर की वजह भी बताई है। दरअसल, हाल ही में एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें अंतरिक्ष यात्री के गाल धंसे हुए थे और वह काफी कमजोर नजर आ रही थीं। इसके बाद नासा यानी नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन को बयान जारी करना पड़ा था। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, विलियम्स ने अपनी ताजा स्वास्थ्य की वजह फ्लुइड शिफ्ट्स को बताया है। साथ ही उन्होंने यह बताने की भी कोशिश की है कि उनकी तबियत के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मंगलवार को न्यू इंग्लैंड स्पोर्ट्स नेटवर्क क्लबहाउस किड्स शो से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, साथियों स्पेस में आप जानते हैं कि उनके सिर थोड़े बड़े लगने लगते हैं, क्योंकि फ्लुइड्स शरीर के साथ समान रूप से फैल जाते हैं। उन्होंने बताया है कि पहले की तरह स्वस्थ हैं और वजन घटने की दावों को भी खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि स्पेस में लंबे समय तक रहने के बाद वजन बढ़ गया है। उन्होंने कहा, मेरी जांघे थोड़ी बढ़ गई हैं, मेरा बट थोड़ा बढ़ गया है। उन्होंने जानकारी दी, हम बहुत स्क्वॉट्स करते हैं। नासा के प्रवक्ता जिमी रसेल की तरफ से बयान जारी किया गया था, नासा के सभी एस्ट्रोनॉट्स की नियमित चिकित्सा जांच होती है, उनके पास फ्लाइट सर्जन होते हैं जो उनकी निगरानी करते हैं और उन सभी का स्वाथ्य अच्छा है। हालांकि, विलियम्स के मिशन में सीधे तौर पर शामिल रहे नासा के एक कर्मचारी ने दावा किया था कि अंतरिक्ष यात्री का वजन काफी कम हो गया है।

बांग्लादेश ने ढाका हवाई अड्डे पर लाखों प्रवासियों के लिए शुरू किया लाउंज

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश सरकार ने राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचएसआईए) पर देश के लाखों प्रवासी श्रमिकों के लिए एक विशेष लाउंज शुरू किया है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने सोमवार को इस लाउंज का उद्घाटन किया और प्रवासी श्रमिकों को राष्ट्र निर्माता बताया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने उम्मीद जताई कि लाउंज उनकी यात्रा को आसान बनाएगा। हवाई अड्डे पर अपनी तरह का यह पहला लाउंज बांग्लादेशी प्रवासी श्रमिकों को आराम करने के लिए तैयार किया गया है। यहां कुछ जगह और नाश्ते के लिए रियायती भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगाा। 1976 से अब तक 14 मिलियन से अधिक बांग्लादेशी कथित तौर पर नौकरी के लिए विदेश गए हैं। बांग्लादेश मुख्य रूप से खाड़ी देशों के साथ मलेशिया और सिंगापुर सहित दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में श्रमिकों को भेजता है, ताकि धन प्रेषण के प्रवाह को बढ़ाया जा सके। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई-अक्टूबर की अवधि में देश के लिए विदेशी मुद्रा के प्रमुख स्रोतों में से एक धन प्रेषण लगभग 9 बिलियन डॉलर था।

तुर्की के इजमिर में घर में आग लगने से पांच बच्चों की मौत

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की के पश्चिमी बंदरगाह शहर इजमिर में एक घर में आग लगने से पांच भाई-बहनों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना सोमवार देर शाम सेल्कुक जिले में उस समय घटी, जब बच्चों की मां परिवार की मदद के लिए कबाड़ इकट्ठा करने घर से बाहर गई थी। महिला ने घर का दरवाजा बंद कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, आग इलेक्ट्रिक स्टोव के पलट जाने के कारण लगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एक से पांच साल की उम्र के पांच भाई-बहनों के शव एक ही कमरे में पाए गए। सेल्कुक की मेयर फिलिज़ सेरिटोग्लू ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि जिला गवर्नर और अभियोजक घटना की जांच कर रहे हैं।

प्रदूषण से भारत ही नहीं पाकिस्तान भी बेहाल, खतरे में 1 करोड़ से ज्यादा बच्चे

इस्लामाबाद , एजेंसी। वायु प्रदूषण से भारत नहीं पाकिस्तान की भी हालात खराब है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने बिगड़ते वायु प्रदूषण के कारण पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में 11 मिलियन बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में चिंता जताई है। पिछले महीने से, पंजाब के 17 अन्य जिलों के साथ-साथ पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर में जहरीला धुआं छाया हुआ है।

लाहौर का वायु गुणवत्ता सूचकांक मंगलवार को थोड़ा सुधरकर 1000 अंक के नीचे आ गया, लेकिन अभी भी 856 पर खतरनाक बना हुआ है, जो बहुत ज्यादा है।

पाकिस्तान में यूनिसेफ के प्रतिनिधि अब्दुल्ला फादिल ने पंजाब में खतरनाक हवा में सांस लेने वाले लगभग 11 मिलियन बच्चों के गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की चेतावनी दी। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से बिगड़ते वायु प्रदूषण को रोकने और इन बच्चों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। अब्दुल्ला फादिल ने बयान में कहा, पहले, पाकिस्तान में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की लगभग 12 प्रतिशत मौतें वायु प्रदूषण के कारण होती थीं।

फादिल ने आगे गर्भवती महिलाएं को लेकर भी चिंता जताई है, उन्होंने कहा, गर्भवती महिला प्रदूषित हवा के संपर्क में आती हैं, तो उनके समय से पहले बच्चे को जन्म देने, सांस संबंधी समस्याओं का सामना करने की संभावना अधिक होती है और उनके बच्चों का जन्म के

समय वजन कम हो सकता है। हम अपने बच्चों को जहरीली हवा में सांस लेने नहीं दे सकते। हम स्वास्थ्य को ऐसा नहीं होने दे सकते। इस बढ़ते सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के जवाब में, स्थानीय अधिकारियों ने 17 नवंबर तक स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। खतरनाक धुंध के स्तर के संपर्क को सीमित करने के लिए निवासियों को सार्वजनिक पार्कों, चिड़ियाघरों, खेल के मैदानों और संग्रहालयों से भी प्रतिबंधित किया जा रहा है। इस्लामाबाद में यूनिसेफ कार्यालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लाहौर और मुल्तान जैसे शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा है, अस्पतालों में जहरीली हवा से प्रभावित कई मरीजों को भर्ती किया जा रहा है, जिनमें दर्जनों छोटे बच्चे भी शामिल हैं।

नागरिकों पर हमले से पाक पर भड़का चीन, अपने सैनिक उतारने की तैयारी

बीजिंग/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में चीनी इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों पर बीते कुछ सालों में आतंकी हमले हुए हैं। चीन की ओर से ऐतराज जताने और पाकिस्तान के पेच कसे जाने के बाद भी इन घटनाओं में कमी नहीं आई है। हाल ही में कराची में भी कार में बम धमाका हुआ और इसमें भी चीनी नागरिकों को ही निशाना बनाया गया। इन घटनाओं से आजिज चीन का अब पाकिस्तान पर भरोसा कम होता दिख रहा है। चीन ने पाकिस्तान की सरकार को प्रस्ताव दिया है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी स्टाफ भेजेगा। इसके तहत चीनी सैनिक स्टाफ की सुरक्षा के लिए तैनात रहेंगे। पाकिस्तान के सुरक्षाकर्मी भी बाहरी घेरे में रहेंगे।

हजारों चीनी नागरिक पाकिस्तान में काम करते हैं और उनकी सुरक्षा एक चिंता का विषय है। बलूचिस्तान में सक्रिय अलगाववादी संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी ने चीनी परियोजनाओं का भी विरोध किया है। वह मानता है कि पाकिस्तान और चीन मिलकर उनके स्थानीय संसाधनों पर कब्जा जमा रहे हैं। इसी के विरोध में अकसर चीनी नागरिकों पर हमले किए जाते हैं। चीन सरकार लगातार यह कहती रही है कि उसके नागरिकों की सुरक्षा की जाए और पाकिस्तान कदम उठाए। हालांकि अब तक पाकिस्तान यह सुनिश्चित नहीं कर पाया है कि चीनी नागरिकों पर हुआ यह हमला आखिरी है। लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं, ऐसे में चीन ने अपनी ही सेना भेजने का फैसला लिया है।

पिछले महीने कराची के एयरपोर्ट पर हमला हुआ था, जिसमें दो चीनी इंजीरनियर मारे गए थे। इन लोगों की हत्या तब हुई, जब वह थाईलैंड से छुट्टी मनाकर पाकिस्तान स्थित प्रोजेक्ट के काम पर वापस लौट रहे थे। कहा जा रहा है कि इस्लामाबाद की ओर से हमले न रोक पाने के चलते चीन नाराज हो गया है। अब उसने अपने नागरिकों की सुरक्षा का जिम्मा भी खुद उठाने का फैसला लिया है। लेकिन चीन किसी भी हाल में पाकिस्तान में अपने आर्थिक हितों से समझौता नहीं करना चाहता। यही वजह है कि तमाम हमलों के बाद भी वह किसी प्रोजेक्ट से पीछे हटने को तैयार नहीं है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों का कहना है कि चीन और पाकिस्तान के बीच फिलहाल साझा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंथन चल रहा है। इन मीटिंगों में चीन ने कहा है कि हम अपने सुरक्षाकर्मी भेजेंगे। वहीं पाकिस्तान चाहता है कि उसे एक और मौका दिया जाए। पाकिस्तान की सरकार का कहना है कि हम सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करेंगे। फिलहाल इस बात पर मंथन चल रहा है कि सुरक्षा को लेकर क्या समझौता किया जाए। पाकिस्तान इसलिए भी राजी नहीं है क्योंकि चीन के सैनिकों का उतरना उसकी संप्रभुता के लिहाज से भी कमजोरी का विषय होगा। इसके अलावा चीन का अविश्वास भी इससे दिखेगा।

ब्रिटेन में बेरोजगारी दर तोड़ रही रिकार्ड, आधिकारिक आंकड़ों ने खोली पोल

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में बेरोजगारी दर रिकार्ड तोड़ रही है और आधिकारिक आंकड़ों ने इसकी पोल खोल के रख दी है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन (च) में बेरोजगारी दर में अपेक्षा से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है, जो देश की नई लेबर सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स द्वारा 12 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर तक समाप्त तिमाही में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त तक यह दर 4 प्रतिशत थी। अर्थशास्त्रियों का अनुमान था कि यह दर 4.1 प्रतिशत तक ही बढ़ेगी, लेकिन वास्तविक आंकड़ा अनुमान से अधिक रहा, जो सरकार के लिए चिंता का विषय है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, औसत नियमित वेतन वृद्धि भी घटकर 4.8 प्रतिशत पर आ गई है, जो पिछले दो वर्षों का सबसे कम स्तर है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि महंगाई की दर अब सामान्य स्तर पर लौट रही है। महंगाई में गिरावट से आम लोगों के खर्च में थोड़ी राहत मिल रही है, लेकिन यह वेतन वृद्धि दर को कम कर रही है, जिससे लोगों की क्रय शक्ति पर प्रभाव पड़ सकता है। यह बेरोजगारी वृद्धि ब्रिटेन की लेबर सरकार द्वारा हाल ही में पेश किए गए बजट के बाद देखी गई है। इस बजट में नेशनल इंश्योरेंस में वृद्धि की गई है, जो एक प्रकार का कंपनियों पर लगाया जाने वाला कर है। सरकार का तर्क है कि इस टैक्स से प्राप्त राशि को देश के बुनियादी ढांचे के विकास में लगाया जाएगा, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, निवेश विशेषज्ञ इसाक स्टेल का मानना है कि बढ़ते नेशनल इंश्योरेंस से कंपनियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ा है।

ट्रम्प ने मस्क और रामास्वामी को सरकार में शामिल किया

सरकार को सलाह देने वाला नया डिपार्टमेंट संभालेंगे, फॉक्स टीवी एंकर हगसेथ रक्षा मंत्री बनेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रम्प सरकार चलाने के लिए अपनी टीम का गठन करने में जुटे हैं। कुछ पदों पर नियुक्तियों के बाद उन्होंने टेस्ला चीफ इलॉन मस्क और भारतवंशी उद्योगपति विवेक रामास्वामी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। मस्क और रामास्वामी को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) विभाग का नेतृत्व करेंगे। डीओजीई एक नया विभाग है, जो सरकार को बाहर से सलाह देगा। डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे लेकर बयान जारी किया है।

ट्रम्प ने कहा- मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ये दोनों अद्भुत अमेरिकी मेरे प्रशासन के लिए नौकरशाही को खत्म करने, फिजूलखर्ची में कटौती करने, गैरजरूरी नियमों को खत्म करने और संघीय एजेंसियों के पुनर्गठन का काम करेंगे। ये हमारे 'सेव अमेरिका' एजेंडे के लिए जरूरी है। इसके साथ ही ट्रम्प ने अपनी कैबिनेट में फॉक्स न्यूज के होस्ट पीट हेगसेथ को भी जगह दी है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक उन्हें रक्षा मंत्री बनाया गया है। ट्रम्प बोले- यह विभाग मैनहटन प्रोजेक्ट बन सकता है ट्रम्प ने डीओजीई विभाग को लेकर बयान में कहा कि नई व्यवस्था से सरकारी पैसे की बर्बादी करने वाले लोगों में हड़कंप मच जाएगा। रिपब्लिकन नेताओं ने लंबे समय से डीओजीई के मकसद को पूरा करने का सपना देखा है। यह हमारे समय का द मैनहटन प्रोजेक्ट बन सकता है। मैनहटन प्रोजेक्ट दरअसल अमेरिकी सरकार का एक प्रोजेक्ट था, जिसका मकसद ब्रिटेन और कनाडा के साथ मिलकर जर्मनी की नाजी सेना से पहले परमाणु बम विकसित करना था।

ट्रम्प की जीत के बाद गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ी, 1000 प्रतिशत तक बढ़ी सेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद महिलाओं में बर्थ कंट्रोल पिल यानी गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ी हैं। इसके अलावा इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्शन (आपातकालीन गर्भनिरोधक) दवाओं की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

अमेरिकी अखबार यूएसए टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक इन दवाओं को बनाने वाली कंपनी वीस्प ने बताया कि 5 से 7 नवंबर के बीच इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्शन दवाओं की बिक्री 1000प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस दौरान इन दवाओं को खरीदने वालों की संख्या में 1650प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, अबॉर्शन की दवाइयों की सेल में भी 600प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। दरअसल ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद महिलाओं में इस बात का डर है कि उनके अबॉर्शन राइट्स और सख्त हो जाएंगे।

साल 2022 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अबोर्शन राइट्स को खत्म कर दिया था। उस समय ट्रम्प ने इस फैसले का समर्थन किया था। अब महिलाओं को इस बात का डर है कि ट्रम्प सरकार के आने से उनके अबॉर्शन राइट्स पर असर पड़ सकता है। चुनाव के बाद एक सर्वे में यह पाया गया कि 50प्रतिशत से अधिक महिलाएं इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उन्हें सुरक्षित गर्भपात और उससे जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिलेंगी। रिपोर्ट के मुताबिकमहिलाएं उन राज्यों में जाने पर विचार कर रही है जहां अबॉर्शन से जुड़े कानून आसान है। इसके तहत उन्हें आसानी से अबॉर्शन से जुड़ी सेवाएं मिल सकती हैं। इस बीच कई कंपनियां टेली मेडिसिन और ऑनलाइन सर्विस के जरिए महिलाओं को घर पर ही बर्थ कंट्रोल पिल मुहैया करा रही हैं। 1880 तक अमेरिका में अबॉर्शन करवाना कानूनी था। 1873 में अमेरिका में अबॉर्शन की दवाओं पर बैन लगा दिया गया था। 1900 तक लगभग सभी राज्यों में अबॉर्शन बैन हो गया। जब प्रग्नेंसी से मां की जान को खतरा होने पर ही अबॉर्शन किया जा सकता था। 1960 के दशक में महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया। 1969 में नोर्मा मैककॉर्वी ने अबॉर्शन के कानून को चुनौती दी थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और 1973 में सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिका में अबॉर्शन को लीगल कर दिया।

ट्रम्प के नए एनएसए माइक वाल्ट्ज ने कहा: भारत-अमेरिका साझेदारी बनाएगी इतिहास, औपचारिक गठबंधन का रखा प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार माइक वाल्ट्ज ने इस बात पर बल दिया है कि अमेरिका-भारत संबंध 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण संबंध हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह साझेदारी निर्धारित करेगी कि यह प्रकाश की सदी है या अंधकार की सदी। वाल्ट्ज को निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नामित किया गया है। वाल्ट्ज ने ये टिप्पणियां सितंबर में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थीं। उन्होंने कहा, मेरे विचार से यह (अमेरिका-भारत) 21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण संबंध है। इससे यह तय होगा कि यह प्रकाश की सदी है या अंधकार की सदी। वह चुनाव संबंधी व्यस्तताओं के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके थे और उन्होंने सम्मेलन को वीडियो संदेश भेजा था। वाल्ट्ज, जो एक युद्ध अनुभवी और सांसद हैं, साथ ही भारत कॉकस के सह-अध्यक्ष भी हैं चीन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं, ने अमेरिका और भारत के बीच एक

औपचारिक गठबंधन का प्रस्ताव भी रखा है। नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपनी टीम में फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो को विदेश मंत्री और साउथ डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम को गृह सुरक्षा मंत्री बनाने का निर्णय लिया है। इससे स्पष्ट है कि ट्रम्प अपनी नीतियों को लागू करने के लिए अपने वफादारों पर भरोसा करेंगे, बजाय तथाकथित डीप स्टेट पर जो [illegible] (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थकों के बीच अलोकप्रिय है।हालांकि ट्रम्प ने औपचारिक रूप से कोई घोषणा नहीं की है, उन्होंने यह संकेत दिया है कि एलिस स्टेफानिक को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित करेंगे। राष्ट्रपति-चुनाव की टीम से लीक हुई इन खबरों के बाद [illegible] समर्थकों में इस फैसले को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि इसमें हार्डलाइनर नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है, बजाय उन मुख्यधारा के रिपब्लिकन नेताओं के जिन्होंने वॉशिंगटन डीसी में लंबे समय तक नीति निर्धारण पर दबदबा बनाए रखा था।

ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार केस में सुनवाई टली: सजा रद्द करने की अपील की थी

वॉशिंगटन, एजेंसी। पोर्न स्टार केस में दोषी पाए डोनाल्ड ट्रम्प की सजा रद्द करने के मामले में सुनवाई टल गई है। न्यूयॉर्क की कोर्ट में मंगलवार को ट्रम्प की सजा रद्द करने पर सुनवाई होनी थी। न्यूयॉर्क कोर्ट के जज जुआन एम. मर्चन ने कहा कि वो इस मामले में 19 नवंबर तक के लिए सुनवाई टाल रहे हैं। इससे पहले पिछले हफ्ते इस मामले में ट्रम्प के वकीलों ने कोर्ट से सुनवाई टालने के लिए कहा था। ट्रम्प ने हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की है। इस साल 30 मई को कोर्ट ने पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने में दोषी करार दिया था। दोषी पाए जाने के बाद ट्रम्प ने अगस्त में फेडरल कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप करने के लिए कहा था। इसके बाद फेडरल कोर्ट ने मामला वापस न्यूयॉर्क कोर्ट में भेज दिया था।

ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहे थे। यह मामला 2016 में उनके अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। इसके खुलासे के बाद पहली बार ऐसा हुआ था जब अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी प्रेसिडेंट पर आपराधिक केस चलाया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कोर्ट ने 6 सप्ताह में 22 गवाहों को सुना। इनमें स्टॉर्मी डेनियल्स भी शामिल थीं। फैसले के बाद ट्रम्प ने अपना रिएक्शन भी दिया था। ट्रम्प पर गलत बिजनेस रिकॉर्ड दिखाने के मामले में 34 चार्ज लगाए गए हैं। ये सभी चार्ज 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार डॉलर करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए देने से जुड़े हैं। 11 चार्ज चेक साइन करने से जुड़े हैं। अन्य 11 चार्ज कोहेन के कंपनी में जमा किए गए गलत इनवॉइस से जुड़े हैं और बाकी बचे 12 चार्ज रिकॉर्ड्स में गलत जानकारी देने से जुड़े हैं।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने प्रोफेसर ललित कुमार दास को 2024 के डिजाइन गुरु अवार्ड से सम्मानित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रचनात्मकता के क्षेत्र में शिक्षा के लिए समर्पित भारत की पहली युनिवर्सिटी- वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) ने 11 नवंबर, 2024 को अपने परिसर में एक भव्य समारोह में प्रोफेसर ललित कुमार दास को प्रतिष्ठित डिजाइन गुरु अवार्ड से सम्मानित किया। प्रोफेसर ललित दास, औद्योगिक डिजाइन शिक्षा में एक बड़ी हस्ती हैं और उन्हें समावेशी और टिकाऊ डिजाइन को लेकर उनके अनूठे दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में उनके नेतृत्व ने ना केवल अगली पीढ़ी के डिजाइनरों को आकार दिया है, बल्कि ऐसे उत्पादों और पर्यावरण के सृजन के महत्व को रेखांकित किया है जो सभी की पहुंच में हो और सभी के लिए लाभप्रद हो। नेशनल डिजाइन गुरु डे के अवसर पर वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन द्वारा प्रदान किया जाने वाला यह अवार्ड उन लीडरको सम्मान देता है जिन्होंने डिजाइन के भविष्य को आकार देते और रचनात्मक सोच वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते हुए भारत में डिजाइन शिक्षा में असाधारणयोगदान दिया है। हर साल नौ नवंबर को मनाए जाने वाले नेशनल डिजाइन गुरु डे की शुरुआत डिजाइन के शिक्षकों की अग्रणी पीढ़ी को पहचान देने के लिए की गई जिन्होंने भारत में डिजाइन की शिक्षा की नीव डाली। संयोग से जिस दिन डिजाइन के इन नेताओं को सम्मानित किया जाता है, वह स्वर्गीय प्रोफेसर एमपी रंजन की जयंती है जो नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) में डिजाइन चिंतन और शिक्षा में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे।

लैंक्सेस इंडिया ने जीता फिक्की केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स अवार्ड 2024 का डिजिटेक फ्रंट रनर ऑफ द ईयर सम्मान

मुंबई, एजेंसी। लैंक्सेस इंडिया ने केमिकल सेक्टर में 'डिजिटेक फ्रंट रनर ऑफ द ईयर' कैटेगरी में फिक्की केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स अवार्ड 2024 जीता है। यह सम्मान भारत सरकार की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री, श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कंपनी को प्रदान किया। इस खास मौके पर रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की सचिव, श्रीमती निवेदिता शुक्ला वर्मा, और उद्योग जगत के कई प्रमुख साझेदार भी उपस्थित थे। लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, नमितेश रॉय चौधरी, ने कंपनी की ओर से यह अवार्ड स्वीकार किया। उनके साथ पीटीएसई के पूर्णकालिक निदेशक और प्रमुख, बालाराम खोट भी मौजूद थे। यह पुरस्कार 17 अक्टूबर 2024 को मुंबई में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया। इस सम्मान पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए, लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, नमितेश रॉय चौधरी ने कहा, इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाकर हम बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। नई तकनीकों और डिजिटल सोच को अपनाकर हम अपनी प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाते हैं और उत्पादकता, कनेक्टिविटी और संपूर्ण प्रदर्शन में सुधार करते हैं।

भारत में ऐतिहासिक बुनियादी ढांचा कार्यक्रम का शुभारंभ, केपीएमजी रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। केपीएमजी की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में आने वाले समय में 21वीं सदी के सबसे बड़े बुनियादी ढांचा कार्यक्रमों में से एक लागू होने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूंजी के राजकोषीय स्रोत का सृजन करना महत्वपूर्ण होगा।

यह रिपोर्ट केपीएमजी 2024 इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड ट्रांसपोर्ट सीईओ आउटलुक के नाम से प्रकाशित हुई है। रिपोर्ट में दुनिया भर के 120 बुनियादी ढांचा और परिवहन क्षेत्र के सीईओ का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें यह पाया गया कि अगले तीन वर्षों में बुनियादी ढांचा और परिवहन क्षेत्र के सीईओ आय और कर्मचारियों की संख्या में व्यावसायिक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) से संबंधित हितधारकों की अपेक्षाएं तेजी से बदल रही हैं। 57 प्रतिशत सीईओ का कहना है कि ईएसजी के प्रति इन अपेक्षाओं को अनुकूलित करने की तुलना में उनकी

रणनीतियां तेजी से बदल रही हैं। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में रिपोर्ट में यह कहा गया कि आधे से अधिक सीईओ का मानना है कि जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में वैश्विक विफलता का उनके व्यवसाय के विकास पर अल्पकालिक से मध्यम अवधि में नकारात्मक असर पड़ सकता है।

सरकारों पर विश्वास में कमी और व्यावसायिक जिम्मेदारी

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दुनिया भर में सरकारों पर विश्वास और भरोसे में कमी आई है। 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि समाज सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए अब व्यवसायों की ओर देख रहा है। यही नहीं 71 प्रतिशत ने कहा कि अगर उनका व्यवसाय सामाजिक मुद्दों से निपटने में विफल रहता है और इससे उनके संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है, तो वे अपने लाभदायक व्यवसाय के हिस्से को बेचने के लिए तैयार हो सकते हैं।

नई प्रौद्योगिकियों का प्रभाव

केपीएमजी के भारत में पार्टनर और सह-प्रमुख सौदा सलाहकार मनीष अग्रवाल ने कहा कि बुनियादी ढांचा और परिवहन क्षेत्र के सीईओ के लिए अब जनरेशन एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना एक प्रमुख एजेंडा बन गया है। उन्होंने कहा कि इन नई तकनीकों का इस्तेमाल व्यवसायों की कार्यकुशलता और क्षमता को बढ़ा सकता है। केपीएमजी का सीईओ आउटलुक 10वां संस्करण 25-29 जुलाई 2024 के बीच 1,325 सीईओ के साथ आयोजित किया गया था, जिसमें सीईओ की मानसिकता, रणनीतियां और योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। इस सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों का वार्षिक राजस्व 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है और इन कंपनियों में से एक तिहाई का वार्षिक राजस्व 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर से भी ज्यादा है।

निसस फाइनेंस सर्विसेज कंपनी लिमिटेड को मिली बीएसई से सैद्धांतिक मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने आईपीओ के लिए निसस फाइनेंस सर्विसेज कंपनी लिमिटेड के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को मंजूरी दे दी है। कंपनी फंड सेटअप को बढ़ाने, अतिरिक्त लाइसेंस प्राप्त करने और आईएफएससी-गिफ्ट सिटी, डीआईएफसी-दुबई और एफएससी-मॉरीशस जैसे प्रमुख वित्तीय केंद्रों में सुविधा और फंड प्रबंधन बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए आईपीओ के माध्यम से सार्वजनिक हो रही है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए धन जुटाने की लागत और प्लेसमेंट शुल्क को कवर करने, अपने पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए अपनी सहयोगी कंपनी निसस फिनकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को संबोधित करने की भी योजना बना रही है। कंपनी ने नए इश्यू के रूप में 57,80,000 इक्विटी शेयर जारी करने की योजना बनाई है, प्रत्येक का अंकित मूल्य 10 है, साथ ही 7,20,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश भी है, जिससे आगामी आईपीओ में कुल इश्यू आकार 65,00,000 इक्विटी शेयरों तक हो जाएगा।

'खुदरा बाजारों में और प्याज की आपूर्ति ', कीमतों को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्याज की कीमतों में बेतहाशा तेजी के बीच सरकार ने कहा है कि वह दरों को स्थिर करने के लिए खुदरा बाजारों में बफर स्टॉक से और ज्यादा प्याज बेचेगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 67 रुपये प्रति किलो है। देश में औसत खुदरा कीमत 58 रुपये प्रति किलो है।

अधिकारियों के अनुसार त्योहारों के मौसम और मंडियों के बंद होने के कारण पिछले दो-तीन दिनों में कुछ बाजारों में प्याज की आपूर्ति में अस्थायी बाधा आई है। इसे दूर करने के लिए सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने का फैसला किया है। नैफेड ने इस सप्ताह दिल्ली-एनसीआर के लिए दो और गुवाहाटी के लिए एक और रैक रवाना किया है।

अधिकारी के मुताबिक, रेल और सड़क परिवहन दोनों के जरिये एनसीसीएफ से प्याज की ज्यादा आपूर्ति की जाएगी। सरकार ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली व अन्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सोनीपत में कोल्ड स्टोरेज में रखे प्याज को उतारने का भी फैसला किया है। ब्यूरो

4.7 लाख टन प्याज की खरीद

सरकार ने इस साल मूल्य को स्थिर रखने के लिए 4.7 लाख टन रबी प्याज की खरीद की। इसकी बिक्री पांच सितंबर को 35 रुपये प्रति किलो पर खुदरा बिक्री के साथ-साथ देश भर की प्रमुख मंडियों में थोक बिक्री के माध्यम से शुरू हुई। अब तक, बफर में 1.50 लाख टन से अधिक प्याज नासिक और अन्य केंद्रों से सड़क परिवहन के जरिये ट्रकों के माध्यम से उपभोक्ता केंद्रों तक भेजा गया है। सरकार ने कहा, मंडियों में कीमतों में गिरावट के साथ टमाटर की खुदरा कीमतों में गिरावट आ रही है। आजादपुर मंडी में साप्ताहिक औसत कीमत 27 फीसदी कम होकर 4,000 रुपये प्रति क्विंटल और पिंपलगांव (महाराष्ट्र) में औसत कीमत 35 फीसदी कम होकर 2,250 रुपये प्रति क्विंटल है।

खबरों में दावा- बिटक्काइन चांदी से अधिक मूल्यवान, अब दुनिया की 8वीं सबसे बड़ी संपत्ति

मुंबई एजेंसी। बिटक्काइन ने चांदी को पीछे छोड़ दिया है। कंपनियों की मार्केट कैप वेबसाइट के अनुसार बिटक्काइन का बाजार पूंजीकरण एक नए मील के पत्थर पर पहुंच गया है। बिटक्काइन ने 1.736 ट्रिलियन डॉलर के मूल्यांकन के साथ चांदी को पीछे छोड़ा है। बिटक्काइन दुनिया की 8वीं सबसे बड़ी संपत्ति बन गया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब बिटक्काइन की कीमत आज 10 प्रतिशत बढ़कर 88,000 डॉलर को पार कर गई। चांदी में 2 प्रतिशत की गिरावट आने के बाद बिटक्काइन आगे निकल गया। इस नवीनतम तेजी के साथ, बिटक्काइन अब वैश्विक परिसंपत्ति रैंकिंग में केवल सोना, एनवीडिया, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेज़न और सऊदी अरामको से पीछे है। पूंजी बाजार पर नजर रखने वाली अग्रणी संस्था कोबेस्सी लेटर ने बिटक्काइन की इस उपलब्धि को अहम करार दिया।

सरकारी बैंकों का शानदार प्रदर्शन, 6 महीने में 236 लाख करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंकों ने मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान इन बैंकों का नेट प्रॉफिट 26 प्रतिशत बढ़ा, साथ ही इनका व्यापार भी तेज़ी से बढ़ा है और नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स में भी गिरावट आई है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि बैंकों की नियमित निगरानी के कारण उनके कामकाज में सुधार हुआ है।

बिजनेस में 11 प्रतिशत वृद्धि

12 सरकारी बैंकों का कुल बिजनेस अप्रैल से सितंबर के दौरान 236.04 लाख करोड़ रुपए का रहा। सालभर पहले की इसी अवधि के मुकाबले यह 11 फीसदी अधिक है। पहली छमाही में इन बैंकों का क्रेडिट पोर्टफोलियो 12.9 प्रतिशत बढ़कर 102.29 लाख करोड़ रुपए और डिपॉजिट पोर्टफोलियो 9.5 प्रतिशत बढ़कर 133.75 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंकों के ऑपरेटिंग प्रॉफिट में भी तेजी आई है, जो पिछले साल की तुलना में 14.4 प्रतिशत बढ़कर 150,023 करोड़ रुपए हो गया। वहीं नेट प्रॉफिट 25.6 प्रतिशत बढ़कर 85,520 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके अलावा ग्रॉस एनपीए 3.12 प्रतिशत पर आ गया, जिसमें 108 बेसिस पॉइंट्स की कमी आई है। नेट एनपीए भी 34 बेसिस पॉइंट्स घटकर 0.63 प्रतिशत पर आ गया।

बैंकों का प्रॉफिट रैंक

सबसे ज्यादा प्रॉफिट पंजाब नेशनल बैंक को हुआ। इस बैंक का शुद्ध लाभ 145 प्रतिशत बढ़कर 4,303 करोड़ रुपए हो गया। केनरा बैंक ने 4,014 करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ के साथ 11 प्रतिशत की सबसे कम वृद्धि दर्ज की। बैंक ऑफ बड़ौदा का सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उधारदाताओं (5,237 करोड़ रुपए) में दूसरा सबसे अधिक शुद्ध लाभ था।

पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स ने पहले बैच के बाद आरम्भ 2.0 के लिए आवेदन खोले

पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स भारत के उद्यमियों को सलाह और फंडिंग देकर समर्थन करने के लिए तैयार है

मुंबई, एजेंसी। फिजिक्स वाला की पहल, पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स, ने अपने पहले बैच आरम्भ 1.0 को पूरा किया है, जिसका उद्देश्य भारत भर के नए उद्यमियों को एक साथ लाना है। पहले चरण की समाप्ति के बाद, दूसरा बैच आरम्भ 2.0 के लिए आवेदन खुल चुके हैं, जो 19 नवंबर, 2024 से नोएडा कैंपस में शुरू होने वाला है। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और भारत के भविष्य के उद्यमियों को अपने विचारों को आगे बढ़ाने में सहायता प्रदान करना है। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स नए उद्यमियों को सलाह और वित्तीय संसाधनों के साथ समर्थन करने का प्रयास कर रहा है।

यह पांच-दिवसीय रेजिडेंशियल प्रोग्राम ने भारत के विभिन्न स्थानों से प्रतिभागियों का स्वागत किया, जिनमें बिहार के मोतिहारी से लेकर केरल के कोच्चि तक प्रतिभागी शामिल हैं। आरम्भ 1.0 ने प्रतिभागियों को एक शानदार सीखने का अनुभव प्रदान किया, जिसमें बॉम्बे शेविंग कंपनी के सीईओ शंतनु देशपांडे, ढ्ढहूरूऔर छ्ठ्ठ के प्रोफेसर, पी डब्लू के चीफ टेक्नोलॉजी

और प्रोडक्ट ऑफिसर, विनीत गोविल और वीपी-प्रोडक्ट, योगेश शुक्ला जैसी इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियों के सत्र शामिल थे। इन मेंटर्स ने स्टार्टअप स्किल्स पर व्यवहारिक जानकारी साझा की, जिसमें यूनिट इकॉनॉमिक्स, मिनिमम वायबल प्रोडक्ट डेवलपमेंट, ब्रांड बिल्डिंग और प्रभावी पिचिंग जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस प्रोग्राम के दौरान, छात्रों ने स्थानीय प्रभाव उत्पन्न करने के कई अनोखे विचार प्रस्तुत किए। कुछ प्रोजेक्ट्स में पास के ग्राहकों के साथ स्थानीय दुकानदारों को जोड़ने वाला एक प्लेटफॉर्म और किसानों की मदद के लिए ऑर्गेनिक खाद प्रदान करने वाला एक इको-सस्टेनेबल समाधान शामिल था। फिजिक्स वाला के को-फाउंडर, प्रतीक माहेश्वरी ने कहा, आरम्भ 1.0 ने हमें भारत के युवा पीढ़ी में छुपी अपार संभावनाओं को दिखाया। सही मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ, ये नए उद्यमी ऐसे समाधान तैयार कर सकते हैं जो न केवल स्थानीय चुनौतियों को हल करेंगे बल्कि वैश्विक स्तर पर भी असर डाल सकते हैं। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स में, हम इन होनहार प्रतिभागियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। आरम्भ 1.0 के बाद, पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स आरम्भ 2.0 को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है, जो 19 नवंबर, 2024 से नोएडा कैंपस में शुरू होगा। यह नया प्रोग्राम इस रफ्तार को आगे बढ़ाने का इरादा रखता है, जो पटना, भोपाल, इंदौर, लखनऊ, जयपुर जैसे कई शहरों के अन्य नए उद्यमियों को एक साथ लाएगा।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बेंगलूरु व भोपाल कैंपसों में पीजी और यूजी कोर्सेस के लिए आवेदन आमंत्रित किये

बेंगलूरु/भोपाल। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय अपने दो वर्ष के पोस्ट-ग्रैज्युएट प्रोग्राम्स के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। इन एमए प्रोग्राम्स में एमए एजुकेशन, एमए डेवलपमेंट, मास्टर ऑफ़ पब्लिक हेल्थ (एमपीएच), एमए अर्ली चाइल्डहुड केअर एवं एजुकेशन शामिल हैं। साथ ही चार वर्षों के बीए ऑनर्स और बीएससी ऑनर्सके लिए भी आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। ये प्रोग्राम अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु और भोपाल कैम्पस में चलाए जाएंगे। भोपाल कैंपस में स्नातकोत्तर (2 वर्ष) एम.ए. - एजुकेशन, एम.पी.एच.-मास्टर ऑफ़ पब्लिक हेल्थ। स्नातक (4-वर्ष) -अर्थशास्त्र,अंग्रेज़ी, इतिहास और समाज विज्ञान में बी.ए. ऑनर्स बायोलॉजी में बी.एस-सी. ऑनर्स। बेंगलूरु कैम्पस में स्नातकोत्तर (2 वर्ष) एम.ए. - एजुकेशन, एम.ए. - अर्ली चाइल्डहुड केअर एण्ड एजुकेशन, एम.ए. - डेवलपमेंटस्टडीज़, एम.ए .- अर्थशास्त्र। स्नातक (4-वर्ष) अर्थशास्त्र,अंग्रेज़ी, इतिहास, दर्शन, समाज विज्ञान, दर्शन-राजनीति व अर्थशास्त्र में बी.ए. ऑनर्स प्रोग्राम चलाए जाएंगे। विद्यार्थी हमारे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। दिसंबर 2024 में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से जो विद्यार्थी प्रवेश पाना चाहते हैं, वे 14 नवंबर 2024 तक आवेदन करें।

बीएलएस इंटरनेशनल ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में सर्वोच्च वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया

शुद्ध लाभ में 77.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड एक भारतीय बहुराष्ट्रीय निगम और सरकारों एवं नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक टेक-सक्षम सेवा भागीदार, ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपने समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

कंपनी का परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 21.4 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 495.0 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 407.7 करोड़ रुपये था। यह वृद्धि मुख्य रूप से वीजा और कॉन्सुलर व्यवसाय से प्रेरित थी, जिसने 29.6 प्रतिशत की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज की। कंपनी का एबिटा तिमाही के दौरान वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 86.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 164.0 करोड़ रुपये हो गया, जो 89.1 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 21.3 प्रतिशत से 1,186 बेसिस पॉइंट बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 33.1 प्रतिशत हो गया। मार्जिन विस्तार पार्टनर-संचालित से स्व-प्रबंधित मॉडल में जारी ट्रांजिशन और आइडीएटीए के अधिग्रहण से बढ़ा।

तिमाही के लिए शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 82.0 करोड़ रुपये की तुलना में 145.7 करोड़ रुपये रहा, जो 77.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। दुबई में उच्च करों ने एबिटा वृद्धि की तुलना में शुद्ध लाभ वृद्धि को प्रभावित किया। 720 करोड़ रुपये के आइडीएटीए अधिग्रहण के बाद, 30 सितंबर 2024 तक कंपनी का शुद्ध नकद शेष 902 करोड़ रुपये रहा। प्रदर्शन और हालिया अपडेट के बारे में बोलते हुए, बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री शिखर अग्रवाल ने कहा, हम मजबूत विकास गति देख रहे हैं और इस तिमाही में वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन के संबंध में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं। हमने तिमाही के लिए 495.0 करोड़ रुपये का सर्वाधिक राजस्व, 164.0 करोड़ रुपये का परिचालन लाभ और 145.7 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया। यह वृद्धि वीजा आवेदनों की बढ़ी हुई मात्रा, कोलंबिया और पेरू में नए वीजा आवेदन केंद्रों की शुरुआत, और आइडीएटीए के अधिग्रहण से प्रेरित थी।

पार्टनर-संचालित मॉडल से स्व-प्रबंधित मॉडल में जारी ट्रांजिशन और आइडीएटीए के अधिग्रहण ने परिचालन मार्जिन को 1,186 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर तिमाही में अब तक के सर्वोच्च स्तर 33.1 प्रतिशत तक पहुंचा दिया। हमने अक्टूबर 2024 में सिटीजनशिप इन्वेस्ट में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करके भी अपना परिचालन विस्तार किया है और भारत की सबसे बड़ी ऋण वितरण और प्रसंस्करण कंपनियों में से एक, आदिफिडेलिस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में 57 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए निश्चित समझौता जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

रोज़ाना की डाइट में बादाम को शामिल करें और ब्लड शुगर लेवल पर लगाम लगाएं

मुंबई, एजेंसी। हर साल 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में डायबिटीज को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाती है और इसकी अच्छे से देखभाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाता है। भारत, जिसे दुनिया की डायबिटीज कैपिटल के रूप में जाना जाता है, एक बढ़ती चुनौती का सामना कर रहा है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि 101 मिलियन भारतीयों को डायबिटीज है, जबकि 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं। यह खासतौर से हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में बदलाव लाकर, डायबिटीज की असरदार प्रबंधन रणनीतियों को अपनाने के महत्व को उजागर करता है। डायबिटीज को काबू में रखने का एक तरीका यह भी है कि हमें बादाम जैसे पौष्टिक फूड को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। बादाम में 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जिनमें प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और डाइटरी फाइबर शामिल हैं। ये पोषक तत्व ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखने में मदद करते हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर बदतमीजी पर उतरा

चैंपियंस ट्रॉफी विवाद के बाद सरेआम बीसीसीआई को दीं गालियां

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए बीसीसीई ने टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है. जब से भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने जैसे ही इस टूर्नामेंट को लेकर अपना फैसला सुनाया है, क्रिकेट की दुनिया में बवाल मचा हुआ है. बीसीसीआई के फैसले पर पूरे पाकिस्तान में हंगामा है. वहीं इस खबर को लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर तनवीर अहमद ने तो सारी हदें पार कर दी और गाल-गलौज पर उतर आए हैं. उन्होंने सरेआम सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है.

तनवीर अहमद ने क्या कहा?

तनवीर अहमद भारत के पाकिस्तान नहीं जाने को लेकर पिछले कुछ दिनों से भड़के हुए हैं और बयानबाजी कर रहे हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा 'बीसीसीआई ये चूड़ियां अपने दोनों हाथों में पहन लो.' वह इतना तक ही नहीं रुके उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के लिए झूठा, घटिया, गंदा, बदमाश और दोगला जैसे आपत्तिजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया.

तनवीर ने आगे कहा कि बीसीसीआई पर विश्वास करने से अच्छा है कि किसी गधे पर विश्वास पर कर लें वो भी धोखा नहीं देगा. उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया से भारतीय मीडिया के लोगों को नहीं बुलाने की अपील की.

आईसीसी की बातचीत जारी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई के फैसले के बाद भारत से किसी भी टूर्नामेंट में नहीं खेलने और मेजबानी छीने जाने पर चैंपियंस ट्रॉफी से नाम वापस लेने की धमकी दी थी. इतना ही नहीं रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार 12 नवंबर को आईसीसी को एक ईमेल किया, जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से टीम इंडिया को नहीं भेजने की पुख्ता वजहों बताए जाने की मांग की है. वहीं आईसीसी लगातार सभी टीमों से बातचीत कर रही है और टूर्नामेंट के शेड्यूल को लेकर चर्चा जारी है. वहीं कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया है कि आईसीसी ने बैकअप के तहत साउथ अफ्रीका में टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बनाई है.

शुभमन गिल ने की उम्र में धोखाधड़ी सोशल मीडिया पर दावे से सब हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट हो या कोई अन्य खेल, एथलीटों को कई बार अपनी उम्र छिपाते हुए पकड़ा गया है. भारत के पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा उम्र छिपाने की बात स्वीकार चुके हैं, वहीं एक बार नितीश राणा उम्र छिपाने के मामले में BCCI से सस्पेंशन झेल चुके हैं. मगर अब शुभमन गिल भी इसी कारण चर्चा में हैं. दरअसल सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें शुभमन गिल और उनकी बहन शहनील गिल के जन्मदिवस में सिर्फ 3 महीने का अंतर है.

शुभमन गिल इस समय भारत के टॉप क्रिकेटरों में से एक हैं और उनका जन्म 8 सितंबर 1999 को पंजाब फाजिल्का में हुआ था. शुभमन की एक बहन भी है, जिसका नाम शहनील गिल है, जो सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और निरंतर चर्चाओं में बनी रहती हैं. वायरल हो रहे पोस्ट में देखा जा सकता है कि शहनील गिल का जन्म 16 दिसंबर 1999 को हुआ था. दोनों भाई-बहन के जन्मदिवस को देखा जाए तो उसमें सिर्फ 3 महीने का अंतर है. ऐसे में भारतीय क्रिकेटर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने अपनी उम्र में बदलाव करके धोखाधड़ी की है.

क्या है सच्चाई?

इस तरह के पोस्ट पहले भी वायरल होते रहे हैं, लेकिन गुजरात टाइटंस ने करीब एक साल पहले रक्षाबंधन के मौके पर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था. उसी वीडियो में शहनील गिल ने खुलासा करते हुए बताया था कि उनकी और शुभमन की उम्र में ढाई साल का अंतर है. इस वीडियो में शहनील गिल कहती हैं, हम बचपन में एक-दूसरे के बेस्ट फ्रेंड हुआ करते थे. हम हमेशा साथ में घूमते थे. मगर जब शुभमन मैच खेलने बाहर जाने लगे और ज्यादातर घर से बाहर ही रहते थे, तब मेरे लिए समय बिताना मुश्किल होता था क्योंकि मेरे ज्यादा दोस्त नहीं थे. हम बचपन से एक-दूसरे के करीब रहे हैं क्योंकि हमारी उम्र में सिर्फ ढाई साल का अंतर है. मैं बचपन में बहुत शर्मीली हुआ करती थी, वहीं शुभमन खूब शरारत करता था.

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 3 टी-20 के लिए वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान

• आंद्रे रसेल बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद आखिरी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। बाएं टखने में मोच के कारण आंद्रे रसेल सीरीज के बाकी मैच नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह शमर स्प्रिंगर को शामिल किया गया है। इस बीच अल्जारी जोसेफ निलंबन से वापस आ गए हैं और शमर जोसेफ की जगह टीम में शामिल हुए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान अल्जारी जोसेफ की कप्तान शाई होप के साथ फील्ड प्लेसमेंट को लेकर बहस हुई थी। गुस्से में वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसके बाद अल्जारी को क्रिकेट वेस्टइंडीज दो मैचों के लिए बैन कर दिया था। बाद में उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और होप के साथ सुलह भी की। स्प्रिंगर ने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था। अब तक दो मैचों में 25 रन देकर 1 विकेट और 24 रन देकर 1 विकेट लिया है।

आंद्रे रसेल पहले टी20 के दौरान चोटिल हो गए थे

इंग्लैंड ने बारबाडोस में पहले दो टी20 मैच जीतकर वेस्टइंडीज को करो या मरो की स्थिति में डाल दिया है। तीसरा टी20 मैच 14 नवंबर को सेंट लूसिया में खेला जाएगा, जहां 16 और 17 नवंबर को आखिरी दो मैच भी खेले जाएंगे। आंद्रे रसेल पहले टी20 के दौरान चोटिल हो गए थे। टेरेंस हिंड्स को दूसरे मैच में डेब्यू करने का मौका मिला था। 32 वर्षीय खिलाड़ी का रविवार (10 नवंबर) को पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था। उन्होंने 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पांच रन बनाए और अपने दो ओवरों में बिना विकेट लिए 24 रन दिए।

वेस्टइंडीज टी20 टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

टेनिसः

ज्वेरेव ने रुबलेव को हराया

एटीपी फाइनल्स में बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी को पहले मैच में मिली हार

तूरिन, एजेंसी। 2018 और 2021 के विजेता जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एटीपी फाइनल्स के तीसरे खिताब की राह में जीत से शुरुआत की है। उन्होंने ग्रुप दौर के पहले मैच में रूस के आंद्रेई रुबलेव को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, युगल में भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी को पहले ग्रुप दौर के मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इटली की जोड़ी साइमन बोलेली और एंड्रिया ववासरी के हाथों 2-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। बोलेली और ववासरी ने इस जीत के साथ बोपन्ना-एबडेन से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया।

सिनर को मिली विश्व नंबर एक की ट्रॉफी

पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतकर आ रहे ज्वेरेव की यह लगातार छठी जीत है। ज्वेरेव का इस मैच में भी दबदबा रहा। उन्होंने कुल नौ एस लगाए और अपनी सर्विस पर सिर्फ 10 अंक गंवाए। रुबलेव ने कहा, ज्वेरेव 220 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से सर्विस कर रहे थे, जिसका सामना करना आसान नहीं था। वहीं, इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन और यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले विश्व नंबर एक इटली के यानिक सिनर को वर्ष के विश्व नंबर एक की ट्रॉफी सौंपी गई। सिनर ने कहा, इस ट्रॉफी को ग्रहण करने की इससे अच्छी दूसरी जगह नहीं हो सकती है। ट्रॉफी लेने के दौरान सिनर की मां सिगलिंडे की आंखों में आंसू थे। सिनर ने रविवार को खेले गए पहले मैच में एलेक्स डि मिनौर को हराया था। दूसरी ओर सोमवार को नार्वे के कैस्पर रूड से हारने के बाद स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने कहा, उनके पेट में तकलीफ थी। यहां आने से पहले मैं घर पर बीमार था। मैच की सुबह मुझे पेट में तकलीफ हुई।

चौथा एटीपी फाइनल्स खेल रहे हैं बोपन्ना

बोपन्ना चौथी बार एटीपी फाइनल्स खेल रहे हैं। इटली की जोड़ी स्थानीय दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिला। बोपन्ना-एबडेन ने महत्वपूर्ण मौकों पर दो डबल फॉल्ट किए, दोनों ही मौकों पर उनकी सर्विस टूटी।

बॉब ब्रायन ग्रुप में शामिल बोपन्ना और एबडेन का अब अगला मुकाबला शीर्ष वरीय जोड़ी अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पेविच से बुधवार को होगा। बोपन्ना-एबडेन बीते वर्ष एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

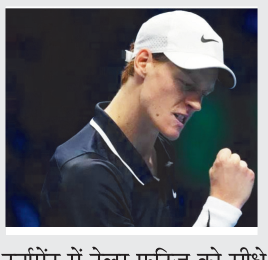

सिनर ने फिट्ज को फिर से हराया, मेदवेदेव भी जीते

तूरिन (इटली), एजेंसी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने फ्रिट्ज़ को 6-4, 6-4 से हराया। उन्होंने इस साल अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी अमेरिका के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज करने वाले सिनर ने कहा, 'मुझे घरेलू कोर्ट पर खेलना पसंद है। अगर आप अपने प्रशंसकों और आपका समर्थन करने वालों को पसंद करते हैं तो इससे काफी मदद मिलती है। इससे पहले दानिल मेदवेदेव ने अलेक्स डी मिनौर को 6-2, 6-4 से हरा कर खुद को सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनाए रखा। दुनिया के चोटी के आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में डी मिनौर अपना पहला मैच सिनर से हार गए थे।

राजधानी ट्रेन से भी फास्ट है इस गेंदबाज की स्पीड, वनडे डेब्यू में तूफानी रफ्तार से मचाई सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। 11 नवंबर को क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड दर्ज हुआ. खास तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट में. जहां एक 22 वर्षीय बांग्लादेशी क्रिकेटर ने अपने देश के लिए सबसे तेज गेंद फेंकी. इसके साथ बांग्लादेश के अब तक के सबसे तेज गेंदबाज बन गए. यहां हम बात कर रहे हैं नाहिद राणा की. यह कारनामा शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में हुआ. जब बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच तीसरा वनडे मैच खेला जा रहा था. यह मैच नाहिद राणा का वनडे डेब्यू मैच था.

राजधानी ट्रेन से कम नहीं नाहिद की रफ्तारः नाहिद राणा टेस्ट क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के जरिए बाबर आजम, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे टॉप बल्लेबाजों को चुनौती दे चुके हैं. अब उन्होंने वनडे में शानदार डेब्यू किया है. बांग्लादेश क्रिकेट टीम के उभरते तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने अपने वनडे डेब्यू में ही इतिहास रच दिया है.

उन्होंने बांग्लादेश के सबसे तेज गेंदबाज बनने का तमगा हासिल किया. नाहिद राणा ने अफगानिस्तान के खिलाफ शारजाह में खेले गए तीसरे वनडे में 150.9 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी, जो किसी भी बांग्लादेशी गेंदबाज द्वारा फेंकी गई अब तक की सबसे तेज गेंद है. इस रिकॉर्ड ने उन्हें तुरंत चर्चा का विषय बना दिया है.

नाहिद राणा के करियर के आंकड़ेः 22 मार्च 2024 को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले नाहिद राणा ने अब तक बांग्लादेश के लिए 5 टेस्ट मैच खेले हैं. इन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने 4.79 की इकॉनमी से 14 विकेट लिए हैं. अपने डेब्यू वनडे मैच में नाहिद राणा ने 4 की इकॉनमी से 2 विकेट लिए.

नाहिद राणा ने 20 फर्स्ट क्लास क्रिकेट मैचों में 4 की इकॉनमी से 77 विकेट लिए हैं. उन्होंने 11 लिस्ट ए क्रिकेट मैचों में 5.23 की इकॉनमी से 28 विकेट लिए हैं.

पर्थ टेस्ट में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर, आईपीएल बना वजह

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और लंबे समय तक उनके साथी रहे जस्टिन लैंगर सऊदी अरब में होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। आईपीएल की नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी।

एक ऑस्ट्रेलियाई समाचार पत्र के अनुसार, 'प्रतिबद्धताओं के टकराव के कारण चैनल सेवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ टेस्ट के कुछ हिस्सों में रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआती मैच में अपने धुर प्रशंसक की कमी खल सकती है।

पोंटिंग को पंजाब किंग्स ने हाल में अपना मुख्य कोच नियुक्त किया जबकि लैंगर पहले से ही लखनऊ सुपरजाइंट्स में यह भूमिका निभा रहे हैं। इन दोनों के अलावा ऑस्ट्रेलिया टीम के सहायक कोच डेनियल विटोरी भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच हैं। इन तीनों की आईपीएल नीलामी में शामिल होने की संभावना है।

अजीबो गरीब एक्शन वाले पॉल एडम्स का दावा-

अश्विन से बेहतर गेंदबाज हैं नाथन लियोन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज पॉल एडम्स ने मंगलवार को कहा कि अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भारत के रविचंद्रन अश्विन की तुलना में अधिक 'संपूर्ण गेंदबाज हैं। लियोन के भारत के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। 530 टेस्ट विकेट के साथ लियोन और 536 विकेट के साथ अश्विन दुनिया के दो सबसे मारक स्पिनर हैं। लेकिन अपने अपरंपरागत गेंदबाजी एक्शन के लिए लोकप्रिय हुए एडम्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज में दुनिया भर की पिचों पर बल्लेबाजों को परेशान करने की कुव्वत है। एडम्स 45 टेस्ट मैच खेलकर 134 विकेट झटक चुके हैं। उनसे जब पूछा गया कि दोनों में से किसके पास दुनिया भर में सफल होने के लिए संपूर्ण रणनीति है तो उन्होंने कहा कि मुझे अब भी लगता है कि उपमहाद्वीप और ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में प्रतिस्पर्धा करने के मामले में नाथन लियोन के पास अश्विन की तुलना में अधिक संपूर्ण खेल है। 47 वर्षीय एडम्स ने कहा कि उसके (अश्विन) पास एक कैरम बॉल है जो गेंद को विपरीत दिशाओं में घुमा सकती है। लेकिन लियोन ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने बहुत अधिक ओवर-स्पिन के साथ गेंदबाजी की है। इससे बल्लेबाजों को चुनौती मिलती है। भारत के अहम तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला में खेलने वाली टीम का हिस्सा नहीं हैं और एडम्स को लगता है कि उनकी बहुत कमी खलेगी।

एडम्स ने कहा कि मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए शमी की काफी कमी खलेगी। ऑस्ट्रेलिया में तेज और उछाल भरा विकेट भारत को दबदबा बनाने में मदद करता, अगर शमी टीम में शामिल होते। लेकिन यह भी चयनकर्ताओं के हाथ में नहीं है क्योंकि वह उबर रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि उसकी कमी खलेगी।

मोक्षदा एकादशीः इस व्रत के प्रभाव से पूर्वजों को होती है मोक्ष की प्राप्ति

हर वर्ष मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर उपवास रखा जाता है। मोक्ष की प्रार्थना के लिए यह एकादशी मनाई जाती है। मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती एक दिन ही पड़ती है। इस दिन भगवान कृष्ण ने महाभारत में अर्जुन को भगवद गीता का उपदेश दिया था।

माना जाता है कि इस दिन उपवास रखने और भगवान कृष्ण की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और पूर्वजों को स्वर्ग तक पहुंचने में मदद मिलती है। मोक्षदा एकादशी की तुलना मणि चिंतामणि से की जाती है, मान्यता है कि इस दिन पूजा-अर्चना करने और उपवास रखने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस साल मोक्षदा एकादशी 14 दिसंबर को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत के प्रभाव से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। व्रतियों के सभी पापों का नाश होता है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रत्येक माह की 11वीं तिथि को एकादशी कहते हैं। एकादशी को भगवान विष्णु को समर्पित एक दिन माना जाता है। एक महीने में दो पक्ष होने के कारण दो एकादशी आती हैं, एक शुक्ल पक्ष की और दूसरी कृष्ण पक्ष की। इस प्रकार, एक वर्ष में कम से कम 24 एकादशी हो सकती हैं, लेकिन अधिक मास (अतिरिक्त महीने) के मामले में यह संख्या 26 भी हो सकती है।

मोक्षदा एकादशी का मुहूर्त

इस वर्ष मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का प्रारंभ 13 दिसंबर दिन सोमवार को रात 09 बजकर 32 मिनट से हो रहा है.एकादशी तिथि अगले दिन 14 दिसंबर को रात 11 बजकर 35 मिनट तक है। व्रत के लिए उदयातिथि ही मान्य होती है, इसलिए मोक्षदा एकादशी का व्रत 14 दिसंबर दिन मंगलवार को रखा जाएगा।

एकादशी तिथि प्रारंभः 13 दिसंबर, रात्रि 9ः 32 बजे से

एकादशी तिथि समाप्तः 14 दिसंबर रात्रि 11ः35 बजे पर

व्रत का पारणः 15 दिसंबर सुबह 07ः05 बजे से प्रातः 09ः 09 बजे तक

मोक्षदा एकादशी का महत्व

मोक्षदा एकादशी का अर्थ है मोक्ष प्रदान करने वाली एकादशी। इस एकादशी का उपवास करने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष प्राप्त होता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अजुर्न को गीता का उपदेश दिया था, इसलिए मोक्षदा एकादशी का महत्व और बढ़ जाता है।

व्रत विधि

- ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि के बाद घर और पूजा के स्थान की सफाई करें
- घर के मंदिर में भगवान को गंगाजल से स्नान कराएं और उन्हें वस्त्र अर्पित करें।
- भगवान को रोली और अक्षत का तिलक लगाकर भोगसवरूप फल आदि अर्पित करें।
- इसके बाद नियमानुसार भगवान की पूजा अर्चन कर उपवास आरंभ करें।

मोक्षदा एकादशी व्रत रखने के 2 फायदे

मोक्षदा एकादशी का मतलब मोक्ष देने वाला एकदशी। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार मार्गशीर्ष के कृष्ण पक्ष में उत्पन्ना एवं शुक्ल पक्ष में मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार 14 दिसंबर मंगलवार को है मोक्षदा एकादशी।

मोक्षदा एकादशी व्रत रखने के फायदे

- द्वापर युग में इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में गीता ज्ञान दिया था। अतः इस दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है। इस साल गीता जयंती की 5158वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।
- मोक्षदा एकादशी मोक्ष देने वाली होती है। विधिवत इसका व्रत रखने से देवता और पितर तृप्त होते हैं।
- मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत रखकर गीता पाठ करना या श्रीकृष्ण की आराधना करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है और सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है।

मोक्षदा एकादशी व्रत की पूजा विधि

- मोक्षदा एकादशी का व्रत का प्रारंभ दशमी तिथि को दोपहर के भोजन के बाद ही शुरु हो जाता है। रात्रि का भोजन नहीं किया जाता है।
- दूसरे दिन प्रातः काल उठकर स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लिया जाता है।
- व्रत संकल्प के बाद भगवान विष्णु के साथ ही श्रीकृष्ण, महर्षि वेद व्यास और श्रीमद् भागवत गीता को पूजा स्थल पर एक अच्छे से पाट पर विधिवत रूप से स्थापित कर लें।
- अब षोडशोपचार पूजन करें अर्थात 1.पाद्य 2.अरघ्य 3. आचमन 4.स्नान 5.वस्त्र 6.आभूषण 7.गन्ध 8.पुष्प 9.धूप 10.दीप 11.नैवेद्य 12.आचमन 13.ताम्बूल 14.स्तवन पाठ 15.तर्पण और 16.नमस्कार करें। इसी तरह से रात्रि में भी पूजा और जागरण करें।
- दूसरे दिन पूजन और पारण के बाद जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन और दान-दक्षिणा दें और उसके बाद भोजन ग्रहण करें।

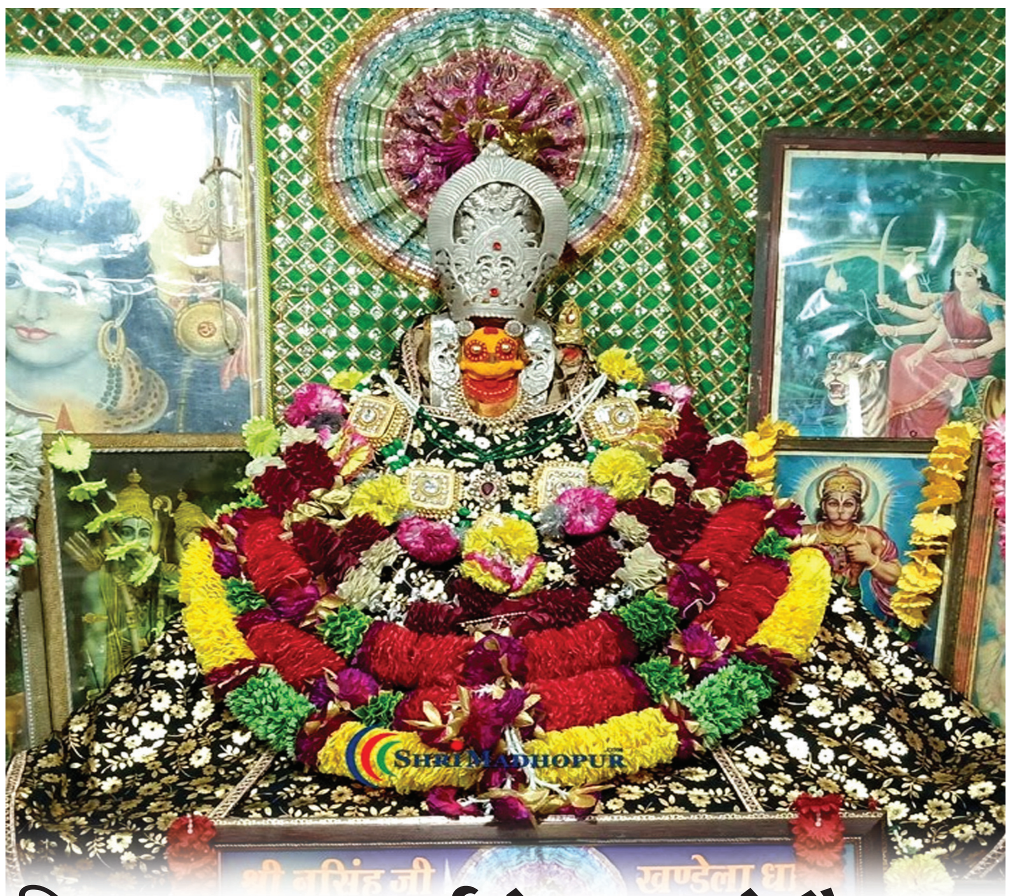

सूर्य देव करते हैं यहां नरसिंह भगवान का अभिषेक

विष्णु भगवान के पांचवें अवतार नरसिंह के मंदिर यूं तो देश भर में कई जगह हैं, लेकिन राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खंडेला का नरसिंह मंदिर कई मायने में अनोखा है। इस मंदिर की पहली खासियत यह है कि यहां स्थित मूर्ति में नरसिंह अपने उस विकराल स्वरूप में नजर आते हैं, जिसमें वह अपनी जंघा पर हिरण्यकश्यपु का वध कर रहे हैं। दूसरी और बड़ी खासियत यह है कि छह सौ से भी अधिक वर्ष पहले चतुर शिल्पियों ने इस मंदिर का निर्माण इस प्रकार किया था कि उत्तरायण और दक्षिणायण में सूर्य की पहली किरणें नरसिंह भगवान पर पड़ती हैं।

इस मंदिर के बारे में प्रचलित कथा के अनुसार, तेरहवीं शताब्दी में अलवर से यहां आकर बसे खंडेलवाल वैश्य राजाराम चौधरी के तीन पुत्रों में से एक चाढ़ बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे और नरसिंह भगवान को अपना इष्ट मानते थे। एक बार दक्षिण भारत से खंडेला में आए साधु-संतों ने उनकी सेवा से प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद दिया कि जल्द ही उन्हें अपने इष्ट के दर्शन होंगे। कुछ दिन बाद नरसिंह भगवान ने उनके सपने में आकर एक जगह दबी हुई अपनी मूर्ति के बारे में बताया। चाढ़ ने उस जगह जाकर खुदाई करवाई और वर्ष 1382 में नरसिंह जयंती यानी वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के दिन प्राप्त हुई उस मूर्ति को निकलवा कर अपनी हवेली में स्थापित करवा दिया। खुदाई वाली जगह पर उन्होंने एक तालाब बनवा दिया, जिसे आज भी चाढ़ोड़ा के नाम से जाना जाता है। राजा दलपत सिंह ने इस मंदिर का निर्माण कार्य आरम्भ करवाया और आखिर वर्ष 1387 में नरसिंह जयंती के दिन वह मूर्ति इस मंदिर में स्थापित की गई।

इस बेहद सादगीपूर्ण मंदिर में शेखवाटी क्षेत्र में प्रसिद्ध रंगीन भित्तिचित्र भी देखने लायक हैं। इस मंदिर में नारियल बांध कर मनौती मानने की प्रथा है, जिसके पूर्ण होने पर लोग यहां आकर प्रसाद चढ़ाते हैं। प्रतिवर्ष नरसिंह जयंती के अवसर पर उत्सव, भंडारा आदि होता है। खंडेलवाल वैश्यों का मूल स्थान होने के कारण देश-विदेश में बसे खंडेलवाल वैश्य अकसर किसी मांगलिक कार्य के लिए यहां आते रहते हैं। इसके अतिरिक्त खंडेला भ्रमण के लिए आने वाले पर्यटक भी यहां अवश्य आते हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से पूरे खंडेला का मोहक दृश्य दिखता है।

कॉर्नर का है मकान तो होंगे 5 नुकसान

लाल किताब मानती है कि यदि मकान अच्छी जगह है तो खराब ग्रह भी अच्छे फल देने लगते हैं और यदि मकान खराब जगह है तो अच्छे ग्रह भी बुरा फल देने लगते हैं। इस बार जानिए कि कोने के मकान के क्या हो सकते हैं 5 नुकसान और इससे बचने के क्या हो सकते हैं उपाय।

कोने का मकान : यदि तीन तरफ मकान एक तरफ खुला या तीन तरफ खुला हुआ और एक तरफ कोई साथी मकान या खुद उस मकान में तीन तरफ खुला होगा तो यह केतु का मकान होगा। केतु के मकान में नर संतानें लड़के चाहे पोते हों लेकिन कुल तीन ही होंगे।

नकारात्मक ऊर्जा

कोने के मकान को केतु का मकान माना जाता है। केतु ग्रह नकारात्मक ग्रह है। कोने के मकान में तीन ओर रास्ते होते हैं जहां पर लोगों का आना जाना तो लगा ही रहता है साथ ही वहां रुककर बातें करना भी लगा रहता जिसके चलते घर में रहने वाले लोग परेशान रहते हैं।

अचानक होने वाली अच्छी और बुरी घटना का मकान

केतु का मकान यह अच्छा भी हो सकता है और खराब भी। अर्थात जो कुछ भी होगा अचानक ही होगा। खिड़कियां, दरवाजे, बुरी हवा, अचानक धोखा होने का खतरा रहता है।

सबसे बुरा फल देता तब

यदि इस मकान के आसपास इमली का वृक्ष, तिल के पौधे या केले का वृक्ष है तो यह पक्के तौर पर केतु का फल देने वाला मकान होगा। इस मकान में बच्चों से संबंधित परेशानी खड़ी हो सकती है।

केतु खाना नंबर तीन

जन्मपत्रिका के भाव 3 में केतु हो तो जातक को दक्षिणामुखी घर में नहीं रहना चाहिए। रहेगा तो बर्बाद हो जाएगा।

घर के अंदर के कोने

आठ कोने के मकान लंबी बीमारी, मुसीबत और मृत्यु को दर्शाता है। शनि अष्टम में होने के संकेत। 18 कोने के मकान है तो धन की हानि, विवाह का नहीं होना। विवाह हो जाए तो विधुर-विधवा योग बनते हैं। इसी तरह 3 और 13 कोने वाला मकान साजिश में बर्बादी को दर्शाता है। 5 कोने वाला मकान संतान की बर्बादी।

कॉर्नर के मकान के नुकसान बचने के उपाय

- यदि मकान के दोनों कोने काटने वाला मार्ग मकान की ओर आता हो तो धन की हानि होगी। यदि मार्ग दाहिनी ओर से घर में आता हो तो महिलाओं पर और यदि मार्ग बायीं ओर से आता है तो घर के पुरुष पर घटना-दुर्घटना का संकट बना रहेगा। इसके उपाय के तौर पर घर का मुख्यद्वार किसी कोने में बनाएं और उसके उपर लाल रंग का झण्डा लगाएं तथा घर के राजमार्ग वाली दीवार पर कांच लगाएं।
- यदि कोई मकान एल सेप में, सड़क के दायीं ओर के मोड़ पर स्थित हो तो इससे घर में रहने वाले व्यक्तियों के करियर में बाधा उत्पन्न होती है और घर के मुखिया की दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में उपाय के दौर पर मुख्यद्वार को घर के मध्य में न बनाकर एक कोने में बनाएं और एक अष्टकोणीय दर्पण रोड की दीवार की तरफ लगाएं।
- यदि कोई मकान आधे चंद्रमा की तरह घेरे में हो तो ऐसे घर में रहने वाले व्यक्तियों को आर्थिक विषमताओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उपाय के तौर पर छोटी झाड़ियां मुख्यद्वार और अर्धचंद्राकार के मध्य में लगाएं।
- दो मार्ग - शेप में यदि मकान की ओर आते हों तो करियर और सेहत पर इसका बुरी असर होता है। उपाय के तौर पर घर के मुख्यद्वार को राजमार्ग से बचाकर एक कोने में बनाएं। सड़क साइड वाले दरवाजे पर छोटी चहारदीवारी बनाएं या छोटे-छोटे पौंधो व झाड़ियों का घेरा भी बना सकते हैं। घर में यदि दो दरवाजे हो तो दोनों को एक साथ न खोलें। एक ओपन तो एक क्लोज रखें।
- यदि मकान सही दिशा में नहीं है तो उसे छोड़ देना ही सबसे बड़ा उपाय है। मकान सही दिशा में हैं तो जिधर कोने खुले हैं वहां की खिड़कियां और दरवाजें किसी वास्तु शास्त्री के अनुसार ही निर्मित कराएं या उस ओर खिड़की दरवाजे न हो तो ही अच्छा।

16 दिसंबर को सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ ही बंद होंगे मांगलिक कार्य

16 दिसंबर, बुधवार की सुबह करीब 4 बजे सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के इस राशि परिवर्तन से सामान्य काम कर के जीवनयापन कर रहे लोगों को शुभ फल मिलेगा।

साल में 2 बार सूर्य बृहस्पति की राशि में आते हैं और एक महीने के लिए रहते हैं। 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक धनु और 15 मार्च से 15 अप्रैल तक मीन राशि में सूर्य विचरण करते हैं। जब सूर्य और बृहस्पति का संयोग बनता है तो 2 महीनों में किसी भी तरह के मांगलिक काज नहीं किए जाते हैं।

- 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में जाते ही खरमास शुरू हो जाएगा। खरमास के लगते ही मांगलिक कार्यों पर एक बार फिर रोक लग जाएगी। एक माह तक कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होंगे।
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार खरमास में सभी प्रकार के शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, सगाई, गृहप्रवेश के साथ व्रतारंभ एवं व्रत उद्यापन आदि वर्जित होते हैं।
- सूर्यदेव एक राशि में एक माह तक रहते हैं। इसके बाद ये राशि परिवर्तन करते हैं जिसे संक्रांति कहते हैं जिस भी राशि में सूर्य जाते हैं उसी राशि के नाम से संक्रांति जानी जाती है।
- ऐसे ही जब सूर्यदेव धनु राशि में प्रवेश करते हैं तब खरमास लगता है। मीन संक्रांति होने पर भी खरमास लगता है।
- सूर्य जब-जब गुरु की राशि यानी धनु राशि में रहता है तब तक खरमास माना जाता है। इस समय मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।
- खरमास में मांगलिक कार्यों के संपन्न नहीं होने का एक वैज्ञानिक आधार भी है। सूर्य जब गुरु की राशि धनु और मीन में प्रवेश करता है तो इससे गुरु निस्तेज हो जाते हैं, उनका प्रभाव समाप्त हो जाता है। शुभ कार्यों के लिए गुरु का पूर्ण बलशाली अवस्था में होना आवश्यक है। इसलिए इस एक माह के दौरान शुभ कार्य करना वर्जित रहता है। खासकर विवाह तो बिल्कुल नहीं किए जाते हैं क्योंकि विवाह के लिए सूर्य और गुरु दोनों को मजबूत होना चाहिए।

एक माह बाद मकर राशि में

सूर्य एक माह बाद मकर राशि में प्रवेश करेगा। इस खास दिन को मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करके दान किया जाता है। इस दिन से उत्तरायण प्रारंभ होता है, यानी सूर्य अगले 6 महीने के लिए उत्तरायण होता है। जिसे देवताओं का दिन कहा गया है। विवाह सहित समस्त शुभ कार्य इस दिन से प्रारंभ हो जाते हैं।

भगवान विष्णु का पूजन

खरमास के प्रतिनिधि आराध्य देव भगवान विष्णु हैं। इसलिए इस माह के दौरान भगवान विष्णु की पूजा नियमित रूप से करना चाहिए। खरमास में आने वाली दोनों एकादशियों का भी विशेष महत्व होता है। इनमें व्रत रखकर विधि -विधान से भगवान विष्णु का पूजन करने से समस्त सुखों की प्राप्ति होती है। इस मास में प्रतिदिन स्नानादि से निवृत होकर भगवान विष्णु के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः का तुलसी की माला से जाप करें। इस दौरान पीपल के वृक्ष में नियमित जल और कच्चा दूध अर्पित करने से धन-सुख, वैभव की प्राप्ति होती है। दान, पुण्य, जप और भगवान का ध्यान लगाने से कष्ट दूर हो जाते हैं।

सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहा जाता है। धनु राशि में सूर्य के प्रवेश करते ही खरमास आरंभ हो जाएगा। इस माह में मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। 16 दिसंबर की सुबह सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे इसे धनु संक्रांति कहा जाएगा। ये देवगुरु बृहस्पति की राशि है। धनु राशि में सूर्य के आ जाने से मौसम में बदलाव होंगे, जिससे देश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। जिससे ठंड भी बढ़ सकती है। इस राशि में सूर्य 15 जनवरी तक विराजमान रहेंगे।

वैज्ञानिक पक्ष

सूर्य की तरह गुरु ग्रह में भी हाइड्रोजन और हीलियम की उपस्थिति है। सूर्य की तरह इसका केंद्र भी द्रव्य से भरा हुआ है, जिसमें अधिकतर हाइड्रोजन ही है। पृथ्वी से 15 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित सूर्य तथा 64 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित बृहस्पति ग्रह में वर्ष में एक बार ऐसे जमाव में आते हैं जिनकी वजह से बृहस्पति के कण काफी मात्रा में पृथ्वी के वायुमंडल में पहुंचते हैं। ये कण एक-दूसरे की कक्षा में आकर अपनी किरणों को आंदोलित करते हैं। उक्त कारण से व्यक्ति की मानसिक स्थिति में भी परिवर्तन आता है, जिससे मांगलिक कार्यों में व्यवधान संभावित है। इसी कारण से मंगल कर्म करना निषेध हैं। धनु संक्रांति के दिन भगवान सत्यनारायण की कथा का पाठ किया जाता है। भगवान विष्णु की पूजा में केले के पत्ते, फल, सुपारी, पंचामृत, तुलसी, मेवा आदि का भोग तैयार किया जाता है। सत्यनारायण की कथा के बाद देवी लक्ष्मी, महादेव और ब्रह्मा जी की आरती की जाती है और चरणामृत का प्रसाद दिया जाता है। जो लोग विधि के साथ पूजन करते हैं उनके सभी संकट दूर होते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, संपादक- **विजयेन्द्र कुमार सिंह** द्वारा समग ट्रयू इंटरप्राइजेज प्रा.लि., ए-157, सेक्टर-80, फैज-1, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा 227 पटपड़गंज गांव , मेन रोड , मयूर विहार फेज 1 दिल्ली - 110091 से प्रकाशित। **सलाहकार संपादक -निविड़ शिवपुत्र***
दूरभाष- 7503976650 (पत्र से संबंधित सभी विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा)